आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, बुधवार
30 अप्रैल 2025
वर्ष: 38, अंक: 149
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3 रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

मध्य प्रदेश सरकार ने तबादला नीति को दी मंजूरी

झारखंड

एनटीपीसी ठेकेदारों से लेवी मांगने वाले उग्रवादियों का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

हज़ारीबाग

सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी का रामगढ़ में हुआ भव्य स्वागत सह अभिनंदन

आज तक ही डीजीपी रहेंगे अनुराग गुप्ता! सेवा विस्तार पर केंद्र की रोक, सीएम हेमंत लेंगे संज्ञान

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची: केंद्र द्वारा डीजीपी अनुराग गुप्ता के सेवा विस्तार पर रोक लगाने के बाद उनके पद पर बने रहने को लेकर संशय पैदा हो गया है. केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार को साफ निर्देश दिया है कि उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जाए. अब माना जा रहा है कि सीएम हेमंत के विदेश से लौटने के बाद इस मामले में संज्ञान ले सकते हैं. इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी ने अनुराग गुप्ता की नियुक्ति के खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है, जिस पर 19 जून को सुनवाई होगी. झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने 27 जुलाई, 2024 को पुलिस महानिदेशक यानी डीजीपी बनाया था. अनुराग गुप्ता ने अजय कुमार सिंह से प्रभार लिया था, लेकिन विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने प्रभारी डीजीपी के पद से अनुराग गुप्ता को हटा दिया था. विधानसभा

चुनाव में सरकार गठित होने के बाद तुरंत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद पर फिर से तैनात कर दिया.

डीजीपी पद पर नियुक्ति के लिए एक विशेष नियमावली बनाई गई, जिसके आधार पर अनुराग गुप्ता को राज्य का स्थाई पुलिस महानिदेशक बना दिया गया. इस पद पर उनका पदस्थापन 2 वर्षों के लिए हुआ. राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार 26 जुलाई, 2026 तक के लिए अनुराग गुप्ता पुलिस महानिदेशक बने रहते. लेकिन राज्य सरकार के द्वारा नियमावली बनाकर अनुराग गुप्ता को पुलिस महानिदेशक बनाए जाने का निर्णय सवालों के घेरे में आ गया. इस पर राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप भी चले. इधर केंद्र सरकार ने अनुराग गुप्ता की नियुक्ति पर अपना मंतव्य दिया है. इसमें नियुक्ति को गलत बताया गया है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कहा है कि 30 अप्रैल 2025 तक ही उनकी सेवा होगी. अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन क्या निर्णय लेते हैं.

जानकारी के अनुसार, 2020 में हेमंत सोरेन की सरकार ने ही आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता को निलंबित किया था, क्योंकि उन पर 2016 में हुए राज्यसभा चुनाव में बड़कागांव की तत्कालीन कांग्रेस विधायक निर्मला देवी को भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट देने के लिए प्रलोभन देने और उनके पति पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को धमकाने का आरोप था. करीब 26 महीने बाद अप्रैल 2022 में उनका निलंबन वापस ले लिया गया था.

ढ्ढक्र अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं. वे झारखंड के गढ़वा जिले, गिरिडीह जिले, हजारीबाग जिले में एसपी और राजधानी रांची में एसएसपी के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं. आईपीएस अनुराग गुप्ता ने संयुक्त बिहार में भी बेहतरीन काम किया था, उन्हें बहादुरी के लिए राष्ट्रपति का वीरता पुरस्कार भी मिल चुका है.

कुख्यात गैंगस्टर के लिए जेल बना सेफ हाउस! ध्वस्त करने में जुटी झारखंड पुलिस

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के जेलों में बैठे गैंगस्टर जेल को सेफ हाउस की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और जेल के अंदर ही बैठकर राज्य में खूनी खेल खेल रहे हैं। हालांकि अब झारखंड पुलिस अमन साहू एनकाउंटर के बाद ऐसे गैंगस्टर को कड़ा संदेश दे चुकी है।

राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा है कि अमन साहू के मरने से दो फायदा हुआ। एक तो अपराधी मर गए और दूसरा उस अपराधी के मरने से अपराधियों में डर पैदा हो गया है। खास करके जेल में बंद अपराधियों में खौफ है। जेल में बंद अपराधी पुलिस पर बमबारी न करें, भगाने का प्रयास न करें, व्यापारियों को परेशान न करें। नहीं तो उनका हश्र अमन साहू जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जेल की स्थिति काफी नियंत्रण में आई है। लेकिन नियमित रूप से सभी एसपी को बोला गया है कि जेल की लगातार जांच पड़ताल की जाती रही। डीजीपी ने कहा कि दुर्दांत अपराधियों को अब सेफ हाउस की तरह जेल को इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा। सभी को अलग-अलग जेल में शिफ्ट किया जाएगा। जेल से आपराधी गतिविधियों की प्लानिंग करने में मुख्य भूमिका निभाने वाले गैंगस्टर को राज्य के दूसरे जिलों में शिफ्ट करने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया थोड़ी जटिल जरूर है। क्योंकि न्यायालय से अनुमति लेनी होती है। गैंगस्टर जेल में बैठकर एकछत्र राज चला रहे हैं। ऐसे में उन्होंने उन्हें दूसरे जेलों में शिफ्ट किया जाएगा।

हालांकि जेल से आपराधिक वादतों को अंजाम देने के लिए कम्युनिकेशन कैसे हो रहा है। यह बड़ा सवाल है। इसको लेकर डीजीपी ने कहा कि जेल से प्लान किए गए आपराधिक गतिविधियों के संचालन में सबसे अहम भूमिका कम्युनिकेशन डिवाइस की है, जिससे निपटना पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। हालांकि कम्युनिकेशन को ध्वस्त करने के लिए भी पुलिस काम कर रही हैं। लगातार 3 जी, 4 जी और 5 जी जैमर लगाए जाते रहे ही। लेकिन कम्युनिकेशन डिवाइस इतने छोटे हो गए हैं कि उसे डिटेक्ट करना वास्तव में कठिन काम है। इसे तोड़ने का तरीका यही है कि उन गैंगस्टर को ऐसी जगह पर बैठने नहीं देना है। जिसे उन लोगों ने सेफ हाउस बनाकर रखा है।

संविधान बचाओ रैली की बदली तारीख, तीन नहीं 06 मई को होगी आयोजित!

संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली 3 मई के बजाय 6 मई को होगी. रांची के पुराना विधानसभा मैदान में दिन के 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित होनेवाली इस रैली को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी के राजू सहित कई बड़े नेता संबोधित करेंगे. इस रैली के बाद प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक होगी. जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपस्थित रहेंगे. मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के पहले अध्यक्ष होंगे जो झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे.

इस बैठक में केसी वेणुगोपाल संविधान बचाओ रैली को लेकर की जा रही तैयारी की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि यह रैली एतिहासिक होगा. जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल होंगे. मीडियाकर्मियों से कांग्रेस भवन में बात करते हुए केशव महतो कमलेश ने कहा कि छह मई हमलोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है. संविधान बचाओ रैली को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस जुट गई है. मंगलवार 29 अप्रैल को कांग्रेस भवन में बैठक का दौर जारी रहा. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस भवन में बैठक हुई. बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू, पूर्व मंत्री बंधू तिर्की के अलावा कई अन्य नेता उपस्थित रहे. बैठक में जिलास्तर पर होनेवाले संविधान बचाओ रैली के अलावा 06 मई को प्रदेश स्तरीय रैली की तैयारी को लेकर रुपरेखा बनाई गयी. इस बैठक में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटाने के निर्देश दिए गए साथ ही संविधान बचाओ रैली का व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा गया.

डॉ. राजकुमार ने फिर से संभाला रिम्स निदेशक का कार्यभार

संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर बतौर रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार ने मंगलवार 29 अप्रैल को कार्यभार संभाला. इस दौरान डॉ. राजकुमार एक्शन मोड में दिखे. पहले ही दिन रिम्स के फैकल्टी प्रमोशन के अटके मामले सहित रिम्स से जुड़े अन्य मामलों पर उन्होंने अहम निर्णय लिए.

मौके पर मीडिया से बात करते हुए डॉ. राजकुमार ने कहा कि रिम्स की प्रगति को लेकर वे कृतसंकल्पित हैं. एमआरआई के लिए पुरानी जीबी में सहमति नहीं बनी थी, कैबिनेट का निर्णय था और एग्रीमेंट हो गया है. टेंडर से रुा निकाला था और जीबी में फैसला नहीं हो पाया था. मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए इसको लेकर निर्णय की कार्य योजना बनाई है. वहीं रिम्स का एक नंबर गेट काफी जर्जर स्थिति में है, इसलिए उसे तोड़ने

का फैसला लिया गया है. गेट नंबर 2 और कोकर के रास्ते से तत्काल आवाजाही होगी.

हाईकोर्ट के आदेश पर एक बार फिर रिम्स निदेशक बने डॉ. राजकुमार को लेकर सियासत शुरू हो गई है. इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मैं न्यायालय के निर्णय का सम्मान करता हूं. साथ ही उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी इस मामले में राजनीति कर रही है. उन्होंने निदेशक की नियुक्ति को लेकर उठे जातिवाद के सवालों पर कहा कि सरकारी पद की कोई जाति नहीं होती. उन्होंने कहा कि रिम्स निदेशक की नियुक्ति जात-पात देखकर नहीं की गई है.

इधर, स्वास्थ्य मंत्री के आरोप पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि जाति की राजनीति कांग्रेस करती है. पार्टी के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा है कि जातिवाद का जहर फैलाने का काम कांग्रेस नेता राहुल गांधी करते हैं, जो खुलेआम जाति पूछते हैं और उनकी पार्टी जाति की राजनीति में विश्वास करती है. वहीं बीजेपी सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास में मान्यता रखती है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नहीं, बल्कि दलित समाज के लोगों ने यह कहा कि एक दलित व्यक्ति को बिना कोई आरोप के बर्खास्त कर दिया गया. उन्होंने कहा कि एक दलित समाज का व्यक्ति जो उच्च पद पर आसीन है उसे बेवजह परेशान करना अनुचित है. शायद यही वजह है कि हाईकोर्ट ने भी इसे सही मानते हुए सरकार के आदेश को निरस्त किया है.

धड़ल्ले से हो रहा था बालू का अवैध उत्खनन, प्रशासन को देख भागे माफिया!

क्राइम संवाददाता द्वारा

खूंटी। जिला में बालू के अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है. रनिया में लाखों सीएफटी बालू जब्त और एफआईआर के बाद कर्रा के कारो नदी से बालू के अवैध उत्खनन करके नदी से बालू निकालते हुए 10 ट्रैक्टर जब्त करने की कार्रवाई की है.

एसडीओ दीपेश कुमारी के दिशा और निर्देश पर कर्रा सीओ के नेतृत्व में छापामारी दल गठित कर बुढ़ीरोमा और कुरकुरिया मौजा के बीचोंबीच कारो नदी से अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई की है. इस दौरान 2 ट्रैक्टर चालक कार्रवाई के भय से भगाने में कामयाब रहे.

कर्रा सीओ वंदना भारती ने बताया एसडीओ को गुप्त सूचना मिली थी कि बुढ़ीरोम गांव से कुरकुरिया गांव जाने के बीच पड़ने वाली दक्षिण कारो नदी से भारी मात्रा में बालू का उठाव हो रहा है. सूचना को सत्यापित करते हुए एसडीओ के दिशा निर्देशानुसार कर्रा सीओ वंदना भारती के नेतृत्व में टीम का गठन करके कारो नदी में छापामारी अभियान चलाया. जिसमें 12 ट्रैक्टर चालक और मजदूरों द्वारा अवैध बालू उत्खनन करते देखा गया था. पुलिस की कार्रवाई के दौरान ही बालू माफिया दो ट्रैक्टर भागने में सफल रहे. भागने वाले दो में से एक ट्रैक्टर चालक, नदी में ट्रॉली छोड़कर भाग निकला.

इस दौरान मेहा के मुखिया अजय खलखो ने एक ट्रैक्टर को सरकारी आवास में बालू ले जाने के खिलाफ आवेदन और दस्तावेज बर्क्स सीओ को सौंपा था. जिसके बाद सभी जब्त ट्रैक्टर को कर्रा थाना में लाकर खड़ा कर दिया है. छापामारी दल में कर्रा अंचल और कर्रा थाना के कर्मी व जवान मौजूद रहे.

अवैध बालू माफिया नदियों से दोहन कर बालू का भंडारण कर तस्करी करते रहे हैं. कार्रवाई के बावजूद तस्करों के मनोबल बढ़ा हुआ है. अवैध बालू के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है और सूचना के अनुसार रनिया, तोरपा और कर्रा इलाके में विशेष कार्रवाई की जा रही है. विगत दिनों रनिया में अवैध बालू डंप को सीज करते हुए जमीन मालिकों को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज की गई थी. इसके साथ ही डंप कराने वाले तस्करों को चिन्हित कर एफआईआर हुई है. जल्द ही तस्करों एवं जमीन मालिकों पर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होगी. - दीपेश कुमारी, एसडीओ.

331 करोड़ में बनकर तैयार होगा रांची और जमशेदपुर में आईएसबीटी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची। रांची और जमशेदपुर में अंतरराज्यीय बस पड़ाव के निर्माण को लेकर राज्य सरकार आगे बढ़ रही है और इसी क्रम में मंगलवार को नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको की ओर से संचालित दोनों परियोजनाओं को लेकर कई जानकारियां साझा की गईं। प्रधान सचिव ने पीपीपी मोड, हैम मोड एवं इपीसी पर निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा की।

बताया गया कि दोनों परियोजनाएं कुल 331 करोड़ रुपये की लागत पर तैयार हो जाएंगी। रांची में अंतरराज्यीय बस पड़ाव (आईएसबीटी) के निर्माण की अनुमानित लागत 181 करोड़ रुपये है तो जमशेदपुर में 150 करोड़ रुपये। इसके साथ ही रांची

में ट्रांसपोर्ट नगर के संचालन को लेकर निविदा शीघ्र निकालने का निर्देश दिया गया है।

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रांची और जमशेदपुर के नागरिकों की सुविधा को देखते हुए आईएसबीटी का निर्माण किया जाये। सचिव ने परामर्शी कंपनी आइडेक द्वारा तैयार किये गये डिजाइन का प्रजेंटेशन देखा। इस दौरान उन्होंने पीपीपी मोड, हाई ब्रिड एन्युटी माडल (हैम) तथा इपीसी मोड पर आईएसबीटी के निर्माण की संभावनाओं पर विचार विमर्श किया।

इन प्रणालियों में आईएसबीटी के निर्माण में जो उपयुक्त होगा उस पर विचार किया जायेगा। प्रधान सचिव ने बैठक में कहा कि दुबलिया, रांची और जमशेदपुर में बनने वाले आईएसबीटी की 60 प्रतिशत भूमि को खुला रखा जाये तथा 40 प्रतिशत भूमि पर ही निर्माण कार्य किया जाये।

खुले क्षेत्र में आकर्षक वृक्षारोपण भी किए जाएं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण विश्रामागार एवं प्रतीक्षालय हरहाल में बनाया जाना चाहिए। साथ ही आईएसबीटी में यात्रियों के लिए सभी प्राथमिक सुविधाएं मुहैया करायी जायें।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया पंचायत सचिव, एसीबी ने किया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

पाकुड़। एसीबी की टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते पंचायत सचिव वतन कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. वतन, पाकुड़ सदर प्रखंड के जमशेदपुर पंचायत के पंचायत सचिव हैं. दुमका से आयी एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर अपने साथ ले गयी. गिरफ्तार पंचायत सचिव को एसीबी टीम अपने साथ दुमका ले गयी. एसीबी की टीम की कार्रवाई के बाद सरकारी एवं अनुबंध कर्मियों में हड़कंप मच गया.

एसीबी के पदाधिकारी ने बताया कि लाभुक सिंचाई कूप के निर्माण कार्य को लेकर एजेंट से 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहा था, जिससे लाभुक तंग आकर इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो दुमका से की. इस शिकायत के आधार पर एसीबी टीम ने जांच शुरू की.

जानकारी के मुताबिक पंचायत सचिव को रिश्वत की राशि देने के लिए सदर प्रखंड कार्यालय के निकट एक नाश्ते की दुकान में बुलाया और 10 हजार रुपये की राशि लेते ही एसीबी की टीम ने धर दबोचा. इसके बाद टीम ने पंचायत सचिव को बीडीओ कार्यालय में ले गयी और फिर सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे अपने साथ दुमका ले गयी.

इस मामले में एसीबी टीम में शामिल अधिकारियों ने कैमरे के सामने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया. हालांकि इतना जरूर बताया कि सिंचाई कूप निर्माण में लाभुक एजेंट से 20 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा था, जिसे टीम ने आज 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पंचायत सचिव वतन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

बीसीसीएल के समानांतर कैसे चल रही कोयला तस्करों की पोखरिया खदानें

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

धनबाद: धनबाद में कोयल चोर -तस्कर अब अवैध कोयला प्रोजेक्ट चला रहे है. कोयलांचल में अब दो तरह के कोयला खनन प्रोजेक्ट चल रहे है. एक प्रोजेक्ट वैध चल रहे हैं, जिसका आवंटन बीसीसीएल करती है. दूसरी ओर अवैध खनन प्रोजेक्ट भी चल रहे हैं ,जिसके मालिक कोयला चोर और तस्कर होते है. वैध आउटसोर्स प्रोजेक्ट से उत्पादित कोयला बीसीसीएल को मिलता है तो अवैध आउटसोर्सिंग परियोजना से उत्पादित कोयला सीधे काला बाजार में बेच दिया जाता है. मतलब साफ है कि डोज़र , डंपर और पोकलेन लगाकर अवैध परियोजनाएं चल रही है. इससे बीसीसीएल को कितना नुकसान होता होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है. सूत्रों के अनुसार बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के धर्माबांध ओपी क्षेत्र में इसका खुलासा हुआ है.

जहां कम से कम आधा दर्ज़न अवैध

ओपन कास्ट प्रोजेक्ट चल रहे है. इस बात की पुष्टि शनिवार को भी हुई. शनिवार को सीआईएस एफ की टीम जब पहुंची तो उसके होश उड़ गए. सूत्र बताते हैं कि सीआईएसएफ अवैध परियोजनाओं को बंद कराने गई जरूर थी, लेकिन वहां के हालात देखकर वह परेशानी में पड़ गई. टीम कोयला उठाने के लिए वाहन लेकर नहीं गई थी. इसी का कथित बहाना कर लौट गई. लेकिन इसका कोई असर अवैध प्रोजेक्ट चलने वाले कोयला तस्करों पर नहीं हुआ. सूत्र बताते हैं कि धर्माबाध ओपी क्षेत्र में आधा दर्जन जगहों पर अवैध ओपन कास्ट परियोजना कोयला तस्करों ने शुरू की है. सूत्रों पर भरोसा करें तो धर्माबाँध ओपी क्षेत्र के बंगाली कोठी, धर्माबांध चानक, तेतुलिया साइडिंग , तेतुलिया पंचायत भवन के समीप पोकलेन और जेसीबी मशीन लगाकर दिन-रात मिट्टी की कटाई की गई है. उसके बाद अवैध खनन प्रोजेक्ट तैयार किया गया है. यहां से उत्पादित कोयला सीधे ट्रको से बाहर भेज दिया जाता है.

सूत्र तो यह भी बताते हैं कि जब टीम छापा मारने गई थी उसे समय भी कोयले की लोडिंग हो रही थी. लेकिन टीम वाहन नहीं रहने का बहाना बनाकर लौट गई. बता दें कि कोयला चोरी को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी डीजीपी को पत्र लिखा है. उन्होंने धनबाद में हो रहे कोयला चोरी का इसमें पूरी तरह से खुलासा किया है. उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि धनबाद में खुलेआम दबंगई के साथ कोयला चोरी हो रही है. धनबाद सहित झारखंड के बोकारो, रामगढ़ में बड़े पैमाने पर कोयला चोरी का भी पत्र में उल्लेख है . इसे रोकने के लिए पुलिस प्रशासन कोई पहल नहीं कर रहा है. इस वजह से राज्य पुलिस को लेकर संदेह पैदा होता है कि कहीं ना कहीं, पुलिस की मिलीभगत से ही इतने बड़े पैमाने पर कोयले की चोरी की जा रही है. . बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के डीजीपी को 25 अप्रैल को यह पत्र लिखा है.

पत्र का संदर्भ धनबाद का है, लेकिन उन्होंने संगठित कोयला माफिया की करतूत को इस पत्र में उजागर किया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि धनबाद के कासियाटांड़ में कोयले का अवैध डिपो चलाया जा रहा है. यहां से प्रतिदिन दर्जनों ट्रक कोयला बिहार एवं उत्तर प्रदेश को भेजा जाता है और इस गिरोह को एक संगठित माफिया गैंग चला रहा है. उन्होंने पत्र में कई नाम के उल्लेख भी किए है. पत्र में उन्होंने आंकड़ा भी दिया है. बताया है कि रोज साइकिल और मोटरसाइकिल वालों से कोयला इस अवैध डिपो में गिरता है और रात में चोरी के कोयले को ट्रको को बिहार एवं उत्तर प्रदेश भेज दिया जाता है.

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की दूसरी खेप सौंपी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली की दूसरी खेप फिलीपींस को सौंप दी है। इसी के साथ भारत और फिलीपींस के बीच 2022 में किया गया अनुबंध पूरा हो गया है, जो 374 मिलियन डॉलर से अधिक का सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा था। भारतीय वायु सेना के ताकतवर सी-17 ग्लोबमास्टर ने मिसाइल की खेप लेकर हिंडन एयरफोर्स से उड़ान भरी थी और अब यह विमान फिलीपींस वायु सेना के क्लार्क एयरबेस पर उतर चुका है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने 28 जनवरी, 2022 को फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ तीन मिसाइलों के लिए एक औपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। भारत से सुपरसोनिक मिसाइल खरीदने के लिए 374 मिलियन डॉलर से अधिक का यह सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा था। भारत (डीआरडीओ) और रूस (एनपीओएम) के संयुक्त उद्यम ने सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस विकसित की है। ब्रह्मोस मिसाइल के

सौदे पर भारत और फिलीपींस के बीच वर्षों से बातचीत चल रही थी। दोनों देशों ने 03 मार्च, 2020 को प्रमुख रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने पिछले साल 19 अप्रैल को विश्व की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की पहली खेप के रूप में एक बैटरी फिलीपींस को सौंपी थी। इस ब्रह्मोस की रेंज 290 किमी (180 मील) है, जिसे जमीन, समुद्र और पनडुब्बी से दागा जा सकता है। दूसरी खेप की डिलीवरी ऐसे समय में हुई है, जब मनीला और बीजिंग के बीच कूटनीतिक और सुरक्षा संबंध दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़पों के कारण तनावपूर्ण हैं। फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो ने कहा कि भारत से खरीदी गई मिसाइल फिलीपींस सेना के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का हिस्सा है, जिससे चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच देश की तटीय रक्षा क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। भारत के साथ मिसाइल का यह सौदा पूरा करने के बाद फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ दशकों से चल रहे क्षेत्रीय विवादों के साथ-साथ सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी सेना के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब फिलीपींस अपनी लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के लिए भारत से उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों के एक बैच खरीद रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) 5.5 टन भार वर्ग में एक जुड़वां इंजन, बहु-भूमिका, बहु-मिशन नई पीढ़ी का हेलीकॉप्टर है और इसे विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए एक प्रभावी प्लेटफ़ॉर्म माना जाता है। फिलीपींस दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है। पिछले कुछ वर्षों के भीतर खासकर समुद्री क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों में तेजी आई है। फिलीपींस दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) का एक प्रमुख सदस्य भी है, जिसके साथ पिछले एक दशक में भारत के संबंधों में बड़ा विस्तार हुआ है। फिलीपींस ने भारत से आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम भी खरीदने के लिए रुचि दिखाई है। स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर का निर्यात बढ़ाने के प्रयासों के बीच आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली ने भारत को एयरोस्पेस की दुनिया में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

संसद के विशेष सत्र की मांग, पहलगाम आतंकी हमले पर शोक और एकजुटता दर्शाने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) सांसद पी. संदोष कुमार ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर संसद का एक विशेष सत्र आयोजित करने की मांग की है। इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जान गई थी। संदोष कुमार केरल से राज्यसभा के सदस्य हैं। कुमार ने पत्र में लिखा है कि घटना ने पूरे देश की सामूहिक चेतना को हिला कर रख दिया है। संसद लोगों की सर्वोच्च आवाज है। ऐसे कठिन समय में यह आवश्यक है कि हम एकजुट होकर शोक व्यक्त करें। आतंकवाद के खिलाफ अपनी अडिग संकल्पना को दोहराएं। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने आग्रह किया कि सरकार उनकी इस मांग पर गंभीरता से विचार करे। इससे सभी सांसद मिलकर इस दुखद घटना के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। उन्होंने विशेष सत्र की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए कहा, यह सत्र सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को एक साथ लाने का एक अवसर होगा, ताकि हम इस त्रासदी पर शोक व्यक्त कर सकें और यह स्पष्ट संदेश भेज सकें कि भारत एकजुट, दृढ़ और आतंकवादियों के खिलाफ खड़ा है। सांसद संदोष ने अपील की कि हम सभी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों की भावना और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करें।

नरेश टिकैत का बयान देश विरोधी ताकतों का समर्थन, जांच हो: भारतीय किसान संघ

नई दिल्ली। भारतीय किसान संघ ने भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के बयान की निंदा की है। किसान संघ ने एक बयान में कहा है कि भारतीय किसान यूनियन के नेता का बयान देश विरोधी ताकतों का समर्थन है। इसकी जांच होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोषों की हत्या के बाद भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इस फैसले को किसान नेता नरेश टिकैत ने गलत बताया है। उन्होंने कहा कि संधि जारी रहनी चाहिए। हम इसके खिलाफ हैं। हम किसान हैं और हर किसान को पानी मिलना चाहिए देश के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि भारतीय किसान यूनियन के नेताओं का बयान देशविरोधी ताकतों का समर्थन है। उन्होंने मांग की कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि किसके इशारे पर इस प्रकार के पाकिस्तान समर्थक बयान दिए जा रहे हैं। मिश्र ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे बयानों से आतंकवादियों और देश विरोधी शक्तियों को बल मिलता है। देश के दुश्मनों को जड़ से खत्म कर देना ही इस समस्या का हल है। इन तथाकथित नेताओं के बयान का भारत का किसान विरोध करेगा।

पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों का वितरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले विभूतियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कार समारोह में भाग लेने की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'नागरिक अलंकरण समारोह-II में भाग लिया, जहां पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी क्षेत्रों के उत्कृष्ट व्यक्तियों को उनकी सेवा और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने चुने हुए क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान के माध्यम से, उन्होंने हमारे समाज के जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव लाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पद्म पुरस्कारों को फिर से परिभाषित किया है और समारोह का फोकस परिवर्तन निर्माताओं और सामाजिक नवप्रवर्तकों को सम्मानित करने पर केंद्रित किया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सम्मान उनकी यात्रा को और गति देगा और अधिक लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।'

क्लब के बाहर हुई गोलीबारी का आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की प्रीत विहार थाना पुलिस ने इलाके में क्लब के बाहर हुई गोलीबारी में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि आरोपित की पहचान अफाक के रूप में हुई है। इसके पास से पुलिस को एक पिस्टल बरामद हुई है। मामले में पुलिस अफाक के एक सहयोगी साहिल की तलाश कर रही है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि करीब पांच दिन पहले उसका व उसके दोस्त साहिल का क्लब के बाउंसरों, क्लब मालिक परमेंदर से झगड़ा हुआ था। इस दौरान क्लब स्टाफ व मालिक ने उनकी पिटाई करने के साथ ही उनको बुरी तरह अपमानित करके क्लब से भगा दिया था।

दिल्ली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री वय वंदना योजना शुरू, सीएम ने वरिष्ठ नागरिकों को दिए कार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री वय वंदना योजना की शुरुआत करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राजधानी के वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना योजना (वीवीवाई) कार्ड वितरित किए। इस योजना के तहत सबसे पहला कार्ड राम सिंह नेगी, दूसरा वेद सिंह और तीसरा राजेन्द्र कुमार समेत कई लोगों को दिया गया। वीवीवाई कार्ड वितरण का मुख्य समारोह दिल्ली के त्याग राज स्टेडियम में किया गया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, दिल्ली के सभी भाजपा सांसद, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह और उपमहापौर जय भगवान यादव मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार का यह पहला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल के तहत अब राष्ट्रीय राजधानी में वय वंदना योजना लागू हो गई है। इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार प्रदान किया जाएगा। यह कवच केवल दवाइयों और अस्पतालों तक सीमित नहीं है बल्कि यह उनके प्रति हमारी अटूट श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लिए बहुत खुशी का दिन है। दिल्ली सरकार अपने सभी माता-पिता को सम्मान, न्याय और सुविधा प्रदान कर रही है। दिल्ली के लोग केवल अपना आधार कार्ड लेकर जाएंगे और अपना पंजीकरण इस योजना में करवा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान वय वंदना योजना हमारे समाज के उन वयोवृद्ध बुजुर्गों के प्रति एक हृदयस्पर्शी सलाम है, जिनके कांपते कंधों ने कभी हमारे सपनों को आकार दिया, जिनके थके पांवों ने हमें जीवन की राह दिखाई।

खरगे, राहुल ने पहलगाम आतंकी हमले पर लिखा प्रधानमंत्री को पत्र, संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले से उपजे देशव्यापी गुस्से के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। दोनों ने प्रधानमंत्री मोदी से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 28 अप्रैल को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन जरूरी है। इसलिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र यथाशीघ्र बुलाया जाए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी ऐसा ही पत्र प्रधानमंत्री मोदी को लिखा है। उन्होंने भी प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द

बुलाया जाए। पत्र में कहा गया है, 'इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना चाहिए कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकजुट हैं।' इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 'हमने कई विपक्षी दलों से बातचीत की और उसके बाद ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले पर विशेष सत्र बुलाने और चर्चा कराने की मांग की। इसका उद्देश्य दुनिया को यह सामूहिक संकल्प दिखाना है कि हम एक हैं। यह एकता का समय है, ध्रुवीकरण का नहीं। मौजूदा हालात को देखते हुए एकता और एकजुटता जरूरी है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री संसद का विशेष सत्र बुलाएंगे और उसमें मौजूद रहेंगे।'

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से दिल्ली को मिलेगी गर्मी से राहत, एक मई को चल सकती है तेज आंधी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को आने वाले तीन दिनों में गर्मी से राहत मिलने वाली है। 30 मई को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके चलते दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में एक मई से गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.4 और न्यूनतम 23.2 दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से एक डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने कहा है कि 30 अप्रैल से एक मई तक राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री और न्यूनतम 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इन तूफानी हवाओं और बारिश से तापमान में गिरावट आएगी, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक ऊपरी हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और दूसरा निचले

क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी बांग्लादेश पर बना हुआ है। इसके चलते अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक रूप से व्यापक रूप से हल्की एवं मध्यम वर्षा होने की संभावना है। हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे हो सकती है और 28 - 29 अप्रैल को असम और मेघालय में गरज के साथ बौछारें (हवा की गति 50-70 प्रति घंटे तक) पड़ने की संभावना है। 28 और 29 अप्रैल को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय, त्रिपुरा और 28 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना है। आज असम और मेघालय में भी कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान पूर्वी भारत, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति तक तेज हवाओं के साथ छिटपुट, व्यापक हल्की एवं मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 02 मई से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नया और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ प्रभाव डाल सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय युवा कांग्रेस का पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यहां पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान उच्चायोग की तरफ बढ़ते भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि पहलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध है। यह आतंकी हमला एक भयानक त्रासदी है। हमारा देश मोहब्बत और भाईचारे का देश है। यहां नफरत और आतंक की कोई जगह नहीं है, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंक के खिलाफ हम एकजुट होकर लड़ेंगे। ये हमला समाज में नफरत फैलाने की कोशिश है, जिसे

हम सभी भारतवासी सफल नहीं होने देंगे। हम आतंक के खिलाफ एकजुट हैं, इन नफरती ताकतों का सामना मिलकर करेंगे। उदय भानु चिब ने कहा कि पहलगाम हमले को पांच दिन बीत चुके है लेकिन हमारे ही लोगों का हमारी ही सरजमीं पर खून बहाने वाले पाकिस्तानियों पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है, हम खामोश नहीं बैठेंगे। प्रधानमंत्री कार्रवाई कीजिए। बीते 23 अप्रैल को एक बीएसएफ जवान गलती से बॉर्डर पार कर गया, जिसे पाकिस्तान की सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। आज 27 अप्रैल है, 5 दिन बीतने के बाद भी पाकिस्तान ने जवान को वापस हिंदुस्तान नहीं भेजा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान हमारे जवान को छोड़ नहीं रहा है। जवान पीके सिंह का परिवार बेहद चिंतित है। सरकार को इस गंभीर मामले में कदम उठाना चाहिए और हमारे जवान को सुरक्षित वापस लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पहलगाम में शहीद हुए हिंदुस्तानियों के लिए न्याय मांग रहा है। अब वक्त है कूटनीति नहीं, सीधा और सख्त जवाब देने का, पूरा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा है।प्रदर्शन में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी, राष्ट्रीय सचिव अमित पठानिया, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा समेत कई राष्ट्रीय पदाधिकारी और अनेक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी से कांग्रेस ने किया किनारा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से ऊल-जलूल बयानों की बाढ़ आ गई है। इसी क्रम में कांग्रेस के एक नेता (मणिशंकर अय्यर) ने एक विवादास्पद टिप्पणी की, जिसे लेकर अय्यर और कांग्रेस सत्तारूढ़ भाजपा-नीत एनडीए के निशाने पर आ गए। नतीजतन, कांग्रेस की हो रही किरकिरी के मद्देनजर पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश को डैमेज कंट्रोल के लिए आगे आना पड़ा। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी तथा एआईसीसी पदाधिकारियों के विचार ही कांग्रेस के आधिकारिक बयान हैं। इनके अलावा कांग्रेस के जो अन्य नेता मीडिया में बयान दे रहे हैं, वे उनके निजी बयान हैं। दरअसल, कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने शनिवार को नई दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान कहा था कि क्या 22 अप्रैल को पहलगाम में बैसरन के हरे-भरे पर्यटक स्थल पर हुआ आतंकवादी हमला 'विभाजन के अनसुलझे सवालों' का नतीजा था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने आज दोपहर एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पार्टी और मणिशंकर अय्यर पर इस बयान के लिए जोरदार हमला बोला। रविशंकर ने मणिशंकर के विवादित बयान को अत्यंत असंवेदनशील करार दिया। रविशंकर ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? एक तरफ कांग्रेस का आधिकारिक बयान कहता है।

सुशील मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण मिला

एजेंसी

पटना। राजनीति के ज़रिए बिहार के विकास को नई दिशा देने के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहे बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी धर्मपत्नी जेस्सी सुशील मोदी ने राष्ट्रपति के हाथों से ग्रहण किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद जेस्सी मोदी ने कहा कि यह पूरे बिहार का सम्मान है। उनकी पत्नी का कहना है सुशील मोदी ने समाज के विभिन्न तबकों व लोगों के बीच काम किया और बिहार के विकास के लिए कई सामाजिक कार्य किए, जिनमें अस्पतालों और गरीब लोगों की मदद करना भी शामिल था। विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए... यह सम्मान उनके निधन से मिले लोगों के घावों पर दवा के रूप में भी काम करेगा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। खासकर उन युवाओं के लिए जिन्हें लक्ष्य निर्धारित करने और दिशा देने के लिए नेताओं की आवश्यकता होती है। जेस्सी मोदी ने कहा कि मरणोपरांत सुशील कुमार मोदी को पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित करना दरअसल सुशील मोदी की पांच दशकीय सार्वजनिक एवं राजनीतिक

जीवन के समर्पण एवं सद्कार्य की पहचान का सम्मान है। इस सम्मान से भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं व सुशील मोदी को चाहने वालों के साथ मेरा परिवार भी हर्षित है। सुशील मोदी के इस सम्मान को बिहारवासियों को समर्पित कर मुझे अतिशय प्रसन्नता होगी, क्योंकि उनका सम्पूर्ण समर्पण बिहार के प्रति था। जेस्सी मोदी और उनके पुत्र उत्कर्ष तथागत अक्षय अमृतांशु ने इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व बिहार के मुख्यमंत्री , दोनों उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल का आभार जताते हुए कहा है कि इस सम्मान से भाजपा के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं का आत्मगौरव बढ़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम के परिवार ने एनएआई को सौंपे उनके निजी कागजात

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार वालों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं। दिल्ली स्थित एनएआई में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपें। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है। एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा। इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे। डॉ कलाम द्वारा लिखे लेक्चर, पत्रों से भरे 12 बॉक्स को चार बड़ बॉक्स में भर कर दिल्ली लाया जा रहा है। डॉ कलाम द्वारा विश्वविद्यालयों में दिए गए भाषणों का संकलन है जिसमें विकसित भार्त का रोडमैप का विजन है। इन सभी भाषणों को अब अभिलेखागार में रखा जाएगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने 'स्केलिंग माउंट यूपीएससी, युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियां' पुस्तक का विमोचन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और लेखक सज्जन यादव की पुस्तक 'स्केलिंग माउंट यूपीएससी, युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियां' का विमोचन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता के लिए अभ्यर्थियों के अथक परिश्रम, पुरुषार्थ और संकल्पशक्ति को दर्शाती यह पुस्तक, सिविल सेवा की आकांक्षा रखने वाले अनगिनत युवाओं के लिए एक प्रेरणा-स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए निश्चित एक उपयोगी और प्रेरक संसाधन है।

उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में अधिकारों के साथ दायित्वों का भी उतना ही महत्त्व है। बदलते समय के साथ हमारे दायित्वों और आकांक्षाओं का स्वरूप भी बदल रहा है। सरदार पटेल ने सिविल सेवा को भारत का स्टील फ्रेम कहा था। आज, तकनीक के विकास के साथ जब स्टील को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है, हमें भी समय के अनुरूप स्वयं को अपग्रेड करना होगा। उन्होंने कहा कि

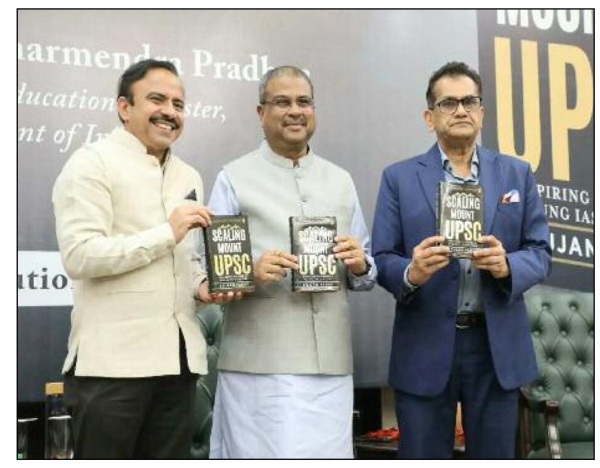

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 के संकल्प को सिद्ध करने के लिए हमे समय-उपयुक्त ढांचा बनाना होगा और सभी को अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करना होगा। जब हर नागरिक अपने दायित्वों का पालन करेगा, तभी 140 करोड़ देशवासियों के अधिकार सुरक्षित और सशक्त रहेंगे।उल्लेखनीय है कि स्केलिंग माउंट यूपीएससी पुस्तक युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियों का संकलन है, जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा को पास करने में सफलता हासिल की है।

दिल्ली में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की बढ़ी चिंता, पुलिस ने की दस्तावेजों की जांच शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था। इसी बीच इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस को एक अहम रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें दिल्ली में करीब 5000 पाकिस्तानियों की मौजूदगी का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट में मजनू का टीला और सिग्नेचर ब्रिज के नजदीक बने पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी कैंप का भी जिक्र किया गया है, जहां करीब 1500 परिवार सालों से बसे हुए हैं। अब सरकार की सख्ती के चलते इन कैंपों में रहने वाले पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। खासतौर पर उन लोगों की, जिनका लॉन्ग टर्म वीजा निरस्त हो चुका है या जिनकी नागरिकता प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। सिग्नेचर ब्रिज के नीचे बने पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी कैंप में दिल्ली पुलिस ने दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस हर परिवार से पासपोर्ट, वीजा और अन्य पहचान से जुड़े दस्तावेज इकट्ठा कर रही है। जानकारी के मुताबिक मजनू का टीला और यमुना खादर क्षेत्र में बसे शरणार्थियों में से आधे से ज्यादा लोगों का लॉन्ग टर्म वीजा वीजा या तो रद्द हो चुका है या समाप्ति की कगार पर है।

नागरिकता संशोधन कानून के तहत 2014 से पहले भारत आए शरणार्थियों को तो नागरिकता दी गई थी, लेकिन 2014 के बाद आए परिवारों के लिए अब लॉन्ग टर्म वीजा निरस्त होना एक गंभीर संकट बनता दिख रहा है। बड़ा सवाल यह है कि क्या 5000 पाकिस्तानियों में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल हैं? फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मजनू का टीला कैंप के प्रधान धर्मवीर और प्रधान सोना दास ने कहा कि वे किसी भी कीमत पर पाकिस्तान लौटना नहीं चाहते। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा कि आतंकियों ने लोगों को गोली मारने से पहले उनका नाम और धर्म पूछा था। ऐसे में अगर वे वापस पाकिस्तान लौटते हैं तो उनके जीवन पर भी गंभीर खतरा मंडरा सकता है। प्रधान धर्मवीर ने आईएएनएस से कहा, हम पाकिस्तान में दुख झेलकर भारत आए हैं। अगर वापस भेजा गया तो हमारी जान को खतरा है।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त के जनता दरबार में लगभग 1 दर्जन से अधिक फरियादियों ने दिया आवेदन

● आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये गये निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये। इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये आवेदकों ने पीडीएस दुकान, मारपीट, आवास योजना का लाभ दिलाने, दाखिल खारिज, पेंशन, दिव्यांगता साईकिल दिलाने आदि आवेदन देकर समाधान की मांग की। मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया।

डीआईजी ने एसडीपीओ ,इंस्पेक्टर एवं थाना प्रभारी हुए सम्मानित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। प्रखंड में रामनवमी का त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न होने पर बड़कागांव के एसडीपीओ पवन कुमार इंस्पेक्टर अनिल कुमार एवं थाना प्रभारी नेमधारी रजक को डीआईजी संजीव कुमार एवं हजारीबाग पुलिस कप्तान अरविंद कुमार सिंह के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो की बड़का गांव प्रखंड के बड़कागांव मुख्यालय ,हरली नापोखुर्द एवं प्लान्डू में रामनवमी त्यौहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ था जिसमें। स्थानीय पुलिस प्रशासन की योगदान सराहनीय रहा था। सम्मानित किए जाने पर दोनों समुदाय हिंदू मुस्लिम के प्रबुद्ध लोगों ने बधाई दी है। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ,रामनवमी महासमिति अध्यक्ष विवेक सोनी मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार , दिनेश सिन्हा, इलाकाई सदर हाजी तबस्सुम, पंसस रितेश ठाकुर कृष्णा राम, मुखिया तकरीमुलाह खान मोहम्मद खुर्शीद ,भीखन महतो, अजीत महतो, हेमंत भुईया, मोहम्मद मुकीतुल्लाह, महेंद्र महतो, चंदनपुरी सोनू इराकी , शमशेर आलम, मोहम्मद इब्राहिम ,गुड्डू मलिक, विनोद यादव के अलावा दर्जनों लोग शामिल है।

बादम में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ की निकली कलश यात्रा हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

● मुस्लिम समुदाय ने कलश यात्रा का किया स्वागत, पेयजल की व्यवस्था

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। प्रखंड अंतर्गत ग्राम बादम में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुई। कलशयात्रा पंचवाहिनी माता स्थान से निकाली गई जो महतो मोहल्ला, बनिया मोहल्ला, बस स्टैंड, डांभाडीह होते हुए सिमासी बागी नदी पहुंची।
यज्ञकर्ता आचार्य मनोज पांडे ने सीमासी बागी में विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए जल को कलशों में भरवाया और उसी रास्ते से श्रद्धालु ढोल नगाड़ों व गाजे-बाजे के साथ पंचवाहनी मंदिर यज्ञ स्थल प्रांगण पहुंचे। कलश यात्रा के दौरान भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया।
कलश यात्रा में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, बड़कागांव मध्य जिप सदस्य सुनीता देवी, मुखिया बासुदेव यादव सहित हजारों की संख्या में महिला और पुरुष भक्ति भाव के साथ शामिल हुए।
इस दौरान हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल देखी गई गई। मुस्लिम समुदाय ने कलश यात्रा का स्वागत किया और श्रद्धालुओं के लिए बादम मुस्लिम अंजुमन के द्वारा पेयजल की व्यवस्था की गई। ज्ञात हो की इससे पूर्व यज्ञ की शुद्धि के लिए दोनों समुदाय के लोगों ने बैठक कर निर्णय लिया था के यज्ञ के दौरान 27 अप्रैल से 7 मई तक पूरे गांव में जीव हत्या नहीं होगी। पूरे गांव में कहीं भी मांस, मछली , मुर्गी खरीद बिक्री नहीं होगा।
मौके पर गौतम वर्मा ने कहा के बादम के लिए आज इतिहासिक दिन है। हमारे पूर्वजों को भी याद नहीं है के गांव में कभी यज्ञ भी हुआ था। सबसे बड़ी बात यह है की पूरे गांव में मांस मदिरा पूर्ण रूप से बंद है। मैं ईश्वर से कामना करता हूं के हमेशा बादम गांव में ऐसा ही सौहार्द बना रहे। अंजुमन सदर मोकीत उल्लाह खान ने कहा के हमलोग दोनों समुदाय मिल बैठ कर तय किए के यज्ञ को सफल बनाएंगे। मौके पर मुख्य रूप से पंचायत समिति सदस्य राजा खान, गौतम वर्मा, विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, अंजुमन सदर मोकीत उल्लाह खान, संतोष महतो, संतोष कुशवाहा, मुदस्सर खान, नासिब खान, यज्ञ अध्यक्ष अभय कुमार, सचिव संतोष कुशवाहा, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, उपाध्यक्ष रवि कुमार दांगी, उपसचिव प्रकाश राम, उपकोषाध्यक्ष काली चरण कुमार, संरक्षक सहेश्वर महतो, संजय मेहता, रफीक अंसारी, नय्यर इकबाल, जावेद हुसैन, तस्द्दुक हुसैन, इरफान उल्लाह, आर्यन, रफ़सन, ग्राम अध्यक्ष भूदेव महतो, ग्राम कोषाध्यक्ष बैजनाथ महतो, ग्राम युवा अध्यक्ष भवेश कुमार, पंचायत समिति प्रतिनिधि संतोष महतो, राजू महतो, कैलाश कुमार, करीम साव, कासिफ अंसारी, जुनेद अहमद, राजेंद्र उर्फ राजू महतो, गोविंद महतो, ज्ञानी महतो, दिलीप महतो, सोमनाथ महतो, बिरजू महतो, त्रिवेणी महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रामनवमी जुलूस को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराने पर उपायुक्त को झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

भविष्य में भी ऐसे आयोजन के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है: उपायुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय को रामनवमी 2025 के जुलूस को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराने में उनकी भूमिका के लिए झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री बटेश्वर प्रसाद मेहता, प्रदेश सचिव मो. अजीब अंसारी, शकील खान, सुधीर रविदास ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उपायुक्त की प्रशंसा की और उनके प्रयासों की सराहना की।
झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कौशल के कारण जुलूस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के नेतृत्व में हजारीबाग में लगातार चौथी बार रामनवमी शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित की गई।
उपायुक्त ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मान उनकी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा शांति और सौहार्द बनाए रखना रही है। उपायुक्त ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को सफल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी टीम हमेशा तैयार रहेगी ताकि ऐसे आयोजन शांतिपूर्ण और बेहतर तरीके से संपन्न हो सके।

रोटरी क्लब जागृति ने सेवा भारती की दो महिलाओं को दिया सिलाई मशीन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग रोटरी क्लब जागृति ने सेवा भारती के आग्रह पर दो महिला प्रभा कुमारी और अंशुराज मौर्य को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से दो सिलाई मशीन प्रदान किया। रोटरी क्लब की अध्यक्षा मंदिरा गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष सुरेश ने सेवा भारती, हजारीबाग के सचिव मनोज गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष श्रीकांत कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हजारीबाग विभाग के विभाग प्रचारक आशुतोष जी की उपस्थिति में मशीन प्रदान किया।
इस अवसर पर मंदिरा गुप्ता ने दोनों मातृ शक्ति को स्वावलंबी बनने हेतु अपना आशीर्वाद दिया। सुरेश ने भविष्य में और सहयोग देने का आश्वासन दिया।
संघ कार्यालय में आयोजित समारोह में आशुतोष ने रोटरी क्लब को धन्यवाद देते हुए सामाजिक कार्यों में सेवा भारती का सहयोग लेने की बात कही।
मनोज गुप्ता ने सेवा भारती का संक्षिप्त परिचय कराया और रोटरी क्लब को सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। समाज के वंचित, उपेक्षित वर्ग के लिए, सामाजिक समरसता को बढ़ाने पर बल देने की बात कही। लाभुक प्रभा कुमारी और अंशुराज मौर्य ने स्वयं के साथ पन्द्रह बीस मातृ शक्ति को स्वावलंबी बनाने का आश्वासन दिया और कार्य योजना की जानकारी दी। शान्तिलाल अग्रवाल ने सिलाई केन्द्र शुरू होने की पहल पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब की मंदिरा गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, सुरेश प्रसाद, संदीप पाल, रूपा पाल, पुष्पा प्रसाद एवं सेवा भारती के मनोज गुप्ता, श्रीकांत कुमार, राजकुमार मौर्य, अजित राज, शान्ति लाल अग्रवाल, गोविन्द कुमार, पूनम कसेरा, सत्यभामा, सरिता अग्रवाल, संघ के विभाग प्रचारक आशुतोष, वनवासी कल्याण आश्रम के चन्द्रेशवर मुण्डा, प्रधानाचार्य संजीव झा, लाभुक प्रभा कुमारी, अंशुराज मौर्य सहित अन्य उपस्थित रहे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल, आर्य नगर, हजारीबाग में फ्री डेंटल कैंप का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सेक्रेड हार्ट स्कूल, आर्य नगर में डॉ. शौर्या गुप्ता के नेतृत्व में एक फ्री डेंटल कैंप और स्कूल हेल्थ एजुकेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को दंत स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई, साथ ही उनका दंत चिकित्सा जांच भी किया गया। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों में दाँत और मुँह की सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कैंप में हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने योगदान दिया।
स्कूल की प्राचार्या सिस्टर गीता ने कॉलेज के सभी डॉक्टरों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। वहीं, सीनियर डायरेक्टर डॉ. सौर्य गुप्ता ने स्कूल प्रबंधन और स्टाफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि, मैं समय-समय पर बच्चों से मिलने आती रहूंगी।

सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी का रामगढ़ में हुआ भव्य स्वागत सह अभिनंदन

● रामगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सम्मान स्वरूप पुष्पमाला पहना अंग-वस्त्र किया भेंट

● सांसद मनीष जायसवाल समेत सभी लोगों के प्रति जताया आभार

आदिवासी एक्सप्रेस
रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी का रामगढ़ में मंगलवार को भव्य स्वागत सह अभिनंदन किया गया। रंजन चौधरी को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि का दर्जा प्राप्त है। सांसद प्रतिनिधि मीडिया रंजन चौधरी का सम्मान समारोह रामगढ़ के कलश वेंकटेश सभागार में भाजपा नेताओं एवं सांसद प्रतिनिधियों की ओर आयोजित कार्यक्रम में किया गया। स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में रंजन चौधरी ने सांसद मनीष जायसवाल और आयोजकों, साथ ही समारोह में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं का तहेदिल से आभार जताया। रंजन चौधरी ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें बड़ा दायित्व दिया है। अब हजारीबाग सदर विधानसभा से आगे बढ़कर पूरे हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ना है। उन्हें उम्मीद है कि पूर्व की भांति पूरे लोकसभा क्षेत्र के लोगों का स्नेह और सहयोग उन्हें मिलता रहेगा। अपने स्वागत से अभिभूत होकर रंजन चौधरी ने रामगढ़ जिले के पार्टी के नेताओं और सांसद प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद मनीष जायसवाल व पार्टी के कार्यकर्ताओं का प्रेम और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।
इस अवसर पर रामगढ़ विधानसभा के प्रमुख भाजपा नेताओं एवं सांसद प्रतिनिधियों ने रंजन चौधरी को पुष्पगुच्छ एवं अंग-वस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।
मौके पर मुख्य रूप से रामगढ़ के भाजपा जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी, ,रामगढ़ कैंट मंडल के भाजपा अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, रामगढ़ विधानसभा के सह- सांसद प्रतिनिधि बिनोद राम, रामगढ़ विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि (मीडिया) धनंजय कुमार पुटूस, बजरंग सिंह, अशोक छाबड़ा, अमर बोदरा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद की उपस्थिति में एक देश, एक चुनाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

● एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र को स्थायित्व और गति देने वाला ऐतिहासिक कदम है: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। शहर के मालवीय मार्ग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय प्रांगण में समाजसेवी ज्ञान चंद प्रसाद जी के नेतृत्व में एक देश, एक चुनाव पर एक विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से किया गया, जिसके पश्चात विद्यालय के मंत्रोच्चारण द्वारा कार्यक्रम को विधिवत प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि प्रदीप प्रसाद को विद्यालय परिवार की ओर से अंगवस्त्र एवं हनुमान चालीसा की भेंट कर भावपूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथियों का भी गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदीप प्रसाद ने कहा कि एक देश, एक चुनाव केवल एक चुनावी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को अधिक सशक्त, संगठित और संसाधन-कुशल बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग समय पर बार-बार चुनाव कराए जाने से न केवल आर्थिक व्यय बढ़ता है, बल्कि विकास कार्यों में भी बाधा आती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इससे प्रशासनिक,आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से व्यापक लाभ मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आम जनता की भागीदारी और भी प्रभावी हो सकेगी। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार रखे और एक देश, एक चुनाव के समर्थन में स्वर बुलंद किए। वक्ताओं ने इसे समय की आवश्यकता बताते हुए इसे राष्ट्रहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्षा सुधा वर्मा,भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह,भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनन्द देव,सुदेश चंद्रवंशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोरमा राणा (साक्षी), जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, महिला मोर्चा महामंत्री सत्यभामा, पुनम कसेरा, इंदु देवी, रानी कच्छप, हेमंती देवी, सोनी देवी, सोनी क्षेत्री,बबीता जी सहित अनेक वरिष्ठ समाजसेवियों ने भाग लिया। विद्यालय की शिक्षिकाएं, आचार्यगण, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने एक देश, एक चुनाव के समर्थन में सामूहिक रूप से अपना मत प्रकट करते हुए इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी ज्ञान चंद प्रसाद ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट किया और कहा कि इस प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

अन्नदा कॉलेज में भारतीय जनजातीय भाषाओं के संवर्धन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

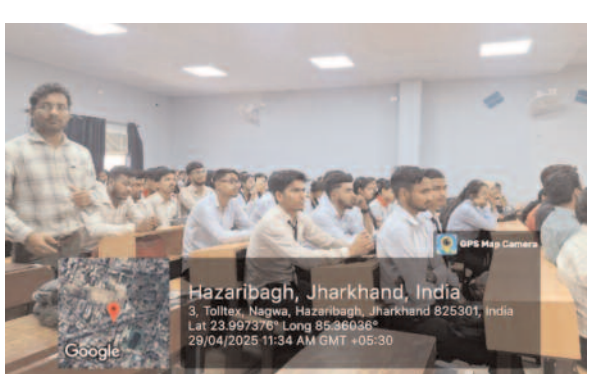

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। आनन्दा कॉलेज, हजारीबाग के समाजशास्त्र विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय जनजातीय भाषाओं के संवर्धन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कॉलेज के सेमिनार हॉल में सुबह 11 बजे आरंभ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने मुख्य अतिथि सह वक्ता डॉ गंगानाथ झा को पुष्पगुच्छ था शॉल देकर सम्मानित किया। विषय प्रवेश समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ ललिता राणा ने किया।कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ मुखर्जी ने स्वागत संबोधन करते हुए कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य जनजातीय भाषाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करना और उनके संरक्षण एवं संवर्धन के उपायों पर विचार करना है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मानवशास्त्र विभाग के प्रोफेसर गंगनाथ झा थे। अपने वक्तव्य में उन्होंने जनजातीय भाषाओं की सांस्कृतिक विविधता, उनके संरक्षण की आवश्यकता और भाषाई अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनजातीय भाषाएँ केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान की संवाहक हैं।
इस अवसर पर प्रो इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार ने भी संबोधन करते हुए कहा कि आज के समय में जब आधुनिकता के कारण जनजातीय समुदायों की विष्ट पहचान खो रही है तब ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हो जाते हैं। संगोष्ठी के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने गहन रुचि दिखाई।इस अवसर महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के शिक्षक डॉ जे पी सान्याल,डॉ छाया सिंह,डॉ रत्ना चटर्जी, डॉ ठाकुर प्रसाद,डॉ कृष्णा कुमार यादव ,डॉ बादल रक्षित,डॉ राजर्षी राय,डॉ पंकज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुरोजित दास ने की।

वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मिलें सांसद मनीष जायसवाल

● एनटीपीसी पकरी-बरवाडीह कोल माइंस में पर्यावरण संरक्षण के साथ रोज़गार सुरक्षा को प्राथमिकता देने का किया आग्रह

● कहा यहां परिवहन कार्य कन्वेयर बेल्ट पर शिफ्ट हुआ तो एक झटके में क्षेत्र के 5 हज़ार से अधिक लोग हो जाएंगे बेरोजगार

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव से उनके कार्यालय सभागार में मुलाक़ात किया और एनटीपीसी पंकरी- बरवाडीह कोल माइंस क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के साथ रोजगार से संबंधित मुद्दा उठाया और ज्ञापन भी सौंपा। सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें बताया कि एनटीपीसी द्वारा पकरी-बरवाडीह कोल् माइन्स का संचालन वर्ष 2016 से किया जा रहा हैं, तथा यहां से उत्पादित कोयले को 25 किलोमीटर की दुरी पर अवस्थिथित बनादाग कोल साइडिंग से रेल द्वारा विभिन्न स्थानों पर भेजा जा रहा है। एनटीपीसी द्वारा निर्माणाधीन कन्वेयर बेल्ट और रैपिड लोडिंग सिस्टम अब तैयार हो चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए कोयले की सड़क मार्ग से ढुलाई 2026-27 से शून्य कर दिया जाएगा। यह निर्णय उन हजारों परिवारों के लिए बड़ा संकट लेकर आ रहा है, जिन्होंने एनटीपीसी के अधिकारियों के भरोसे पर डम्पर खरीदकर अपनी रोजी-रोटी स्थापित की थी। आज क्षेत्र में 500 से अधिक डम्पर संचालित हैं, जिनसे जुड़े हजारों ड्राइवर, खलासी, मिस्त्री, मोबिलाइज़र और उनके परिवार पूरी तरह इस कार्य पर निर्भर हैं। यदि एक झटके में परिवहन कार्य पूरी तरह कन्वेयर बेल्ट पर स्थानांतरित कर दिया गया, तो क्षेत्र में 5000 से अधिक लोग बेरोजगारी की चपेट में आ जाएंगे। सांसद मनीष जायसवाल ने मंत्री भूपेंद्र यादव के माध्यम से सरकार और संबंधित मंत्रालय से आग्रह करते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सुरक्षा को भी प्राथमिकता दें। सांसद मनीष जायसवाल ने आगामी वर्षों में सड़क मार्ग से न्यूनतम 50त्न कोयला ढुलाई की अनुमति जारी रखी जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके और क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक संतुलन बना रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध पार्किंग पर कार्रवाई तीस मोटरसाइकिल जब्त

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ लातेहार जिला परिवहन विभाग और बालूमाथ पुलिस ने मंगलवार को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में अवैध रूप से पार्क की गई मोटरसाइकिलों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। इस विशेष जांच अभियान के दौरान करीब 30 दोपहिया वाहनों को जब्त किया गया और कुल 19,500 का जुर्माना वसूला गया।बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि हर मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट के दिन सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर अव्यवस्थित तरीके से मोटरसाइकिलों की पार्किंग की जा रही थी, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।विशेष रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए जिला परिवहन विभाग और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से यह अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान के दौरान जिला परिवहन विभाग के अधिकारी ऋषिराज, मोहम्मद तनवीर,बालूमाथ थाना के एसआई गौतम कुमार समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।थाना प्रभारी ने कहा कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई नियमित रूप से की जाएगी, ताकि यातायात व्यवस्था बनी रहे और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

चरही चौक विश्वकर्मा मार्केट में शार्ट सर्किट से जूस की दुकान में लगी आग

संवादाता चरही

चरही। चरही चौक में सोमवार की रात एक जूस की दुकान में अचानक आग लग गई। चरही थाना को सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है, कि रात लगभग 9 बजे अचानक दुकान में शॉर्ट सर्किट हो गया। दुकान में रखा काउंटर और कुछ अन्य समान आग की चपेट में आ गया और आग विकराल रूप ले पाता इससे पहले चरही पुलिस तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से शटर खोलकर आग बुझाने में सफल रही। जिसके कारण दुकानदार को कम नुकसान उठाना पड़ा अन्यथा काफी नुकसान हो सकता था। सूचना के आधे घंटे के पश्चात दमकल वाहन भी स्थल पर पहुंचा हालांकि इससे पूर्व ही आग पर काबू पा लिया गया था।

स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरीन हेतु प्रखंड पदाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम

उंटारी रोड, पलामू। जिला कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष अरविंद कुमार जी के द्वारा आज पंचायत जोगा के बिरजा स्वास्थ केंद्र और करकट्टा पंचायत के करकट्टा के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जर स्थिति को लेकर ऊटारी प्रखंड के प्रखंड पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की अनुपस्थिति, दवाओं की कमी, एंबुलेंस सेवा की लचर व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।बिश्रामपुर विधान सभा पूर्व प्रत्याशी सुधीर कुमार चंद्रवंशी ने माँग की कि जल्द से जल्द इन समस्याओं का समाधान किया जाए ताकि आमजन को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। प्रखंड पदाधिकारी ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बिश्रामपुर विधान सभा पूर्व प्रत्याशी सुधीर कुमार चंद्रवंशी ऊटारी प्रखंड अध्यक्ष रिंकू सिंह जी समाज सेवी विवेक शुक्ला जी राम प्रवेश सिंह जी पवनदेव कुमार जी छोटन सिंह जी कांग्रेस नेत्री रेखा सिंह जी सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में कहा के यदि समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

तोपचांची प्रखंड सभागार में बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी ने की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

गोमो। तोपचांची प्रखंड सभागार में मंगलवार को बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में सभी पंचायत सचिव रोजगार सेवक बीपीआरओ उपस्थित थे। इस दौरान बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी ने कहा कि आवास को टाइम पर पूरा करें। साथ ही सर्वे का कार्य भी जल्द करें तथा मनरेगा में अधिक से अधिक कार्य कराएं। साथ ही दीदी बाड़ी को भी ज्यादा से ज्यादा कराएं आदि बातें उन्होंने कही।

एनटीपीसी ठेकेदारों से लेवी मांगने वाले उग्रवादियों का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

बालूमाथ। बालूमाथ एनटीपीसी के टंडवा से आरा तक चल रहे कन्वेयर बेल्ट निर्माण कार्य में ठेकेदारों से जबरन लेवी वसूलने और निर्माण कार्य में बाधा डालने वाले उग्रवादियों के खिलाफ लातेहार पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत टीएसपीसी (T.S.P.C.) संगठन के नाम पर रंगदारी मांगने वाले पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई (28 अप्रैल) को आरा गांव के जंगलों में की गई, जहां गुप्त सूचना पर छापेमारी की गई थी।

मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद

पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक देशी पिस्तौल, सात जिंदा कारतूस, तीन चितकबरे टी-शर्ट व पायजामे, टीएसपीसी संगठन के आठ पर्चे, दो लेटरपैड, दो की-पैड मोबाइल और पांच एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन सामग्रियों से यह पुष्टि हुई है कि गिरफ्तार व्यक्ति सुनियोजित तरीके से संगठन के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में, उपेन्द्र उरांव, उम्र 20 वर्ष, पिता बुधराम उरांव, निवासी -ओल्हेपाट, निरंजन उरांव, उम्र 21 वर्ष, पिता भुनेश्वर उरांव, निवासी बधौता, शेरेगड़ा, बब्लू यादव उर्फ प्रभात जी, उम्र 32 वर्ष, पिता भवानी यादव, निवासी, पुंडुरलावा, शेरेगड़ा, अशोक साव, उम्र 70 वर्ष, पिता स्व. गोविन्द साव, निवासी, आरा बालेश्वर उरांव, उम्र 50 वर्ष, पिता स्व. मंगरा उरांव, निवासी, सुईयाटाड, थाना टंडवा पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे टीएसपीसी के भास्कर उर्फ पर्वत जी के नाम पर फोन कर ठेकेदारों से लेवी मांगते थे और निर्माण कार्य बंद कराने की धमकी देते थे। साथ ही घटनास्थल पर संगठन का पर्चा भी फेंकते थे, जिससे निर्माण कार्य में दहशत का माहौल बना रहे।

पुलिस की सतर्कता और नेतृत्व सराहनीय

इस अभियान का नेतृत्व बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी ने किया,जिनके साथ पुलिस निरीक्षक परमानंद बिरुआ, थाना प्रभारी अमरेन्द्र कुमार, तकनीकी शाखा के पंकज शुक्ला एवं राजेश कुमार समेत अनुभव सिन्हा, रंजन कुमार पासवान, गौतम कुमार, होसेन डांग और अमित कुमार रविदास जैसे अधिकारी भी शामिल रहे। सशस्त्र बलों की भी इस संयुक्त छापेमारी में अहम भूमिका रही।

दो आरोपी अब भी फरार, तलाश जारी

हालांकि, पुलिस की सतर्कता के बावजूद अंधेरे और घने जंगल का लाभ उठाकर दो संदिग्ध मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश में क्षेत्र में सघन छानबीन अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस की चेतावनी - लेवी वसूली और बाधा डालने वालों को नहीं बख्शा जाएगा

जिला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि टीएसपीसी सहित किसी भी उग्रवादी संगठन के नाम पर लेवी वसूली, धमकी या विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और विकास कार्यों को निर्बाध रूप से चलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कबाड़ी दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर हुआ खाक

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ मंगलवार को बालूमाथ-खलारी मुख्य पथ के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई।जब झारखंड ढाबा के समीप एक कबाड़ी दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में दुकान में रखे प्लास्टिक,पाइप, स्क्रैप और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।कि दुकानदार को लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग भी भयभीत हो गए। दुकान से

उठती ऊँची लपटें और काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पानी के टैंकरों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक दुकान का अधिकांश सामान जल चुका था। आग लगने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।इस घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है। इस घटना ने न केवल दुकानदार को आर्थिक रूप से झकझोर दिया. बल्कि इलाके के अन्य व्यापारियों को भी सतर्क कर दिया है।व्यापारियों ने प्रशासन से अग्निसुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।गौर करने वाली बात यह रही कि प्रशासनिक संसाधनों के अभाव में स्थानीय ग्रामीणों ने एकजुट होकर तत्परता दिखाई और समय रहते आग पर नियंत्रण पाया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण समारोह

आदिवासी एक्सप्रेस

सतगावां कोडरमा। लम्बे समय इन्तजार के बाद सतगावां प्रखंड में सोमवार दिनांक 28 अप्रैल 2025 को सतगावां प्रमुख ललिता देवी के हाथों से प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी , उप प्रमुख मनोज कुमार निराला बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। प्रोग्राम शुरुआत करने से पहले राष्ट्रीय गान गाया गया एवं कश्मीर में आतंकवादियों के द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या पर गहरी शोक व्यक्त करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया। इस समारोह की अध्यक्षता सेवा निवृत्त शिक्षक सरयू महथा एवं संचालक केपी बौद्ध और ऋषि राजन ने किया।

कोडरमा से आए दलित संघर्ष समिति का कोडरमा अध्यक्ष इंद्रदेव राम, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश अम्बेडकर, अरुण दास एवं अन्य साथी सभी ने अपना - अपना वक्तव्य रखा और कहा कि सतगावां में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का कमी था जो बहुत संघर्ष के बाद आज स्थापित के साथ अनावरण किया गया। कोडरमा से आए प्रकाश अम्बेडकर ने कहा बाबा साहेब का जीवन बहुत संघर्षशील रहा उन्होंने अनेकों विषयों में डिग्री हासिल किया भारत में ही नहीं विदेशों में भी पढ़ाई किया और इसी के साथ देश के प्रथम कानून मंत्री रहे । राजू आजाद एवं उमेश पासवान जो नवादा से चल कर आए उनके द्वारा रंगा - रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मौके पर रामोतार चौधरी , अवधेश सिंह, राजेंद्र प्रसाद , सुनील सिंह, श्रवण दास, मंटू चौधरी ,धनंजय यादव, विकास पांडेय, मिथिलेश पासवान मान सिंह पासवान ,अनिल राम, राजीव रंजन, लखन राम, अशोक कुमार सीतो, प्रेमप्रिय दर्शी, राजेश कुमार एवं सैकड़ों लोग मौजूद रहे। दलित संघर्ष समिति के द्वारा भोजन पानी का उत्तम प्रबंध किया गया।

ए0 के0 सिंह कॉलेज में दूसरे के बदले परीक्षा देने का प्रयास, गेट पर ही पकड़े गये 5 फर्जी परीक्षार्थी

● परीक्षा कक्ष में किसी के बदले परीक्षा देने पर दोनों पर होगा केस दर्ज-केंद्राधीक्षक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। ए0 के0 सिंह कॉलेज, जपला में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नातक प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली की परीक्षा में दूसरे के बदले परीक्षा देने के प्रयास में गेट पर ही फर्जी परीक्षार्थी पकड़ लिये गये। प्राचार्य-सह-केन्द्राधीक्षक सूर्य मणि सिंह ने बताया कि फर्जी विद्यार्थियों के नाम इस प्रकार हैं-1- चांदनी कुमारी, पिता- दिनेश राम, ग्राम-

खडारपर, पो0- झरगाडा 2-अंकित कुमार, पिता- स्व0 गुप्ता सिंह, ग्राम- साया, पो0- नबीनगर 3-अंकित पाल, पिता- संजय पाल, ग्राम- सडेया, पो0- बिलासपुर 4- सुजीत कुमार, पिता- मंदीप यादव, ग्राम- लावादाग, पो0- लटेया 5- लव कुमार यादव, पिता- विनोद यादव, ग्राम कनुआबिगहा, पो0- जपला का नाम शामिल है।

केन्द्राधीक्षक ने कहा कि परीक्षा कक्ष में किसी के बदले परीक्षा देने पर दोनों पर केस दर्ज कर जेल भेज दिया जाएगा। कोई भी व्यक्ति इस तरह की आपराधिक चेष्टा न करे। अभिभावक भी अपने बच्चों को समझायें।

शिशु ज्ञान निकेतन सेरनदाग में चिल्ड्रेन पार्लियामेंट का हुआ गठन

● छठवीं कक्षा की पुनम कुमारी बनीं प्रधानमंत्री

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेरनदाग में संचालित विद्यालय शिशु ज्ञान निकेतन में मंगलवार 29 अप्रैल 2025 को सत्र 2025-26 का चिल्ड्रेन पार्लियामेंट (बाल संसद) का गठन किया गया जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधान शिक्षक मनोज कुमार साहू ने की तथा संचालन सहायक शिक्षिका संगीता कुमारी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष 2025-26 के लिए चिल्ड्रेन पार्लियामेंट का गठन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री पुनम कुमारी, उप प्रधानमंत्री बबली कुमारी, अंश कुमार, शिक्षा मंत्री काकली कुमारी, पेयजल मंत्री मेघराथ कुमार, सफाई मंत्री दीपिका कुमारी, ज्योति कुमारी, भोजनावकाश मंत्री मधु कुमारी, पल्लवी कुमारी, प्रार्थना सभा मंत्री शिवराज कुमार, आयुष कुमार घंटी मंत्री चंदन कुमार सिंह एवं नितिश कुमार एवं कक्षा मुनेटर छठी, पांचवीं कक्षा से सुग्गी कुमारी, चौथी कक्षा से नेहा कुमारी, तीसरी कक्षा से सक्षम कुमार, दुसरी कक्षा से शंभू कुमार, पहली कक्षा से आंचल कुमारी यूकेजी से कार्तिक कुमार एवं एलकेजी से राधा कुमारी को बनाया गया है। नव गठित पदाधिकारियों को पद एवं उनकी जवाबदेही तथा उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराते हुए पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनोज कुमार साहू, सहायक शिक्षक योगेन्द्र कुमार मिश्रा, तथा शिक्षिका संगीता कुमारी, ललिता कुमारी समेत सैकड़ों विद्यालय के बच्चें उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता धनंजय तिवारी ने संविधान बचाओ रैली में शामिल होने का किया आह्वान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव धनंजय तिवारी ने हुसैनाबाद स्थित आवास पर पत्रकारों को बताया कि 3 मई शनिवार को रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली में हुसैनाबाद क्षेत्र से सैकड़ों लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान भाजपा नीत केन्द्र सरकार ने जिस प्रकार से हमारे संविधान प्रदत्त हक एवं अधिकारों को बोलने की स्वतन्त्रता को छीनने का प्रयास किया है। दलित-आदिवासी, एवं पिछड़ों के आरक्षण को समाप्त करने की मंशा पाल रखी है। वोट के खातिर आज देश- धर्म निरपेक्षता जो संविधान का मूल रूप से है, को तार-तार कर देश की एकता एवं अखंडता को कमजोर करने का प्रयास किया गया है। साथ ही संविधान को मजबूती प्रदान करने वाली स्वतन्त्र संस्थाओं ईडी, आईटी, सीबीआइ एवं चुनाव आयोग इत्यादि संस्थाओं की स्वतन्त्रता छीनकर दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड के झूठे केस में राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी को फँसाना इसका ताजा उदाहरण है। अब तो सारी सीमाओं को लांघकर न्यायपालिका को भी डराया धमकाया जा रहा है। ये सारे घटनाक्रम इंगित करते है कि भाजपा नीत की सरकार सुनियोजित तरीके से संविधान को दर किनार कर देश में तानाशाही शासन स्थापित करना चाहती है, और इस देश में फिर से एक बार मनुवाद, यानी बाबा साहेब के संविधान के बदले मनुस्मृति लागू करना चाहती है। इस देश ने लम्बे संघर्ष, त्याग, बलिदान एवं कुर्बानी के बाद सम्पूर्ण आज़ादी एवं अपने संविधान को कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में पाया है।

दो दिवसीय परशुराम जयंती पर अखण्ड रामायण के साथ सुंदरकांड और भजनों से गूंजा श्री अग्रसेन भवन

आदिवासी एक्सप्रेस

झुमरी तिलैया अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा अ के द्वारा परशुराम जन्मोत्सव अग्रसेन भवन झुमरी तिलैया में शुरू हुआ। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का पूजन किया गया ।यजमान अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष अनूप जोशी एवं नीलम जोशी पुरोहित पंडित बरुण पाण्डेय, कमलकांत पाण्डेय, राधेश्याम पांडेय संजय बनर्जी, धनन्जय पाण्डेय ने भगवान परशुराम की पूजा अर्चना विधि विधान से कराया। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे इन्होंने धर्म

की रक्षा को ही अपना मूल उद्देश्य समझा और समाज में धर्म की स्थापना किए। भगवान परशुराम का जन्म भृगुकुल में हुआ था। इन्होंने ही भगवान राम को तीर धनुष दिया था कि त्रेता में अधर्मियों का विनाश करो और धर्म की स्थापना करो। द्वापर में भगवान कृष्ण को चक्र दिया था कि आप अधर्मियों का विनाश करो और धर्म कि स्थापना करो। यह भगवान चिरंजीवी है, इन्हीं के शिष्य भीष्म पितामह,गुरु द्रोणाचार्य, और कर्ण थे। यह शस्त्र और शास्त्र दोनों विद्या में पारंगत थे ।हम ब्राह्मण समाज उनकी जयंती सनातन धर्म प्रेमियों के साथ मिलकर हिंदुओं को एक करने के लिए धूमधाम से मनाते है। अखंड रामायण का पाठ समाज में सदभावना एवं सौहार्द समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। सुंदरकांड का पाठ महिला समिति के द्वारा किया गया। जयंती में उपस्थित उपेंद्र दुबे, हृदयनन्द मिश्रा, चंद्रशेखर जोशी, राजेन्द्र शर्मा, किट्टी रामपाल, रमेश सिंह,रामनाथ सिंह,राजेंद्र सिंह, दीनानाथ पाण्डेय, दिनेश मिश्रा, पंकज दुबे, मनोज जोशी, राजेश शर्मा, जय गौपाल पांडेय, अनिल गुरु ,प्रियदर्शी हर्देश बिहारी , सुधांशु पांडेय ,ललित जोशी, श्रीअंश जोशी, सतीश प्रकाश द्विवेदी, विजय पांडेय, विवेक सहल, पंकज दुबे, धीरज जोशी, सज्जन शर्मा अजय शर्मा, उमेश जोशी, चुन्ना शर्मा, केशव जोशी, पियूष सहल, वैभव जोशी, सुजाता जोशी, संगीता सिन्हा, सीमा सहल, सुनिती सेठ, रेखा भदानी, रश्मि झा, रुक्मणी जोशी, डॉ नरेश पंडित, उमेश सिंह, शिवशंकर पाण्डेय, गौपाल गुतुल, शुशील जोशी, अरशद खान, महादेव दास,संजय तर्वे, अरविन्द चौधरी, सुनील बहगवे, प्रदीप बनर्जी, विरेन्द्र सिंह, महेंद्र वर्मा, पप्पू पाण्डेय, नितेश चन्द्रवंशी, राजेन्द्र सिंह,वीरेंद्र सिंह, देवनारायण मोदी,डॉ वीएनपी बर्णवाल, नरेन्द्र पाल,अमर सिंह, पवन सिंह, प्रभाकर लाल रावत, विजय राम, नवीन जैन, कुन्दन पांडेय, उदय सिंह, विजय द्विवेदी, विनय शाण्डिल, ऋषि पाण्डेय, विजय शुक्ला, डॉ सौरभ,पिन्टु शुक्ला, आदित्य पांडेय, फोटु पाण्डेय,भरत नारायण पाण्डेय, कुंज बिहारी द्विवेदी, अखिल सिन्हा, अजय झा, प्रभाकर पाण्डेय, गणेश मजुमदार, अनुराग गुरु,दीप बनर्जी,आदि सैकड़ो भक्त परशुराम जयंती में उपस्थित हुए।

संक्षिप्त समाचार

जिला परिषद् बोर्ड की बैठक हुई सम्पन्न

● जिला परिषद् अध्यक्ष द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए समस्याओं का निराकरण करने का सुझाव दिया गया

दुमका। दिनांक-29.04.2025 को अध्यक्ष, जिला परिषद्, दुमका जॉयस बेसरा की अध्यक्षता में जिला परिषद् बोर्ड की बैठक सम्पन्न किया गया। जिसमें माननीय विधायक डॉ0 लुईस मरांडी, जामा विधानसभा क्षेत्र एवं श्री देवेन्द्र कुँवर, जरमुण्डी विधानसभा क्षेत्र, उपाध्यक्ष श्री सुधीर कुमार मंडल, मंड श्री अभिजीत सिन्हा (भा0प्र0से0), उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, दुमका, श्री सौरव कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, सभी जिला परिषद् सदस्य एवं जिला स्तरीय सभी विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्य रूप से बिजली एवं पानी की समस्याओं से संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराते हुए उसका निष्पादन यथाशीघ्र कराने का आग्रह किया गया। अध्यक्ष, जिला परिषद् द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए समस्याओं का निराकरण करने का सुझाव दिया गया।

इसके अतिरिक्त दुमका जिलान्तर्गत सरैयाहाट सुमेश्वरनाथ मंदिर का पहुँच पथ का पुनर्निर्माण कार्य, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभागन्तर्गत पी0एम0जी0एस0वाई0-आईवी अन्तर्गत कुल 71 एवं 16 पथों के अनुमोदन तथा भूअर्जन विभागन्तर्गत दुमका जिलान्तर्गत एडीबी (चिगलपहाड़ी) से दुमका रामपुर हाईवे (एनएच-114ए) पथ के निर्माण कार्य परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया। साथ ही जिला परिषद् को वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त राशि से ली जानेवाली विभिन्न योजनाओं का भी सर्वसम्मती अनुमोदन किया गया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का किया गया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेम्ब्रम द्वारा मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पाकुड़ एवं हिरणपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की व्यवस्था, साफ-सफाई, छात्राओं के रहन-सहन और भोजन की गुणवत्ता की जांच तथा आवासीय विद्यालयों में आपूर्ति किये जा रहे खाद्य सामग्री का नमूना संग्रह किया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यालय द्वारा नियुक्त खाद्य मंत्री को खाद्य सामग्रियों को खरीदते समय पैकेट पर मैन्युफैक्चरिंग तिथि, यूज्ड बाय/ एक्सपायरी तिथि, फूड लाइसेंस नंबर पर ध्यान देने को कहा गया। फूड कलर तथा फोर्टिफाइड फुड के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही किचन एवं डाइनिंग परिसर के साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। किचन में कार्य कर रहे लोगों का फिटनेस सर्टिफिकेट रखने को कहा गया। भोजन के मैनुअल के बारे में पूछताछ करने पर उपस्थित शिक्षिका के द्वारा बताया गया कि विद्यार्थियों को निर्धारित मेनू के अनुरुप ही खाना खिलाया जाता है।

दस हजार घूस लेते हुए पंचायत सचिव को एसीबी ने किया गिरफ्तार

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़। मंगलवार को पाकुर ब्लॉक परिसर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) 10000 घूस लेते हुए रंगे हाथों पंचायत सचिव वतन कुमार को गिरफ्तार किया।

ब्लॉक कैंपस के चाय दुकान के पास दोपहर करीब 3:30 बजे के आसपास यह कार्रवाई हुई।

एसीबी टीम में डीएसपी रैंक के अधिकारी भी शामिल थे इस टीम में दर्जन भर अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद थे।

पंचायत सचिव वतन कुमार को उसे वक्त दबोचा गया जब शिकायतकर्ता उन्हें 10000 बेटर घूस दे रहे थे।

पकड़े जाने के उपरांत कागजी कार्रवाई कर अपने साथ ले गए। टीम लगभग 11:00 के आसपास प्रखंड परिसर में पहुंच गई थी अधिकारी सिविल ड्रेस में घूम रहे थे, इसी क्रम में लगभग सारे 4- 30 घंटे तक एसीबी के अधिकारी सत्यापन की तैयारी में जुटे रहे। यहां बताते चले की बताया जाता है शिकायतकर्ता और पंचायत सचिव बतन कुमार के साथ में चाय दुकान में नाश्ता भी सभी ने किया। तत्पश्चात जैसे ही शिकायतकर्ता ने पंचायत सचिव को थमाया, एसीबी के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया।

इस संबंध में एसीबी एसएसपी ने बताया कि पाकुड़ ब्लॉक के जमशेरपुर पंचायत में मनरेगा सिंचाई कोक निर्माण की एवज में पंचायत सचिव वतत कुमार के द्वारा20000 घुस मांगा गया था जिसकी एवज में आज 10000 लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।

जनता की सेवा ही एक मात्र मेरा विकल्प के साथ संकल्प है -विधायक चुन्ना सिंह

● 40 करोड़ 77 लाख से होगा 25 किमी सड़क का निर्माण

● बाराटांड मोड़-कुरुवा, रंगामटिया- पालोजोरी (एसएच-15 पर) सड़क का होगा निर्माण

● पूर्व में हुए टेंडर के दौरान महज़ सात किमी तक ही बन पाई सड़कें

आदिवासी एक्सप्रेस/
कृष्णा गोस्वामी

पालोजोरी। पालाजोरी प्रखंड के लिए अभिशाप बन चुके बाराटांड मोड़ से लेकर कुरुवा, रंगामटिया-पालोजोरी के ब्लॉक रोड से दुमका जामताड़ा मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क बदहाली के कगार पर थी ।आयें दिन रोजमर्रा की जिंदगी जीने वालीं लोग इन्हीं रास्तों के सहारे पालोजोरी प्रखंड सह अंचल मुख्यालय तक पहुंचते थे साथ ही छोटे-बड़े व्यापारियों की यातायात की एक मात्र मार्ग यहीं है जिनके कारण लोगों का इस सड़क की बात कही जाये तो एक शापित नुमा टॉप टेन में से एक बन चुकी थी। वहीं सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने कहा की इस सड़क का निर्माण कराना मेरी पहली प्राथमिता थी। जो आज जनता जनार्दन का आशिर्वाद मिलने के बाद शपथ ग्रहण करने के साथ ही मैं इस कार्य के लिए प्रयासरत था। जबकि आज इस सड़क के निर्माण का शिलान्यास करते हुए असीम संतोष प्राप्त हो रहा है। वहीं उक्त बातें सारठ विधानसभा के विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने मंगलवार को बाराटांड मोड़-कुरुवा, रंगामटियामोड़ - होते हुए पालोजोरी (एसएच-15 पर) सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास करते हुए कहीं। वहीं उन्होंने कहा कि जनता हमारे लोकतंत्र में वास्तविक मालिक होती है, साथ ही जनता की सेवा ही एक मात्र मेरा विकल्प के साथ संकल्प है जो आज हमारे प्रयास से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना मेरे लिए बहुत ही गोरवान्वित के साथ साथ प्रसन्नता का प्रसार हो, इसे ही में सर्वोच्च उपलब्धि मानता हूं।

जबकि 40 करोड़ 77 लाख से होगा 25 किमी सड़क का निर्माण कार्य - पथ प्रमंडल, देवघर के तहत बाराटांडमोड़ से होते हुवे-कुरुवा, रंगामटिया- पालोजोरी (एसएच-15 पर) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, पुननिर्माण का शेष कार्य कुल लंबाई 25.594 किमी (पुल निर्माण सहित) का कुल प्राक्कलित राशि 40 करोड़ 77 लाख 86 हजार 560 से होगा। वहीं शिलान्यास कार्यक्रम में कादिर राजा, मुखिया अंशुक साधु, लाल किशोर सोरेन, राजीव रंजन, अब्दुल रहीम, डॉ.असीम दास, दीपक भगत, रफीक अंसारी, जमशेद राजा, उपेंद्र भगत, भवेश दास, विवेक यादव, बीरू कापरी, सुंदर यादव, नवाब, कालो सेन, अमन त्रिवेदी, सफीक अंसारी,जमेला बीबी, सितारा खातून, हेमताब आलम, नसीब अहमद, असलम अंसारी, इसराइल अंसारी, सोनालाल, इरफान अंसारी, राकेश मंडल, गौतम भंडारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में नीति आयोग की समीक्षात्मक बैठक का किया गया आयोजन

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में नीति आयोग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई।उपायुक्त ने नीति आयोग के सूचकांकों की बारीकी से जांच करते हुए,विभागवार प्रगति की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नीति आयोग द्वारा प्राप्त राशि के व्यय के संबंध में विभिन्न विभागों को कार्ययोजना तैयार करने का निदेश दिया।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागों में चल रही योजनाओं में तेजी लाएं। नीति आयोग की राशि से बन रहे पूर्व की योजनाओं को मिशन मोड में पूरा करें।सभी संबंधित विभाग निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा के भीतर पूरा करें। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के मापदंडों पर जिले को आगे लाने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।बैठक में पेयजल,शिक्षा और संप्रेक्षण गृह के सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुछ नयी योजनाओं का चयन किया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक आइटीडीए, वन प्रमंडल पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी छात्रसंघ की नौ सूत्रीय मांगें, छात्रावास से लेकर पुस्तकालय तक उठाए मुद्दे

स्नातकोत्तर पढ़ाई शुरू करने की मांग को लेकर आदिवासी छात्रसंघ ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। के0 के0 एम0 कॉलेज, पाकुड़ के आदिवासी कल्याण बालक छात्रावास के छात्रों ने कॉलेज में विभिन्न सुविधाओं और शैक्षणिक विस्तार की मांग को लेकर सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिमल प्रसाद सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान छात्रों ने स्नातकोत्तर (PG) की पढ़ाई शीघ्र शुरू करने की मांग को लेकर घंटों चर्चा की। छात्रों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कुल नौ प्रमुख मांगें रखी गईं, जिनमें कॉलेज में वाणिज्य संकाय और भूगोल विषय की पढ़ाई शुरू करना, छात्रावास में मिनी पुस्तकालय का निर्माण, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी पुस्तकें और अखबारों की उपलब्धता, JPSC और B.Ed. छात्रावास का निर्माण, रसोई घर, साइकिल स्टैंड और 300 बेड के आदिवासी बालिका छात्रावास की स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त संथाली एकेडेमिक की स्थापना की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान वरिष्ठ छात्र नेता चुंडा मरांडी, उप छात्र नेता माइनल किस्कू, छात्रनायिका शिवानी मुर्मू, पिंकी मरांडी, सुशीला हांसदा, छात्रनेता कमल मुर्मू, कैलाश मरांडी, एडवर्ड सोरेन, सुलेधन हांसदा, प्रवीन मरांडी, प्रकाश टुडू और भीमसेंट मरांडी समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते इन मांगों पर पहल नहीं करता है, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे।

बीडीओ ने अबुआ अवास निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले लाभुकों को किया गया नोटिस, दिए सख्त निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड़) हिरणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप ने प्रखंड के कई पंचायतों में जाकर अबुआ आवास योजना निर्माण कार्य का स्थान निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में आवास निर्माण कार्य प्रारंभ न किए जाने को लेकर कई लाभुकों को नोटिस भी दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में बागशिशा पंचायत के पंडित टोला में निर्माण हो रहे निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पता चला कि राशि उठाने के बावजूद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, जिससे काफी नाराज हुए, और सख्त निर्देश देते हुए कहे कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करें। जबकि दूसरे पंचायत में निर्माण कार्य की जानकारी मिलने पर पंचायत सचिव को निर्देश दिया गया कि इसकी जांच कर रिपोर्ट भेजें।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी हालत में चयनित स्थल छोड़कर दूसरे पंचायत में आवास निर्माण कार्य नहीं किया जाना है। तत्पश्चात डांगापाड़ा सहित कई पंचायत का भी जाकर योजना कार्य स्थल का निरीक्षण किया।

इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि वर्ष 20 24 -25 में प्रखंड में 1733 अबुआ आवास योजना स्वीकृत हुई है, जहां निर्माण कार्य जारी है। निर्माण कार्य प्रारंभ न करने वाले लाभ को नोटिस की जा रही है इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संविधान बचाओ रैली रांची में 6 मई को होने वाले कार्यक्रम में प्रखंड के सैकड़ों कार्यकर्ता होंगे शामिल

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि, लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। को प्रखंड अध्यक्ष मुर्शीद आलम की अध्यक्षता में आवासीय कार्यालय फूलपाहाड़ी में पर्यवेक्षक मो. महबूब आलम एबंग आदिवासी प्रोकोस्ट के जिलाध्यक्ष बुद्धिनाथ कोड़ा में संगठन श्रीजन पर बिस्तर से चर्चा किया गया । जिसमे प्रखंड कमिटी,मण्डल कमिटी, पंचयात कमिटी एंव बूथ कमिटी पर विशेष चर्चा किया गया।

तथा संबिधान बचाओ रैली जो की 6 मई को रांची में आयोजित होने वाली कार्यक्रम मे लिट्टीपाड़ा प्रखंड से सैकड़ों कार्यकर्ता उक्त रैली में भाग लेने पर विशेष चर्चा किया गया।

इस बैठक में, अब्दुल रहीम मुन्ना, बरियार मुर्मू राइसीन मुर्मू, कौशर अंसारी रफीक अंसारी क़ानून सहा नोमान ऑक्सर अंसारी,गोलाम अंसारी, सब्बीर आलम,, सज्जाद, साहबजान अंसारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पाकुड़ः अवैध लकड़ी तस्करी मामले में आरोपी पिंटू कुमार साहा गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़। नगर थाना पुलिस ने कांड संख्या 238/22, दिनांक 01/10/2022 के तहत दर्ज मामले में वांछित अभियुक्त पिंटू कुमार साहा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 414/34 एवं इंडियन फॉरेस्ट एक्ट की धारा 33 के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, पिंटू कुमार साहा, पिता धीरन साहा, निवासी देवपुर, थाना हिरणपुर, जिला पाकुड़, पर अवैध रूप से जंगल की लकड़ी के परिवहन और तस्करी में संलिप्त रहने का आरोप है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को विधिवत प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि उसे उचित मार्गदर्शन में न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

15 वें वित्त से जिला अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराया गया पानी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़-ग्रीष्म ऋतु में भीषण गर्मी में पेयजलापूर्ति के लिए जिला के सभी प्रखंडों के सभी ग्राम पंचायत में 15 वें वित्त आयोग मद से पानी का टैंकर की खरीदारी की गई है। उपलब्ध टैंकर से आज अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत अलुबेड़ा पंचायतों के कोयोपारा गांव में मुखिया की उपस्थिति में एवं पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत कालीदासपुर पंचायत एवं रामचंद्रपुर पंचायत में टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया। जिससे ग्रामीणों में काफी खुशी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। *जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराई जायगी।

जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली से जुड़ने के लिए प्रोजेक्ट प्रयास के तहत लिए जा रहे आवेदन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

प्रोजेक्ट प्रयासः हुनर से होनहार तक का सफ़र अंतर्गत जिला प्रशासन के साथ इंटर्नशिप प्रोग्राम में भाग लें और अपने कौशल को निखारें। इस प्रोग्राम के माध्यम से, आप जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझेंगे और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होंगे।

लाभः-
जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली की समझ।
कौशल विकास और अनुभव प्राप्ति
नेटवर्किंग के अवसर।
प्रमाण पत्र प्राप्ति।
सरकारी विभागों में काम करने का अनुभव।

आवेदन करने के लिए, कृपया हमारी लिंक https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSciRM4YZsarZrCQKzYbZ8cdgrwYDuo2xzvoCSx3EYI506JxLg/viewform?usp=sharing पर जाएं और आवेदन पत्र भरे अधिक जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए, कृपया https://pakur.nic.in पर जाएं।

जिला प्रशासन के साथ इंटर्नशिप प्रोग्राम में भाग लें और अपने भविष्य को आकार दें! यह अवसर आपके लिए एक नए भविष्य की शुरुआत करने का मौका हो सकता है!

विकास का वैकल्पिक मॉडल

>> विचार

> "नवउदारवादी प्रवक्ताओं को इसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं लगता। उनका तर्क है कि जैसे-जैसे लोग समृद्ध होते हैं, उनकी आय वृद्धि की तुलना में खाद्यान्न उपभोग में वृद्धि कम होती है। इसलिए, उनके अनुसार, खाद्यान्न बाजार में सरप्लस का कारण यह है कि नवउदारवाद के तहत सभी की स्थिति बेहतर हो रही है। लेकिन यह तर्क तथ्यों के विपरीत है। आय बढ़ने पर लोग प्रत्यक्ष खाद्यान्न उपभोग कम कर सकते हैं, लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष (प्रोसेस्ड फूड और पशु चारे के रूप में) खाद्यान्न का कुल उपभोग कम नहीं हो सकता। बल्कि, यह बढ़ना चाहिए। फिर भी, तथ्य बताते हैं कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उपभोग घटा है।

प्रभात पटनायक

कोई यह दावा नहीं कर सकता कि नवउदारवादी दौर में, उससे पहले के लोककल्याणकारी राज्य के दौर की तुलना में, कृषि उत्पादन, विशेष रूप से खाद्यान्न उत्पादन में तेज वृद्धि हुई है। यह सच है कि पहले की तुलना में जीडीपी में तेज वृद्धि हुई है, भले ही दावे उतने सटीक न हों। लेकिन लोककल्याणकारी दौर में खाद्यान्न की कीमतों पर लगातार दबाव रहता था, जो इस बात का संकेत था कि खाद्यान्न की मांग अधिक थी। इस मांग को मूल्य नियंत्रण या कई अवसरों पर सरकारी खर्च में कटौती के जरिए संभाला जाता था। नवउदारवादी दौर में सरकार के पास खाद्यान्न भंडार का अंबार रहा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित अनाज से कहीं अधिक संग्रह होता था। इतना कि सरकार खाद्यान्न का निर्यात भी करने लगी-2023-24 में चावल का निर्यात 10.4 अरब डॉलर का था। इस विरोधाभास की व्याख्या कैसे होगी कि देश में प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर बढ़ रही थी, जबकि खाद्यान्न उपभोग की वृद्धि दर घट रही थी? नवउदारवादी प्रवक्ताओं को इसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं लगता। उनका तर्क है कि जैसे-जैसे लोग समृद्ध होते हैं, उनकी आय वृद्धि की तुलना में खाद्यान्न उपभोग में वृद्धि कम होती है। इसलिए, उनके अनुसार, खाद्यान्न बाजार में सरप्लस का कारण यह है कि नवउदारवाद के तहत सभी की स्थिति बेहतर हो रही है। लेकिन यह तर्क तथ्यों के विपरीत है। आय बढ़ने पर लोग प्रत्यक्ष खाद्यान्न उपभोग कम कर सकते हैं, लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष (प्रोसेस्ड फूड और पशु चारे के रूप में) खाद्यान्न का कुल उपभोग कम नहीं हो सकता। बल्कि, यह बढ़ना चाहिए। फिर भी, तथ्य बताते हैं कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उपभोग घटा है। न्यूनतम आवश्यक कैलोरी न मिलने वालों की संख्या बढ़ी है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण भारत में 1993-94 में 58% लोग प्रतिदिन 2200 कैलोरी से कम उपभोग करते थे, जो 2017-18 में बढ़कर 80% हो गया। इसलिए, नवउदारवादी दौर का खाद्यान्न सरप्लस समृद्धि का नहीं, बल्कि श्रमिक वर्ग की बढ़ती दरिद्रता

का प्रतीक है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स और महिलाओं में रक्ताल्पता के आंकड़े भी यही दर्शाते हैं। हमारे सामने विकास के दो प्रतिमान हैं। पहला, लोककल्याणकारी मॉडल, जिसमें खाद्यान्न की कमी रहती थी। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुल वृद्धि दर खाद्यान्न वृद्धि दर से अधिक नहीं हो पाती थी। बढ़ी आय के कारण खाद्यान्न मुद्रास्फीति बढ़ जाती थी। दूसरा, नवउदारवादी मॉडल, जिसमें खाद्यान्न का अतिरेक है। यहां कुल वृद्धि दर को निर्यात बाधित करता है। कोई देश तभी तेजी से विकास कर सकता है, जब विश्व अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही हो, और वह देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखे या अन्य देशों की कीमत पर इसे बढ़ाए। विश्व बाजार की तीखी प्रतिस्पर्धा के कारण तेज विकास में तकनीकी और ढांचागत बदलाव अंतर्निहित होते हैं, जो श्रम की बढ़ी उत्पादकता में प्रकट होते हैं। इसका परिणाम रोजगार में मामूली वृद्धि होता है, जो नए बेरोजगारों, सरकारी संरक्षण खत्म होने से पुराने बेरोजगारों, और विस्थापित किसानों व कारीगरों की संख्या से हमेशा कम रहता है। श्रम बल की तुलना में आरक्षित श्रम बल बढ़ता जाता है, जिससे मजदूरों की प्रति व्यक्ति वास्तविक आय घटती है। यह आय कमी ही खाद्यान्न सरप्लस का मूल कारण है।

नया पैमाना : प्रति व्यक्ति जीडीपी को प्रगति का पैमाना मानने के बजाय, लोगों के कल्याण को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आवश्यक वस्तुओं (विशेष रूप से खाद्यान्न) का उपभोग पैमाना बनाना चाहिए। लोककल्याणकारी दौर में यह उपभोग घरेलू उत्पादन के समतुल्य था, जबकि नवउदारवादी दौर में य शक्ति घटने से मांग सीमित हो गई।

रोजगार वृद्धि : खाद्यान्न सरप्लस का उपयोग रोजगार बढ़ाकर और आवश्यक वस्तुओं की खपत बढ़ाकर किया जा सकता है। इसके लिए सरकारी खर्च बढ़ाना होगा, जो दो तरीकों से संभव है: वित्तीय घाटा बढ़ाकर या धनी वर्ग पर कर बढ़ाकर। मेहनतकशों पर कर बढ़ाने से मांग का स्थानांतरण होगा, रोजगार नहीं बढ़ेगा। वैश्विक पूंजी इन दोनों उपायों का विरोध करती है, क्योंकि यह उसके वर्चस्व को चुनौती देता है। इसलिए, खाद्यान्न सरप्लस और बेरोजगारी के इस विवेकहीन संकट को हल करने के लिए पूंजी नियंत्रण लागू करना होगा। यह नवउदारवादी नीतियों का अंत होगा, क्योंकि इनका आधार ही पूंजी, विशेष रूप से वित्तीय पूंजी का निर्बाध प्रवाह है। प्रति व्यक्ति जीडीपी के बजाय आवश्यक वस्तुओं के उपभोग के पैमाने से देखें, तो नवउदारवादी दौर लोककल्याणकारी दौर से बदतर है। यह रोजगार वृद्धि में बाधक, अतार्किक और विवेकहीन है। यह कहना ठीक नहीं कि हमें पूरी तरह लोककल्याणकारी दौर में लौट जाना चाहिए। उस दौर में विकास दर खाद्यान्न उत्पादन पर निर्भर थी। रोजगार बढ़ाने के लिए खाद्यान्न की उच्च उत्पादकता सुनिश्चित करनी होगी। इसके लिए बड़े पैमाने पर भूमि सुधार और सरकारी निवेश आवश्यक हैं। भूमि सुधार को केवल सामंती संकेंद्रण तोड़ने तक सीमित नहीं रखना चाहिए। आजादी से पहले दीर्घकालीन पट्टों पर दी गई और अनुत्पादक पड़ी जमीन, जैसे प्लांटेशन, को भी भूमि सुधार के दायरे में लाना होगा। नवउदारवादी निर्यातोन्मुखी विकास का विकल्प केवल राज्य प्रायोजित विकास नहीं, बल्कि सरकारी संरक्षण में कृषि-आधारित विकास है।

(लेखक अर्थशास्त्री और राजनीतिक टिप्पणीकार हैं। अनुवाद : लाल बहादुर सिंह)

संपादकीय

आखिर कब थमेगा आतंक का सिलसिला

गौरतलब है कि कुपवाड़ा में संदिग्ध आतंकवादियों ने एक समाजसेवक के घर में घुस कर उसे गोली मार दी। छिपी बात नहीं है कि घाटी में आतंकवादी हमलों के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। हालांकि वह बार-बार अपने को पाक-साफ साबित करने की कोशिश करता है, भारत के प्रति सहयोग का दिखावा भी करता है, पर दुनिया की नजरों से उसकी हकीकत छिपी नहीं है। पहलगाम के बाद कुपवाड़ा में इस तरह घर में घुस कर हमला करने के पीछे दहशतगर्दों की मंशा साफ है। वे संदेश देना चाहते हैं कि उनके मंसूबे कमजोर नहीं पड़े हैं। मगर सवाल है कि वहां तैनात खुफिया एजंसियों और सुरक्षा बलों से क्यों और कैसे चूक हो रही है कि वे आतंकवादियों की साजिशों को समय रहते समझ नहीं पा रहे। पहलगाम हमले के पीछे बड़ा कारण सुरक्षा इंतजाम में घोर लापरवाही थी। इसके लिए सरकार ने सर्वदलीय बैठक में अफसोस भी जताया और इसे तुरंत दुरुस्त कर लेने का आश्वासन दिया। इस वक्त वहां राष्ट्रीय सुरक्षा एजंसी घटना की जांच में जुटी है। पूरी घाटी में सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ा दी गई है। खुफिया एजंसियां चौकस हैं। इसके बावजूद अगर आतंकी किसी घर में घुस कर हमला करने में कामयाब हो जाते हैं, तो स्वाभाविक ही आतंकवाद से लड़ने संबंधी हमारी तैयारियों पर अंगुलियां उठेंगी। नौ वर्ष पहले नोटबंदी हुई, तो दावा किया गया था कि इससे आतंकियों की कमर टूट जाएगी। फिर अनुच्छेद तीन सौ सत्तर खत्म करने के बाद भी लगातार कहा जाता रहा कि घाटी में आतंकवाद लगभग अपने अंतिम दौर में है। मगर हकीकत यह है कि इस अवधि में कई बड़ी आतंकी घटनाएं हो गईं, जिसकी ताजा कड़ी पहलगाम की घटना थी। अच्छी बात है कि पहलगाम हमले के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं और आतंकवाद से निपटने के लिए अधिक कारगर तरीके पर विचार कर रही है। मगर अब तक के अनुभवों से जाहिर है कि आतंकवादी संगठनों को खत्म करने की कोई भी रणनीति अब तक कारगर साबित नहीं हो पाई है। पहलगाम हमले के बाद आम जनभावना यही है कि दहशतगर्दी को पोसने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कोई निर्णायक कदम उठाया जाए। स्पष्ट है कि वहां की सेना आतंकवादियों को प्रशिक्षण और संरक्षण देती है। वह खुद को वहां के हुक्मरान से ऊपर समझने लगी है और अपनी समांतर सत्ता चलाती है। ऐसे में, केवल सियासी पहलकदमी नहीं, सीमा पार चल रहे आतंकी ठिकानों को खत्म करने की रणनीति भी बनानी होगी। मगर पहले अपने सुरक्षा घेरे को अभेद्य और खुफिया तंत्र को अचूक बनाने की सख्त जरूरत है।

पाकिस्तान में आतंक के धंधे का खेल

प्रमोद भार्गव

दुनिया में शायद पाकिस्तान ऐसा इकलौता देश है, जिसने आतंकवाद के गंदे धंधे को भी व्यापार का जरिया बना लिया। वह भी अपनी ही कौम के किशोर एवं युवाओं के जीवन को दांव पर लगाने का खेल खेलते हुए! इस तथ्य को स्वयं पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार करते हुए अमेरिकी स्काई टीवी के एक लाइव षो में बड़ा खुलासा किया है। टीवी एंकर यल्डा हाकिम ने पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को बढ़ावा देने के सवाल पर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि 'हम (पाकिस्तान) अमेरिका, ब्रिटेन और पष्चिमी देषों के लिए 3 दषक से आतंक के गंदे धंधे का खेल, खेलते रहे हैं। यह हमारी बड़ी भूल रही है, जिसके दुश्परिणाम हमें भुगतने पड़ रहे हैं। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 80 और 90 के दषक में और फिर 9/11 हमले के बाद अमेरिका का सहयोग नहीं किया होता तो आज हमारा आतंकवाद के सिलसिले में ट्रेक रिकॉर्ड कई बेहतर होता। आसिफ ने आरोप लगाते हुए कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिका ने सोवियत संघ के विरुद्ध जंग में आतंकवादियों का खुलकर समर्थन किया था।' आसिफ के इस बयान से साफ होता है कि पाकिस्तान गंदे धंधे के लिए अपने ही युवाओं को आतंकवादी बनाने में लगा था। इसके बदले उसे अमेरिका और ब्रिटेन समेत अनेक पष्चिमी देषों से बड़ी मात्रा में आर्थिक मदद मिलती रही है। आसिफ ने इस हकीकत का खुलासा तब किया है, जब पाकिस्तान को इन देषों से आर्थिक मदद मिलना लगभग बंद हो गई है। इस बयान से पता चलता है कि पाकिस्तान के हुक्मरान कितने स्वार्थी हैं, कि वे अपने बच्चों को तो देष-विदेष के षिक्षा संस्थानों में पढ़ाते-लिखाते हैं, नौकरी भी बहुराश्ट्रीय कंपनियों में कराते हैं, लेकिन अपने ही देष पाकिस्तान के गरीब और लाचार बच्चों को नादान उम्र में आतंक का पाठ पढ़ाकर आतंकवादी बनाने का काम करते हैं। आसिफ ने यह बात षायद नादान बनते हुए कह दी कि तीन दषक से हम पष्चिमी देषों के कहने पर आतंकी पैदा करने के गंदे धंधे में लगे हुए हैं। लेकिन इस परिप्रेक्ष्य में सोचने की बात यह है कि आखिर किस लालच में पाकिस्तान यह गंदा धंधा कर

रहा था? वह एक स्वतंत्र देष है। ब्रिटेन या अमेरिका का कोई बंधक देश तो नहीं है? पाकिस्तान इन देषों की आज्ञा का पालन धन के लालच में तो कर ही रहा था, मुस्लिम देशों का एकमात्र नेतृत्वकर्ता बन जाने की मंषा से भी कर रहा था। हकीकत तो यह है कि पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैष-ए-मोम्मद और हिजबुल मुजाहिदि्न ने जम्मू-कष्मीर में सेना और सुरक्षा बलों पर जो भी आत्मघाती हमले कराए हैं, उनमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चों और किषोरों का इस्तेमाल किया गया है। संयुक्त राश्ट्र सुरक्षा परिशद् की 'बच्चे एवं सषस्त्र संघर्श' नाम से आई एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे आतंकी संगठनों में षामिल किए जाने वाले बच्चे और किषोरों को आतंक का पाठ मदरसों में पढ़ाया गया है। साल 2017 में कष्मीर में हुए तीन आतंकी हमलों में बच्चों के षामिल होने के तथ्य की पुश्टि हुई थी। पुलवामा जिले में मुठभेड़ के दौरान 15 साल का एक नाबालिग मारा गया था। मुबंई के ताज होटल पर हुए आतंकी हमले में भी पाक द्वारा प्रशिक्षित नाबालिग अजमल कसाब शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों ने ऐसे अनेक वीडियो जारी किए हैं, जिनमें किशोरों को आत्मघाती हमलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पाकिस्तान में सषस्त्र समूहों द्वारा बच्चों व किषोरों को भर्ती किए जाने और उनका इस्तेमाल आत्मघाती हमलों के किए जाने की लगातार खबरें मिल रही हैं। कुछ साल पहले तहरीक-ए-तालिबान ने एक विडीयो जारी किया था, जिसमें लड़कियों सहित बच्चों को सिखाया जा रहा है कि आत्मघाती हमले किस तरह किए जाते है। आत्मघाती हमलों के लिए भर्ती किए गए ज्यादातर बच्चे पाकिस्तान के हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनियाभर में बाल अधिकारों के हनन के 21,000 मामले सामने आए हैं। दुनियाभर में हुए संघर्षों में हजारों बच्चे मारे गए या विकलांगता का शिकार हुए। आठ हजार से ज्यादा बच्चों को आतंकियों, नक्सलियों और विद्रोहियों ने अपने संगठनों में शामिल किया है। ये बच्चे युद्ध से प्रभावित सीरिया, अफगानिस्तान, यमन, फिलीपींस, नाइजीरिया, भारत और पाकिस्तान समेत 20 देशों के हैं। भारत के जम्मू-कश्मीर में युवाओं को आतंकवादी बनाने की मुहिम कश्मीर के अलगाववादी चलाते रहे हैं। इस तथ्य की पुष्टि 20 वर्शीय गुमराह आतंकवादी अर्शिद माजिद खान के आत्म-समर्पण से हुई थी। अरशिद कॉलेज में फुटबॉल का अच्छा खिलाड़ी था। किंतु कष्मीर के बिगड़े माहौल में धर्म की अफीम चटा देने के कारण वह बहक गया और लश्कर-ए-तैयबा में षामिल हो गया। उसके आतंकवादी बनने की खबर मिलते ही मां-बाप जिस बेहाल स्थिति को प्राप्त हुए, उससे अर्शिद का हृदय पिघल गया और वह घर लौट आया था। दरअसल कष्मीरी युवक जिस तरह से आतंकी बनाए जा रहे हैं, यह पाकिस्तानी सेना और वहां पनाह लिए आतंकी संग्ठनों का नापाक मंसूबा रहा था। पाक की अवाम में यह मंसूबा पल रहा है कि 'हंस के लिया पाकिस्तान, लड़के लेंगे हिंदुस्तान।' इस मकसदपूर्ती के लिए मुस्लिम कौम के उन गरीब और लाचार बच्चे, किशोर और युवाओं को इस्लाम के बहाने आतंकवादी बनाने का काम मदरसों में किया जा रहा है, जो अपने परिवार की आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए आर्थिक सुरक्षा चाहते हैं। पाक सेना के भेश में यही आतंकी अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण रेखा को पार कर भारत-पाक सीमा पर छद्म युद्ध लड़ रहे हैं। कारगिल युद्ध में भी इन छद्म बहरुपियों की मुख्य भूमिका रही थी। इस सच्चाई से पर्दा संयुक्त राष्ट्र ने तो बाद में उठाया किंतु खुद पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के सेवानिवृत्त अधिकारी रहे, षाहिद अजीज ने 'द नेषनल डेली अखबार' में पहले ही उठा दिया था। अजीज ने कहा था कि 'कारगिल की तरह हमने कोई सबक नहीं लिया है। हकीकत यह है कि हमारे गलत और जिद्दी कामों की कीमत हमारे बच्चे अपने खून से चुका रहे हैं। कमोबेश आतंकवादी और अलगाववादियों की शह के चलते यही हश्र कश्मीर के युवा पिछले तीन दशक से भोग रहे थे। इस विकराल स्थिति से पार पाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते कश्मीर से धारा-370 और 35-ए हटाने के बाद संभव हुआ। वहां बढ़ते पर्यटन के चलते पाकिस्तान की ओर से कहा गयया था कि पर्यटन कश्मीर के 'भारतीय उपनिवेषीकरण' एक माध्यम है। उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस के श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से सांसद रुहुल्लाह मेंहदी ने भी कुछ समय पहले इसी आशय के बयान दिए थे। इसी के चलते भारतीय जासूसी संस्थाओं को आशंका थी कि कश्मीर में किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम तक पहुंचाकर बढ़ते पर्यटन पर आघात किया जा सकता है। जुलाई में होने वाली अमरनाथ यात्रा को लेकर भी ऐसी आषंकाएं थीं। फिलहाल पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकी वारदात रचकर 28 पर्यटकों को मौत के घाट उतारकर जो तांडव रचा है, उसमें वह तत्काल भले ही अपने मंसूबे को साध ले, लेकिन कश्मीरी जनता ने सद्भाव का जो वातावरण बनाया है, उससे स्पश्ट है कि वह अब किसी गलतफहमी में रहने वाली नहीं है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार लगातार पाकिस्तान को दिन में तारे दिखाने के एक के बाद एक जो कठोर निर्णय ले रही है, उससे पाकिस्तान की बदहाली बढ़ने के संकेत मिल रहे है।

अग्नि से सीखें स्पष्टता और आंतरिक प्रकाश

प्रो. हिमांशु राय

मैंने पिछले आलेख में कमल से मिलने वाली नेतृत्व की सीखों पर चर्चा की थी। कीचड़ से अविचलित रहकर कमल निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता ही रहता है। इसी प्रकार, भारतीय दर्शन में सबसे पवित्र तत्वों में से दूसरा तत्व है अग्नि। यह केवल प्रकाश और ऊष्मा का स्त्रोत नहीं, बल्कि दैवीय संदेशवाहक, शुद्धिकर्ता और रूपांतरकारी शक्ति है। एक लीडर के लिए अग्नि में नेतृत्व-संबंधी पाठ निहित हैं- उद्देश्य की ज्योति प्रज्वलित करना, दूसरों को प्रकाशित करना और परिवर्तनकारी नेतृत्व करना।

दृष्टि की स्पष्टता : अग्नि मार्ग को प्रकाशित करती है। यह अंधकार को दूर कर आगे बढने की राह दिखाती है। महान और सफल लीडर इसी गुण को आत्मसात करते हैं। वे स्वयं प्रकाश-पुंज बनकर दूसरों को देखने, समझने और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने में सहायता करते हैं। ज्ञान, अग्नि की भांति, भ्रम को दूर कर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। एक लीडर को इसी प्रकाश का स्त्रोत बनना चाहिए- निर्मल, केंद्रित और ज्ञान का प्रदाता।

परिवर्तन की शक्ति : अग्नि कभी भी वस्तुओं को जस-का-तस नहीं छोड़ती, यह उन्हें रूपांतरित करती है। कच्चा भोजन पककर पोषण में बदल जाता है, अयस्क से स्वर्ण शुद्ध होकर निकलता है, शीतलता ऊष्मा में परिवर्तित होती है। इसी प्रकार, लीडर को भी परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। यह विध्वंस का नहीं, बल्कि सर्वोच्च उत्कर्ष का प्रतीक है- प्रक्रियाओं, लोगों और उद्देश्यों का उत्थान करने का प्रतीक। लीडर के भीतर जलने वाली अग्नि क्रोध की नहीं, बल्कि तप की होनी चाहिए- संयमित, केंद्रित ऊर्जा, जो उच्चतम भलाई के लिए समर्पित हो।

संयमित ऊर्जा और आत्म-नियंत्रण : अनियंत्रित अग्नि विनाशकारी हो सकती है। लेकिन नियंत्रित अग्नि दीपक की लौ की भांति प्रकाश, दिशा और ऊष्मा प्रदान करती है। सच्चा नेतृत्व भी ऐसा ही होता है। स्वयं की शक्ति को पहचाने बिना शक्ति का उपयोग केवल प्रभुत्व के लिए किया जा सकता है, लेकिन आत्म-नियंत्रण के साथ यही शक्ति सेवा का रूप ले पाती है। एक लीडर को अपने जुनून को सही दिशा में मोडऩा आना चाहिए, अपनी तीव्रता को संतुलित रखना चाहिए और उकसावे के बीच भी स्थिर बने रहना चाहिए। नियंत्रित अग्नि दीपक की लौ बनती है- अनियंत्रित अग्नि विनाश का कारण।

प्रकाश देना, न कि भस्म करना : अग्नि केवल देती है। यह प्रकाश और ऊष्मा प्रदान करती है, बिना किसी अपेक्षा के। लीडर को भी यही सिद्धांत अपनाना चाहिए- वे प्रेरणा, साहस और आशा का स्त्रोत बनें, न कि दूसरों को जलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करें। यज्ञ में प्रज्वलित अग्नि मांगती नहीं, बल्कि अर्पण स्वीकार कर आशीर्वाद के रूप में लौटा देती है। लीडरशिप भी इसी सिद्धांत पर आधारित होनी चाहिए- निष्काम कर्म पर आधारित- बिना फल की आसक्ति के कार्य करना!

(निदेशक आइआइएम इंदौर)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने किया विद्यालय व पीएचसी का निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने उधवा प्रखंड के उच्च विद्यालय फुदकीपुर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण.जानकारी के अनुसार विद्यालय में क्लासरूम,शिक्षको तथा अन्य व्यवस्था की जानकारी लिए. इस दौरान उच्च विद्यालय फुदकीपुर के प्रधानाध्यापक मो यूसुफ ने विद्यालय में अतिरिक्त क्लासरूम, साइकिल स्टैंड,चहारदीवारी सहित अन्य मांगो को रखा. इस दौरान विधायक ने आश्वस्त किया कि जल्द की सभी मांगों को पूरा करने पर पहल किया जाएगा. इसके बाद विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फुदकीपुर का निरीक्षण करते हुए यहां एएनएम, दवाखाना, साफ सफाई आदि का निरीक्षण करते. साथ ही बताया कि यहां सभी प्रकार की सेवा दिया जाएगा ताकि स्थानीय लोग लाभांवित हो. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डु, केंद्रीय समिति सदस्य अखलाकुर रहमान, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ, विश्वजीत मंडल, जहांगीर शेख, नेहरुल इस्लाम, कैयूम शेख सहित अन्य लोग मौजूद थे.

टीचर नीड असेसमेंट (टीएनए) आज मंगलवार को आरके प्लस टू स्कूल में संपन्न हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता आकलन एवं सतत क्षमता विकास को बढ़ावा देने के लिए टीचर नीड असेसमेंट (टीएनए) आज मंगलवार को आरके प्लस टू स्कूल में संपन्न हुआ। अंतिम दिन 65 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया। बीपीओ राजेश्वरी सिन्हा ने बताया कि टीएनए का उद्देश्य शिक्षकों की आवश्यकता का आकलन करना और तदनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था करना है। इससे शिक्षकों को अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने में मदद मिलेगी और वह अपने शिक्षण कौशल में सुधार कर सकेंगे। इस मौके पर बीपीओ राजेश्वरी सिन्हा, सीआरपी सुल्तान आलम, अनुज कुमार, चंदन कुमार, मो खालिद अंसारी, शिक्षक मनोज गोस्वामी, मनोज हरिजन, सीताराम हांसदा, जौहर अली, विनोद सिंह, अर्पणा दास, उषा कुमारी आदि उपस्थित थे।

तैयारी को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष बरकत खान की अध्यक्षता में बैठक की गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। शहर के बंगाली टोला स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में संविधान बचाओ अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष बरकत खान की अध्यक्षता में बैठक की गई,जिसमें कांग्रेस के सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के साथ संविधान बचाओ रैली को लेकर चर्चा की गई।जिला अध्यक्ष बरकत खान ने संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर जोर दिया, कहा कि संविधान बचाओ रैली में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बढ़चढ़ कर हिस्सा ले।बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष बरकत खान ने बताया कि 06 मई को रांची में होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम में जिले से ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल होकर रैली को सफल बनाने की बात कही।उन्होंने कहा कि यह रैली संविधान की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।क्योंकि संविधान के अनुसार नहीं चल रहा देश.जिला स्तरीय संविधान बचाओ के तहत बरहरवा प्रखंड में रैली 30 अप्रैल 2025 को साहेबगंज जिला के प्रदेश प्रभारी मणिशंकर के नेतृत्व मे निकला जाएगा,01 मई 2025 को उत्सव बैंक्विट हॉल जिला परिषद साहिबगंज में होने वाले मंथन संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। इस बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री झारखंड सरकार दीपिका पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता को दिए गए कई निर्देश। जबकि 11 से 17 मई तक घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। वहीं 20 मई से 30 मई तक जनता के साथ घरेलू स्तर पर संघवाद स्थापित करने की बात कही। उन्होंने संगठन को जिला से लेकर पंचायत स्तर तक कैसे मजबूत किया जाय उसके बारे में बताया। मौके पर मुर्शाद अली, बासुकीनाथ यादव, अशोक पासवान, सरफराज आलम, नदीम अख़लाक़, श्री राम ओझा, रंजीत टुड्डू, परवेज आलम, अली कुरैसी, नेहाल अख्तर, अज़ीज़ अंसारी, सनाउल्ल्हा अंसारी, ताबिश इक़बाल, सलाउद्दीन अंसारी, दिलीप गुप्ता,रिज़वान अंसारी, अजीज अंसारी, अफ़ज़र अंसारी,अनीता देवी, दिल अफ़रोज़ खातून, सबदुल अंसारी, रियाज, करुण केवट सहित दर्जनों कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

जब भी दानवीरता की बात होगी महादानी भामाशाह का नाम सबसे पहले आएगाः हीरालाल साहा

आदिवासी एक्सप्रेस
अजय कुमार कुशवाहा

बरहरवा भामाशाह की 478वीं जयंती पर अखिल भारतीय तेली महासभा ने, समाज के वुजुर्गो को गमछा देकर सम्मानित किया।

RB प्लेस बरहरवा में को अखिल भारतीय तेली महासभा जिला कमिटी द्वारा महादानवीर भामाशाह की 478वीं जयंती समारोह राष्ट्र गौरव दिवस के रूप में धूमधाम से भामाशाह से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तैलिक साहू समाज के गणमान्य लोगों द्वारा संयुक्त रूप से महादानवीर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इससे पहले युवा प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल साह के नेतृत्व में कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी को सम्मानित किया गया। इस दौरान जय भामाशाह, जय तेली समाज, दानवीर भामाशाह अमर रहे। तेली एकता जिंदाबाद के जयकारे से गूंज उठा।

मौके पर युवा अध्यक्ष हीरालाल साह ने कहा कि लोकहित व आत्म सम्मान के लिए अपना सर्वस्व दान कर देने वाली उदारता के इस गौरव पुरूष की प्रेरणा को चिरस्थाई रखने के लिए बिहार, छतीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान समेत कई प्रदेशों में इनके नाम से कई योजनाएं भी चलाई जाती है। जब भी दानवीरता की बात होगी, उनमें महादानी भामाशाह का नाम सबसे पहले आएगा। भामाशाह ने हल्दी घाटी की युद्ध मे पराक्रमी राजा महाराणा प्रताप का तन, मन, धन से सहयोग देकर जो मिसाल पेश की है, वह हमारे पीढ़ियों को प्रेरणा देगी। वे दानवीरता के साथ मातृभूमि के प्रति अपने अगाध समर्पण के लिए भी जाने जाते हैं।

वही प्रदेश सचिव छोटू साह ने कहा कि वो दानवीर व त्यागी पुरूष थे। स्वदेश, धर्म व संस्कृति की रक्षा को वो हर समय तत्पर रहते थे। राणा के पास नहीं पैसा ,पैसै के बिना नहीं सेना, तब भामाशाह बढ़े आगे,लेकर रुपया पैसा गहना वह धन क्या अवसर आने पर जो, त्याग भाव दिखला न सका। देश धर्म की रक्षार्थ अपना सब कुछ महाराणा प्रताप को दान करने वाले दानवीर तेली समाज के गौरव वैश्य शिरोमणि महाराजा रुभामाशाह जी की जयंती पर कोटिशः नमन किया।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष नंदलाल साह जी ने जयंती समारोह में धन्य देश की माटी है जिसमें भामा सा लाल पला। उस दानवीर की यश गाथा को मेट सका क्या काल भला गीत गुनगुनाए।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव शिवानंद साह ने कहा ने कहा कि महाराणा प्रताप के 25000 हजार सैनिकों के लिए 12 वर्ष तक के लिए राशन और सैनिक साजोसामान के लिए अपनी पूरी संपत्ति समर्पण करने वाले भारतीय इतिहास के गौरवशाली अध्ध्याय स्थापित किये। वैश्य शिरोमणि, राष्ट्र-गौरव महादानवीर-भामाशाह की जन्म जयंती पर शत शत नमन करता हुं।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला अध्यक्ष अनिल साह ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को देखने में शांतिपूर्वक ध्यान मे रखते हुए कार्यक्रम शांतिपूर्वक किया गया है एवं उनकी आत्मा लिए 2 मिनट का मौन व्रत रखा एवं सभी तैलिक बंधुओं के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पिंटू साह, विसजीत मंडल शिवचरण साह, अमन साह, तपेश साह, गणेश साह, पर्दीप साह, , प्रेम लाल साह, हरिशंकर साह, ललिता देवी, सुनीता देवी, राजा राम साह, अजय कुमार पावन साह, अमित साह सौरभ साह आनंद जी गौरव साह आदि समाज के गणमान्य लोगों को पगड़ी एवं अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया।

संविधान बचाओ रैली में कार्यकर्ता बढ़चढ़ कर हिस्सा लेः बरकत खान

Mohit mansuri /
अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस साहेबगंज

साहेबगंज कांग्रेस कार्यालय में संविधान बचाओ अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी हेतु एक बैठक जिलाध्यक्ष बरकत खान की अध्यक्षता में आहूत की गई, जिसमें कांग्रेस के सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के साथ संविधान बचाओ रैली को लेकर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष बरकत खान ने संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर जोर दिया।

कहा कि संविधान बचाओ रैली में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बढ़चढ़ कर हिस्सा ले। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष बरकत खान ने बताया कि 06 मई को रांची में होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम में जिले से ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता शामिल होकर रैली को सफल बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह रैली संविधान की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि संविधान के अनुसार नहीं चल रहा देश।

जिला स्तरीय संविधान बचाओ के तहत बरहरवा प्रखंड में रैली 30 अप्रैल 2025 को साहेबगंज जिला के प्रदेश प्रभारी मणिशंकर जी के नेतृत्व मे निकला जाएगा एवं 01 मई 2025 को उत्सव बैंक्विट हॉल जिला परिषद साहिबगंज में होने वाले मंथन संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। इस बैठक में श्रीमती दीपिका पांडे,ग्रामीण विकास मंत्री झारखंड सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता को दिए गए कई निर्देश।

जबकि 11 से 17 मई तक घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। वहीं 20 मई से 30 मई तक जनता के साथ घरेलू स्तर पर संघवाद स्थापित करने की बात कही। उन्होंने संगठन को जिला से लेकर पंचायत स्तर तक कैसे मजबूत किया जाय उसके बारे में बताया।

मौके पर मुर्शाद अली, बासुकीनाथ यादव, अशोक पासवान, सरफराज आलम, नदीम अख़लाक़, श्री राम ओझा, रंजीत टुड्डू, परवेज आलम, अली कुरैसी, नेहाल अख्तर, अज़ीज़ अंसारी, सनाउल्ल्हा अंसारी, ताबिश इक़बाल, सलाउद्दीन अंसारी, दिलीप गुप्ता, रिज़वान अंसारी, अजीज अंसारी, अफ़ज़र अंसारी, अनीता देवी, दिल अफ़रोज़ खातून, सबदुल अंसारी, रियाज, करुण केवट सहित दर्जनों कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

जहां इलाज के दौरान अनुमंडल अस्पताल में अबू कलाम शेख को मृत घोषित कर दिया गया था

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड की मध्य नारायणपुर पंचायत के मजहर टोला गांव में बीते सोमवार की देर शाम आपसी विवाद में हुई मारपीट में मजहर टोला के अबू कलाम शेख (70) और उसके पुत्र गुलजार शेख (25) को विरोधी द्वारा तेज धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया था। जहां इलाज के दौरान अनुमंडल अस्पताल में अबू कलाम शेख को मृत घोषित कर दिया गया था। जिसका पोस्टमार्टम पुलिस की निगरानी में मंगलवार को डॉक्टरों की टीम के द्वारा किया गया। और शव को परिजनों को सौंप दिया गया। शव को घर ले जाने के क्रम में थाना के पास उनके परिजन एवं गांव वालों ने एंबुलेंस को थाना के सामने रोककर बीच सड़क पर बैठकर आरोपियों को पकड़ने की मांग कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। परिजनों का कहना था कि 17-18 घंटा बीच जाने के बाद भी अब तक सभी आरोपी फरार हैं। सभी को पड़कर कड़ी से कड़ी सजा दिया जाए। आदि की मांग करने लगे। तभी मामले को शांत कराते हुए प्रभारी थाना प्रभारी बिट्टू कुमार साहा, एवं अनजान प्रतिनिधियों के द्वारा परिजन एवं विरोध कर रहे हैं। लोगों को समझा बूझकर जल्द से जल्द सभी आरोपियों को पकड़ने की बात कहा और छापेमारी जारी है जल्दी सभी को पकड़ लिया जाएगा तब जाकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन की बात को सुना और प्रदर्शन खत्म किया। वहीं मृतक अबू कलाम शेख के मारपीट में घायल पुत्र गुलजार शेख के द्वारा थाना में आवेदन देकर गांव के ही 10 लोगों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर लगातार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। उक्त बातों की जानकारी प्रभारी थाना प्रभारी बिट्टू कुमार साहा ने दिया।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के मीरनगर अस्पताल मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर सोमवार के देर रात बेगमगंज के राधानगर स्थित महेशबथान पैतृक गांव जा रहे थे। इसी बीच रात्रि करीब 12:00 बजे मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ जाने से मीरनगर अस्पताल मोड़ के पास सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया, जिससे महेशबथान के बापी मंडल 22 वर्ष एवं सोनू मंडल 20 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वही एक अन्य युवक सुमित्रा मंडल उर्फ मुन्नू गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना राधानगर थाना पुलिस को दिया। राधानगर थाना के एएसआई शिवलाल हांसदा दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर घायल युवक को इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा भेज दिया। जबकि दोनों शव को थाना लाने का प्रयास कर रहे थे। परंतु मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम करने से इनकार कर रहे थे। हालांकि राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों को समझा बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए थाना लाया। इधर मंगलवार की सुबह दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया। पोस्टमार्टम कराने के उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

आवेदन देकर थाना पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज।तीनपहाड़ में अपहरण का प्रयास, स्थानीय लोगों ने बचाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर निवासी छोटू कुमार महतो 21 वर्ष जो कि वर्तमान में अपने ससुराल तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबूपुर में लगभग 3 साल से रह रहा है। जिस पर एक मोबाइल चोर गिरोह के सदस्य को शक था कि उसने ही दिल्ली में चोरी के 2 लाख 50 हजार रुपए कीमत के दर्जनों मोबाइल के साथ उन लोगों को पकड़वाया था। इसे लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था और मोबाइल गिरोह छोटू महतो पर ढाई लाख रुपए देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। लेकिन छोटू महतो मोबाइल पकड़वाने में सहयोग करने एवं रुपए देने से इनकार कर रहा था। इसके बाद बीते रविवार की संध्या छोटू महतो जब गांव में जीतू दुकान के पास खड़ा था तभी अचानक दो गाड़ी (जेएच 18 एम 6008 और जेएच 04 एक्स 4033) वाहन रुकी और उक्त गाड़ी से बीजू महतो, महाजन महतो, खुशिया देवी, सहीनमा महतो व तीन-चार अन्य लोग जो बाबूपुर व महाराजपुर के थे उतरे और जबरन छोटू कुमार महतो को गाड़ी में बैठकर अपहरण का प्रयास करने लगे। छोटू को गाड़ी में बैठा कर भागने ही वाले थे कि इसी कर्म में हो हल्ला मच गया और लोगों की काफी भीड़ जुट गया। भीड़ ने छोटू को वाहन से उतार कर मुक्त कराया। इसे लेकर सोनू महतो ने आवेदन देकर थाना पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। उधर दूसरे पक्ष के लोगों ने भी छोटू महतो सहित अन्य तीन पर उनकी गाड़ी रोककर रुपया व जेवराज छीनने का आरोप लगाने का थाना में आवेदन दिया है। इस मामले में केस दर्ज किया गया है। मामले को लेकर तीनपहाड़ थाना प्रभारी गुलशन गौवर ने बताया कि सभी पर केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

उप विकास आयुक्त ने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का किया आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतों और सुझावों के साथ जनता दरबार में पहुंचे। जनता दरबार में प्रमुख रूप से भूमि विवाद, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पेंशन, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण और अन्य स्थानीय मुद्दों से संबंधित शिकायतें उठाई गईं। उप विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उप विकास आयुक्त ने कहा, जनता दरबार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाना है। प्रशासन जनता के साथ मिलकर उनके हित में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

अक्षय तृतीया पर धर्मगुरुओं की पहल बाल विवाह पर लगेगा लगाम

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले में अक्षय तृतीया के मौके पर बाल विवाह रोकने के लिए धर्मगुरुओं के साथ मिलकर एक अनूठा जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। बनवासी विकास आश्रम और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संयुक्त प्रयासों से अब मंदिर, मस्जिद और चर्चों में खुले तौर पर यह एलान किया जा रहा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं दी जाएगी। संगठन ने पंडितों, मौलवियों और पादरियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए 2006) और पॉक्सो कानून की जानकारी देकर उन्हें इस सामाजिक अपराध के खिलाफ सशक्त किया है। इस पहल से उम्मीद जताई गई है कि इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होगा। जीआरसी का यह प्रयास बाल विवाह मुक्त भारत के 2030 के लक्ष्य की ओर एक अहम कदम है, जिसने अब तक 2 लाख से अधिक बाल विवाह रुकवाए और 5 करोड़ लोगों को शपथ दिलाई है। गिरिडीह में 565 मामलों में परिवारों से लिखित सहमति लेकर विवाह रोके गए हैं और 5 एफआईआर भी दर्ज हुई हैं। संस्था के समन्वयक उत्तम कुमार ने बताया कि शादी के आयोजन से जुड़ा हर व्यक्ति चाहे वो बैंड वाला हो या हलवाई, कानून की नजर में दोषी हो सकता है। धर्मगुरुओं के सक्रिय समर्थन से यह अभियान अब जन-आंदोलन बनता जा रहा है, जो दिखाता है कि जब समाज और धर्म एकजुट हों, तो बदलाव संभव है।

सहयोग अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत

● परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के बिशनपुर स्थित सहयोग अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतका सरती कुमारी (25) की सीज़ेरियन ऑपरेशन के बाद मौत हो गई, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने पूरे दिन महिला की हालत के बारे में उन्हें अंधेरे में रखा और इलाज के नाम पर पूरी राशि वसूलने के बाद ही मौत की सूचना दी। अस्पताल पर लापरवाही और दबाव बनाकर पैसे वसूलने के गंभीर आरोप लगे हैं, और परिजन मामले की जांच की मांग कर रहे हैं। इस घटना से अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। क्या यह एक असावधानी का मामला है, या फिर अस्पताल प्रशासन की ओर से जानबूझकर लापरवाही बरती गई, यह सवाल अब उठ रहा है।

फॉरवर्ड ब्लॉक की टीम ने डीसी को दिया स्मार पत्र

● फोर लेन सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल, पानी छिड़काव की भी मांग की

गिरिडीह, प्रतिनिधि। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने गिरिडीह के उपायुक्त के नाम एक स्मार पत्र देकर, विगत 8 अप्रैल को दिए गए ज्ञापन की मांगों के मद्देनजर गिरिडीह- पचंबा फोर लेन सड़क निर्माण गुणवत्तापूर्ण कराने की मांग की। साथ ही, जिन इलाकों में अभी निर्माण शुरू नहीं हो सका है, वहां प्रदूषण रोकने के लिए पर्याप्त पानी छिड़काव कराने की भी मांग की, जिसकी फिलहाल अनदेखी की जा रही है। समार पत्र देने वालों में श्री यादव के साथ मनोज यादव, चंदन कुमार तथा महेंद्र चौधरी भी थे। इस बाबत श्री यादव ने बताया कि, पार्टी के चरणबद्ध आंदोलन के उपरांत 8 अप्रैल को डीसी को ज्ञापन देने के दो दिनों के भीतर सड़क निर्माण का रुका हुआ कार्य दोबारा प्रारंभ हुआ, जिससे एक हद तक लोगों को राहत भी मिली है। लेकिन जिस एरिया में अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है, वहां सीमेंट युक्त धूल और प्रदूषण की कहर पहले की ही तरह है। फॉरवर्ड ब्लॉक नेता ने कहा कि, इस बहुप्रतीक्षित सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण भी जरूरी है। लेकिन स्थानीय लोग बता रहे हैं कि, इसके निर्माण की गुणवत्ता अपेक्षित नहीं है। निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री और मात्रा दोनों ही कमतर है। इसकी जांच जरूरी है। डिवाइडर बनाने में भी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। संवेदक की लापरवाही से एक मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गया था, उसका क्या हुआ यह भी संज्ञान लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि, ऐसा लगता है सड़क निर्माण के नाम पर संवेदक द्वारा मनमानी की जा रही है। इसलिए इस पर अंकुश लगाकर सही तरीके से निर्माण जरूरी है, अन्यथा लोगों को बेहतर सड़क नहीं मिल पाएगी। श्री यादव ने जिला प्रशासन से गंभीरतापूर्वक इसका संज्ञान लेने की मांग की, अन्यथा इसे लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों को भी आवेदन आवेदन देने की बात कही।

अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

संवादाता चरही
मंगलवार की रात नोनियाबेड़ा के समीप बोकारो नदी से अवैध कोयला खनन कर डिपो ले जा रहा ट्रैक्टर पलट गया, जिसके नीचे दबकर चालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चरही पुलिस ने मृतक की पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद मृतक की लाश परिजनों को सौंप दिया जाएगा। रामगढ़ जिला के मांडू निवासी बुनी नायक के नोनियाबेड़ा स्थित बोकारो नदी पर चल रहा अवैध माइंस से कोयला लादकर ट्रैक्टर चलाकर कोयला डिपो जा रहा था। तभी खराब सड़क होने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गया। जिसके कारण अनियंत्रित ट्रैक्टर उक्त स्थल पर पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की मौत हो गई। मृतक ट्रैक्टर चलाकर अपनी आजीविका चला रहा था। मृतक के परिजनों मे कोहराम मचा है। अवैध उत्खनन से कई लोगों की जान भी जा चुकी। बीते रविवार को चरही पुलिस, सीसीएल सुरक्षा प्रहरी एवं वनकर्मियों के संयुक्त टीम के उक्त स्थल पर छापेमारी करने पहुंची परंतु लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा।

नगर विकास एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार पँहुचे जमुआ प्रखंड कार्यालय

मंत्री के आश्वासन के बाद झारखंड यूथ फोर्स का धरना समाप्त

जमुआ, प्रतिनिधि। झारखंड सरकार के नगर विकास एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू मंगलवार को जमुआ प्रखंड कार्यालय पँहुचे। मंत्री ने यहां प्रखंड कार्यालय के समक्ष बीते 37 दिनों से विभिन्न मांगों के समर्थन में धरना दे रहे झारखंड यूथ फोर्स के कार्यकर्ताओं से मिले। मंत्री ने धरनार्थियों को आश्वस्त किया कि 10 मई के अंदर उनकी सभी जायज मांगे मान ली जाएंगी। मौके पर उपस्थित जिला आपूर्ति पदाधिकारी को मंत्री ने निर्देश दिया कि जबतक सभी डीलरों

के पास डोर स्टेप डिलीवरी के माध्यम से राशन नहीं पँहुच जाता है तक ई पॉश मशीन को नहीं खोला जाय। सभी कार्डधारकों को 30 तारीख के अंदर राशन दे दिया जाय। मदन मोहन सिंह को पुनः जमुआ का प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी बनाने पर भी मंत्री ने अपनी सहमती दी। मंत्री ने कहा कि प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक बसंत हाजरा के संज्ञान में खाद्य आपूर्ति को लेकर जो भी शिकायत आएगी उस पर त्वरित कार्यवाही किया जाएगा। डीलरों को सरकारी कांटा सेवजन कर राशन देने पर भी वार्ता में सहमति बनी। गोदाम में जो अनाज सही सलामत है उसका वितरण किया जाय और जो अनाज खराब हो गया है उसे नष्ट कर दिया जाय। जल नल योजना को शत प्रतिशत धरातल पर उतारने पर भी मंत्री ने सम्बंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिया। गोविंद पुरा में संचालित माइंस की जांच कराने का आश्वासन मंत्री ने धरनार्थियों को दिया। इस दौरान एसडीएम अनिमेष रंजन, बीडीओ अमल जी, सीओ संजय पांडेय, यूथ फोर्स के नेता गौतम सागर राणा, झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह, झामुमो नेता शिवम श्रीवास्तव उर्फ शिवम आजाद, झामुमो नेता विशाल मंडल, प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव, कांग्रेस पूर्व जिला अध्यक्ष नरेश वर्मा, कांग्रेस नेता सच्चिदानंद सिंह, बैजू यादव,रंजीत मंडल, रामानंद सिंह, सुरेश राय, जमुआ के पूर्व विधायक केदार हाजरा, चीना खान, प्रखंड अध्यक्ष निजामुद्दीन, मो बेलालुद्दीन, शैलेश सिंह, जे के एल एम की महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता सिंह, भाजपा के राजेंद्र पंडित, सुनील राय, जेएमएम के दिनेश मंडल, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत राम, मो गफूर, मनोज दास समेत कई अन्य उपस्थित थे।

बाल आयोग ने किया आंगनबाड़ी और कस्तूरबा गांधी विद्यालय का निरीक्षण

स्वस्थ और शिक्षित होंगे बच्चे तो झारखंड बनेगा उन्नतः रुचि कुजूर

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिला के दो दिवसीय दौरे में झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य रुचि कुजूर, आभा वीरेंद्र अकिंचन ने गांडेय प्रखंड के ग्राम मोहनडीह दो आंगनबाड़ी का निरीक्षण किया सदस्य रुचि कुजूर और आभा वीरेंद्र ने आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण में बच्चों को मिल रही सुविधाओं का समीक्षा किया बच्चों की उपस्थिति बच्चों को मिल रहे भोजन,यूनिफॉर्म और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया, सदस्यों ने बनी हुई भोजन काश भी स्वाद और गुणवत्ता को परीक्षण किया। मोहनडीह के दोनों आंगनबाड़ी केंद्र में पीने का पानी और बिजली की समस्या देखी गई इस विषय पर स्थानीय बीडीओ निषत अंजुम से बात कर जल्द से

जल्द समस्या दूर करने के बाल आयोग के सदस्यों ने पहल किया। बी डी ओ ने भी आश्वासन दिया कि पानी और बिजली की समस्या तुरंत दूर किया जाएगा। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी जीतू कुमार महिला पर्यवेक्षिका किरण कुमारी आंगनबाड़ी की सहायिका, सेविका और ग्रामीण भी उपस्थित थे। बाल आयोग के सदस्यों ने स्थानीय ग्रामीणों से बात कर उनकी समस्याओं का भी जायजा लिया। तत्पश्चात कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय गांडेय, गिरिडीह का निरीक्षण किया। बाल आयोग के सदस्य रुचि कुजूर और आभा वीरेंद्र ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्राओं से उनके पठन-पाठन संबंधित जानकारी लिया उनके पढ़ने की गुणवत्ता की जांच की, छात्राओं के कोर्स से संबंधित प्रश्न कर उनकी बौद्धिक क्षमता को देखने की कोशिश किया कस्तूरबा विद्यालय के कस्तूरबा विद्यालय के छात्रावास और भोजनालय भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया, बच्चों के भजन और छात्रावास में रहने सोने की व्यवस्था को और दुरुस्त करने का दिशा निर्देश दिया,विद्यालय के कार्यालय मे उपस्थिति पंजी सामग्री पंजी, शिक्षक डीटीपी इत्यादि का भी निरीक्षण किया, विद्यालय के क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल को भी अविलम्ब मरम्मत करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर डीसीपीओ जीतू कुमार, महिला पर्यवेक्षिका किरण कुमारी, कस्तूरबा विद्यालय की शिक्षक शिक्षिका गण उपस्थित थे।

खासिया कुंजी मुख्य सड़क मार्ग में तेल टैंकर तथा हाईवे के बीच हुई टक्कर तेल टैंकर पलटा सैकड़ो लोगों ने टीन बाल्टी पर तेल लूटने की लगी होड़

रामगढ़/रामजी साह।
दुमका भागलपुर सड़क मार्ग के रामगढ़ प्रखंड के खासिया और कुजी के बीच मंगलवार को हाईवा ट्रक और तेल टैंकर के बीच सीधी टक्कर पर तेल टैंकर सड़क के किनारे पलट गई और देखते-देखते आसपास दर्जनों गांवो की सैकड़ो महिला पुरुष और बच्चे तीन बाल्टी धडा लेकर तेल लूटने की होड़ लग गई यहां बता दें कि तेल टैंकर कोलकाता से नेपाल जा रहा था ज्ञात हो की 1 साल के अंदर खसिया और धावाटांड बीच चार बार तेल का टैंकर पलट चुका है वहीं सूचना पर हंसडीहा पुलिस मौके पर पहुंचकर तेल टैंकर को जप्त कर लिया है पुलिस को देखकर तेल लूटने वाले लोग भाग खड़े हुए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा गिरिडीह के इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा गिरिडीह के इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी और सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत या विस्पुते, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप तथा जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। टूर्नामेंट के दौरान, जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी और संदेश भी दिए गए। यह सुनिश्चित किया गया कि बच्चे और उनके परिवार भी इस महत्वपूर्ण अभियान

के बारे में जान सकें और इसमें भाग ले सकें। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ताकि बेटियों के शिक्षा और सशक्तिकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाया जाय। इस प्रकार की प्रतियोगिता होने से बच्चों में एक नई जागृति मिलती है। चाहे कला क्षेत्र में हो कल्चर या स्पोर्ट्स के क्षेत्र में हो विभाग के द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि बच्चे खेलकूद और कला, संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़े और राज्य ही नहीं देश व विदेशों में अपनी प्रतिभाओं को दिखाए सम्मान व पुरुस्कार प्राप्त करे। उन्होंने जिले के खेल अवसंरचना को गिनाते हुए बच्चों से खेल में रुचि लेने की अपील किये। यह टूर्नामेंट बच्चों को खेल के माध्यम से शिक्षा के महत्व के बारे में सिखाने और लड़कियों को सशक्त बनाने में मदद करेगा।

मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के तहत आयोजित इस टूर्नामेंट में, विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, यह प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों को खेल के प्रति आकर्षित करेगा, बल्कि उन्हें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में भी जागरूक करेंगी। यह टूर्नामेंट बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देने और बेटियों के लिए शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में मदद करेगा। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय व तृतीय विजेताओं को शील्ड और बैडमिंटन देकर पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम स्थान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बगोदर की छात्रा मधु कुमारी और द्वितीय स्थान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जमुआ की छात्रा सोनाली कुमारी तथा तृतीय स्थान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गांवा की छात्रा प्रिया कुमारी को दिया गया। इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटियों के उत्थान के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार के सौजन्य से संचालित किए जा रहे हैं। जिसके माध्यम से छात्राओं की सुरक्षा, संरक्षा एवं सशक्तिकरण का ध्यान रखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं यथा- वन स्टॉप सेंटर, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में छात्राओं को विस्तृत रूप से बताया गया। मौके पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी एवं अन्य के खिलाफ मामले में छह करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा और कुछ अन्य के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत करीब छह करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत गुजरात के भुज और कच्छ में भूखंडों को कुर्क करने का अंतरिम आदेश 25 अप्रैल को जारी किया गया।
धनशोधन का यह मामला गुजरात पुलिस की अपराध शाखा (भुज) की प्राथमिकी पर आधारित है। अपराध शाखा ने शर्मा और संजय शाह नामक व्यक्ति तथा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी।
ईडी ने आरोप लगाया है कि भुज का जिलाधिकारी रहने के दौरान अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शर्मा ने राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से धोखाधड़ी की और अवैध ढंग से बेशकीमती सरकारी जमीन आवंटित की। ईडी ने कहा है कि शर्मा ने विभिन्न सरकारी प्रस्तावों की अवहेलना करते हुए शाह को अवैध रूप से भूमि आवंटित की, जिससे गुजरात सरकार को अनुचित नुकसान हुआ।
बाद में शाह ने इस जमीन को रिहायशी भूखंड के तौर पर विकसित किया और इस अपराध से पैसे कमाए। ईडी के मुताबिक, जब्त की गई संपत्ति की कीमत 5.92 करोड़ रुपये है।

पहलगाम हमला: केंद्रीय गृह सचिव ने उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें तीन अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण माहौल के बीच आयोजित की गई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर सैलानी थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी, राष्टीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक ब्रिघु श्रीनिवासन और असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा शामिल हुए।
बैठक में सशस्त्र सीमा बल की अतिरिक्त महानिदेशक अनुपमा नीलेकर चंद्रा भी उपस्थित थीं। बैठक में क्या बातचीत हुई, यह तत्काल पता नहीं चल सका। बीएसएफ पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की अंतरराष्टीय सीमाओं की रक्षा करती है। एसएसबी नेपाल और भूटान के साथ लगती सरहद की रखवाली करती है। असम राइफल्स म्यांमा के साथ लगने वाली सीमा की रक्षा करती है। एनएसजी एक कमांडो बल है जो आतंकवाद विरोधी अभियानों में विशेषज्ञता रखता है। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने का फैसला किया और साथ ही कहा कि पाकिस्तान ने इसकी शर्तों का उल्लंघन किया है।

कांग्रेस संसद के विशेष सत्र की मांग करने से पहले अपने संगठन पर ध्यान दे: शिवसेना

नई दिल्ली। शिवसेना ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए विवादास्पद विचारों को लेकर विपक्षी पार्टी से मंगलवार को कहा कि वह संसद के विशेष सत्र की मांग करने से पहले अपने संगठन की ओर ध्यान दे और उसमें सुधार करे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी पार्टी शिवसेना के संसदीय दल के अध्यक्ष श्रीकांत शिंदे ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे तत्काल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का सत्र बुलाकर अपने वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए 'बेहद आपत्तिजनक' बयानों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन वक्तव्यों में पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के बयानों पर सवाल उठाना और पाकिस्तान के विमर्श को दोहराना शामिल है।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में देश भर के कांग्रेस के प्रतिनिधि होते हैं, जिनमें इसके वरिष्ठतम पदाधिकारी भी शामिल हैं।
शिंदे ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी आर बी तिम्मापुर, महाराष्ट के नेता विजय वडेट्टीवार और जम्मू-कश्मीर के सैफुद्दीन सोज और तारिक हमीद कर्रा सहित कांग्रेस के कई नेताओं का नाम लिया।
सोज और कर्रा दोनों ने पाकिस्तान के साथ सुलह करने का सुझाव दिया, जबकि कुछ अन्य ने जीवित बचे लोगों के इन बयानों पर सवाल उठाया जिनमें कहा गया था कि आतंकवादियों ने पीड़ितों का धर्म पूछा था।शिंदे ने कहा, 'यहां तक कि रॉबर्ट वाद्रा की यह टिप्पणी कि आतंकवादी भारत में मुसलमानों के साथ कथित दुर्व्यवहार पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं, राष्ट्रीय संवेदनशीलता और नैतिक जिम्मेदारी की हर सीमा को लांघती है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी को देश को जवाब देना चाहिए। क्या वह आतंकवाद के पीड़ितों के साथ खड़ी है या आतंकवादियों के लिए बहाने बनाने वालों के साथ? इस पाखंड को छुपाया नहीं जा सकता।' शिंदे ने कहा कि भारत को आतंकवाद के खिलाफ मजबूत और एकजुट राजनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत है, न कि खंडित और तुष्टीकरण से प्रेरित विमर्श की। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस इस पर स्पष्ट नैतिक रुख नहीं अपना सकती है, तो उसे किसी और से जवाबदेही की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा करने और सामूहिक संकल्प प्रदर्शित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

कुएं को लेकर विवाद-न्यायालय ने संभल मस्जिद कमेटी को वस्तु स्थिति रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने संभल मस्जिद कमेटी को उस वस्तु स्थिति रिपोर्ट पर जवाब देने के लिए मंगलवार को दो हफ्ते का वक्त दिया, जिसमें कहा गया है कि विवादित कुआं मुगलकालीन जामा मस्जिद से ''पूरी तरह से बाहर'' है। शीर्ष अदालत ने 10 जनवरी को संभल के जिलाधिकारी को मस्जिद के प्रवेश द्वार के पास स्थित एक ''निजी'' कुएं का जीर्णोद्धार करने या वहां धार्मिक रस्म अदायगी की अनुमति देने के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। संभल की शाही जामा मस्जिद की प्रबंधन समिति की याचिका पर विचार करते हुए, पीठ ने केंद्र, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक, संभल के जिलाधिकारी और हरि शंकर जैन के नेतृत्व में अन्य निजी हिंदू पक्ष के वादियों को नोटिस जारी किए।
मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ को उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य प्राधिकारियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने बताया कि कुआं पुलिस चौकी के ठीक आगे मस्जिद से ''पूरी तरह बाहर'' स्थित है। पीठ ने मस्जिद कमेटी को अधिकारियों की वस्तु स्थिति रिपोर्ट पर दो सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मस्जिद कमेटी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने इस आधार पर तीन सप्ताह का समय मांगा कि मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष जफर अली जेल में हैं। अली को मुगलकालीन मस्जिद के न्यायालय द्वारा निर्देशित सर्वेक्षण के विरोध में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के संबंध में पूछताछ के बाद 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

सीसीएल की पहल से बचड़ा टाउनशिप को मिली नई जीवनधारा

संवाददाता द्वारा
बचरा (पिपरवार)। पिपरवार क्षेत्र का पुराना जल शोधन संयंत्र अब नई ऊर्जा और तकनीकी मजबूती के साथ फिर से सक्रिय हो गया है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के नेतृत्व में इस संयंत्र का व्यापक नवीनीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। 0.75 मिलियन गैलन प्रतिदिन (MGD) की क्षमता वाला यह संयंत्र 1992 में चालू किया गया था और तब से पहली बार इसका इतने व्यापक स्तर पर पुनरुद्धार हुआ है।

यह संयंत्र बचरा टाउनशिप के लिए जीवनरेखा है, जो 2000 से अधिक परिवारों और क्षेत्रीय अस्पताल, डीएवी स्कूल, पुलिस स्टेशन जैसे अति आवश्यक संस्थानों को पेयजल उपलब्ध कराता है।
इस महत्वाकांक्षी परियोजना का नेतृत्व सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री एन.के. सिंह और निदेशक (मानव संसाधन) श्री एच.एन. मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। श्री सिंह ने कंपनी के मूलभूत सिद्धांतों को दोहराते हुए कहा कि, स्वच्छ जल की आपूर्ति कर्मचारियों और उनके परिवारों का मौलिक अधिकार है और सीसीएल इसके लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। निदेशक (मानव संसाधन) श्री मिश्रा ने इसे मानव संसाधन कल्याण की दृष्टि से एक ऐतिहासिक कदम बताया।
संयंत्र के नवीनीकरण की ज़िम्मेदारी प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम मेकॉन (MECON) को सौंपी गई, जिसने पुराने और क्षतिग्रस्त फिल्टर बेड, एरेटर, क्लैरिफ्लोक्युलेटर और पंपों का कायाकल्प किया। इसके साथ ही जल प्रवाह और शुद्धिकरण प्रणाली को नए सिरे से डिजाइन किया गया ताकि संयंत्र अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सके।
29 अप्रैल को संयंत्र को फिर से चालू किया गया, जिसके बाद एरिया कंसल्टेटिव कमेटी (ACC) और एरिया वेलफेयर कमेटी (AWC) के सदस्यों ने इसका दौरा किया। उन्होंने संयंत्र के कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया और सुझाव भी दिए। उपस्थित जनसमूह में कर्मचारियों से लेकर यूनियन प्रतिनिधि और कल्याण बोर्ड के सदस्य तक शामिल रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।
महाप्रबंधक (पिपरवार) श्री संजीव कुमार ने मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि,
सीसीएल न केवल शुद्ध पेयजल के आपूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है, बल्कि वितरण तंत्र–विशेषकर पाइपलाइनों–की हालत को सुधारने के लिए भी कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है कि नल तक स्वच्छ और निरंतर जल पहुंचे। सीसीएल पूरे कोलफील्ड क्षेत्र में 10 पुराने जल शोधन संयंत्रों का नवीनीकरण और 6 नए संयंत्रों की स्थापना का कार्य भी कर रही है। यह कदम न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से भी ऐतिहासिक है।
इस अवसर पर महाप्रबंधक (कल्याण एवं सेवाएं) श्री राजेश मोहन एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि एवं कल्याण बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। उपस्थित कर्मचारियों और समुदाय के लोगों ने संयंत्र के पुनरुद्धार पर प्रसन्नता व्यक्त की। लंबे समय बाद उन्हें जल आपूर्ति की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार महसूस हो रहा है, जिससे उनका सीसीएल के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है। यह पहल कर्मचारियों, उनके परिवारों एवं स्थानीय समुदाय के जीवन-स्तर को ऊँचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

तीन दिन पूर्व लापता युवक की पहाड़ की चोटी पर मिला शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

धारदार हथियार से गला रेतकर की गई थी निर्मम हत्या, पुलिस कर रही जांच

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
सोमवार को फुल्लीडुमर प्रखंड के सादपुर पंचायत अंतर्गत झरना पहाड़ी की चोटी पर धारदार हथियार से एक 16 वर्षीय युवक की हत्या करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। वहीं किसी लकड़हारे ने सोमवार की सुबह झरना कुण्ड के उत्तर पहाड़ की चोटी पर धारदार हथियार से गला रेता हुआ एक युवक का शव देखा। जिसकी सूचना आसपास के गांवों में आग की तरफ फैल गई और शव को देखने आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। झाड़ी में जिन युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या की गई उसकी पहचान बांका थाना क्षेत्र के विजयनगर गांव निवासी स्वर्गीय नंदलाल दास के 16 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार के रूप में हुई है। हत्या की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस पदाधिकारी से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की माता सरिता देवी द्वारा तीन दिन पूर्व बांका थाने में मृत युवक अंशु कुमार की गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। घटनास्थल पर पहुंची अमरपुर एवं बांका थाना की पुलिस शव को कब्जे में लेकर वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर रही है वहीं।

घटनास्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने को लेकर भागलपुर के एफएसएल की टीम भी पहुंची थी। घटनास्थल पर पुलिस द्वारा खोजी कुत्ते की मदद से भी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद मृतक के चाचा मनोहर दास एवं उनके जीजा सादपुर पंजवारा निवासी गुरचरण दास ने शव की पहचान करते हुए बताया कि अंशु कुमार की गला रेतकर निर्मम हत्या कर शव को छुपाने के लिए जंगल की झाड़ी में फेंक दिया गया होगा। वही घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारीयों ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। जिनके नाम पुलिस द्वारा बाबू टोला निवासी राहुल कुमार, बंटी यादव एवं एक अन्य लोगों का नाम बताया गया। वहीं वहीं घटना के बारे में ग्रामीणों में यह चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या की गई होगी। वहीं पुलिस सभी बिंदुओं में को ध्यान में रखते हुए बारीकी से घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। वहीं पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बांका भेज दिया गया। वहीं पुलिस द्वारा यह कहीं जा रही है की घटना की जांच की जा रही है जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उसपर कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा।

महाप्रबंधक ने विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज 29.04.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की गयी । इस बैठक में पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान रेलवे ट्रैक के रख-रखाव को प्राथमिकता देने तथा एसेट्स फेल्योर में कमी लाने पर चर्चा की गयी । महाप्रबंधक ने सभी मंडलों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाने, विशेष संरक्षा ड्राईव चलाने तथा रेलवे ट्रैक पर कैटल रन ओवर/मैन रन ओवर को रोकने हेतु जनजगारूकता अभियान चलाने हेतु सभी मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान माल लदान एवं आय बढ़ाने हेतु उठाये जा रहे कदमों पर विस्तृत चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने आरओबी/आरयूबी तथा स्टेशन पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

पहलगाम हमला नही मानवता के लिए एक घाव अल्का मिश्रा पटना बिहार

संवाददाता श्रीकान्त यादव
पहलगाम में क्या हुआ, कश्मीर ने हम सभी को दिल तोड़ दिया है। यह सिर्फ एक हमला नहीं था - यह मानवता के लिए एक घाव था। एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड पटना बिहार में हम मानते हैं कि क्या ये ठीक है, भले ही यह चुपचाप किया गया हो। पर आज, हमारी सभी शाखाओं में, प्रत्येक टीम के सदस्य ने न केवल एक प्रतीक के रूप में, बल्कि न्याय, शांति और उपचार के लिए एक मूक प्रार्थना के रूप में एक काला बैंड पहना था।
अलका मिश्रा सहायक उपाध्यक्ष
एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
पटना बिहार
हमारे पास तेज आवाज नहीं हो सकती है, लेकिन हमारे पास ऐसे दिल हैं जो गहराई से महसूस करते हैं। और आज, हम उन परिवारों के साथ शोक मनाते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। यह व्यवसाय के बारे में नहीं है। यह मानव होने के बारे में है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने फरीदाबाद में मेगा एमएसएमई और सीएएसए कैंप का किया आयोजन

फरीदाबाद, (आरएनएस)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने रविवार को होटल रैडिसन ब्लू, फरीदाबाद में मेगा एमएसएमई और सीएएसए आउटरीच कैंप का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ बेहतर जुड़ाव बनाना और चालू खाता व बचत खाता जैसी बैंकिंग सेवाओं को स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों तक पहुंचाना था। इस कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उद्योग क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। मुख्य अतिथियों में श्री बिजू वासुदेवन, मुख्य महाप्रबंधक (लार्ज कॉर्पोरेट वर्टिकल), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई; संजय नारायण, मुख्य महाप्रबंधक, दिल्ली ज़ोन; और सुखदेव सिंह,

अध्यक्ष, मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएट्स ऑफ फरीदाबाद शामिल थे। बिजू वासुदेवन ने अपने संबोधन में कहा कि यूनियन बैंक छोटे व्यवसायों और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाना चाहता है। उन्होंने लोगों से बैंक के सीएएसए उत्पादों का अधिक लाभ उठाने की अपील की और बताया कि ऐसे कैंप्स से बैंक अधिक लोगों तक पहुंच बना सकता है। सुखदेव सिंह ने स्थानीय उद्योगों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया और यूनियन बैंक द्वारा उद्योगों को दिए जा रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बैंक और उद्योग क्षेत्र के बीच लगातार सहयोग बना रहना चाहिए ताकि व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। संजय नारायण ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहक और बैंक के बीच संवाद बेहद ज़रूरी है। इससे न केवल ग्राहकों की ज़रूरतों को समझा जा सकता है, बल्कि सेवाओं में सुधार लाने में भी मदद मिलती है। कैंप के दौरान बैंक ने विभिन्न जानकारी केंद्र भी लगाए गए थे, जहाँ ग्राहकों को ऋण योजनाओं, खाता सेवाओं, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जरूरी दस्तावेजों से संबंधित जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम बैंक और ग्राहकों के बीच सीधे संपर्क का एक उपयोगी माध्यम बना। यह आउटरीच कैंप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ऐसी पहलों का हिस्सा है, जिनका मकसद क्षेत्रीय स्तर पर बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना और अधिक से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना है।

मध्य प्रदेश सरकार ने तबादला नीति को दी मंजूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को कर्मचारियों के हित में एक बड़ा फैसला हुआ। कैबिनेट ने तबादला नीति को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही विभागवार तबादला नीति बनाई जा सकेगी। राज्य कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक पर सभी की नजर थी, क्योंकि पिछली बैठक के समय मुख्यमंत्री ने यह संकेत दिए थे कि तबादला नीति अगली बैठक में आएगी और एक से 30 मई तक

कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादले होंगे। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बैठक में तबादला नीति को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही विभाग अपनी अलग तबादला नीति बना सकेंगे और स्वैच्छिक तबादले भी हो सकेंगे। कैबिनेट की बैठक में तबादला नीति को मंजूरी देते हुए यह भी तय किया गया है कि मंत्री और प्रभारी मंत्री तबादले कर सकेंगे। कर्मचारियों की संख्या के आधार पर तबादलों का प्रतिशत भी तय किया गया है।

ईडी ने गोवा में जमीन हथियाने से जुडे पीएमएलए मामले में और 193 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने गोवा में ''जमीन हड़पने''के एक मामले में धनशोधन जांच के तहत 193 करोड़ रुपये की नई संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में धोखेबाजों ने मृत व्यक्तियों के नाम पर ''जाली'' दस्तावेज बनाकर महंगे भूखंड बेचे थे। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कलंगुट, अस्सागाओ, अंजुना, नेरुल और पारा क्षेत्रों समेत बारदेज़ तालुका में 24 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अंतरिम आदेश 25 अप्रैल को जारी किया गया ।

असम में कामरूप जिला विकास समिति की बैठक हुई सम्पन्न

पंकज नाथ
आदिवासी एक्सप्रेस, असम
असम के कामरूप जिले की विकास समिति की बैठक आज जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में अमीनगांव में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित किया गया था । आज की बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, अमृत सरोवर आदि

योजनाएं, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग विभाग, कृषि विभाग के पीएम किसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि योजनाओं के साथ-साथ शिक्षा, मत्स्य, पशुपालन और पशु चिकित्सा, जल संसाधन, लोक निर्माण (आवास और सड़कें), स्वास्थ्य, समाज कल्याण, वन, हथकरघा और वस्त्र आदि जैसे विभिन्न विभागों के तहत चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाती है। बैठक में आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदान केंद्रों में पानी, बिजली, शौचालय, फर्नीचर, सड़क व्यवस्था आदि न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता पर भी विस्तार से चर्चा की गई और जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने संबंधित विभागों को प्रत्येक मतदान केंद्र पर ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिला आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को तैयार रखने के भी निर्देश दिए ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर मतदान के लिए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें। उन्होंने जल संसाधन, लोक निर्माण (सड़क) जैसे विभागों को बाढ़ की संभावित स्थिति के मद्देनजर मथौरी और सड़कों को बाढ़ से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। बैठक में कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, कामरूप जिले के जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता और विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिपः डिंग बाहर, सि जियाहुई ने क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

डिंग जुन्हुई का सपना फिर अधूराः 38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को 10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी।

सि जियाहुई ने फिर दिखाया दमःदूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वर्ल्ड नंबर-13 सि अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सात बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के रॉनी ओ'सुलिवन से भिड़ेंगे। ओ'सुलिवन ने चीन के पांग जूनशू को 13-4 से हराया।

ग्रांड चेस टूर पोलैंड रैपिडः चिथंबरम और प्रज्ञानानंद ने तीसरे दिन चमक बिखेरी

नई दिल्ली। पोलैंड में जारी ग्रांड चेस टूरः सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तीसरे दिन भारत के अरविंद चिथंबरम और आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन किया। अरविंद चिथंबरम ने दूसरे दिन की शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए आज सातवें और नौवें राउंड में जान-क्रिज़टोफ़ डूडा और अलीरेज़ा फिरोजजा को हराया। इस जीत के साथ वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं। चिथंबरम ने अब तक चार मुकाबले जीते हैं, हालांकि दो मुकाबलों में उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा है। वहीं प्रज्ञानानंद ने दूसरे दिन के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए डेविड गव्रिलेस्कु और डूडा के खिलाफ लगातार दो जीत दर्ज कीं। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है। खास बात यह रही कि तेज चालों वाले मुकाबलों में उनकी सटीकता ने उन्हें बढ़त दिलाई।

फेडोसीव शीर्ष पर बरकरार

रूस के व्लादिमीर फेडोसीव अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते हैं, लेकिन उनकी पिछली छह बाजियाँ ड्रॉ रही हैं। दूसरी ओर, वेसलिन टोपालोव सबसे निचले पायदान पर हैं, जो अब तक छह हार के साथ केवल पांच अंक ही जुटा सके हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ किस्मत बदलने की कोशिश करेगी सीएसके

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी।

तेंदुलकर से लेकर युवराज तक, दिग्गज क्रिकेटरों ने वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी की तारीफ की

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों ने 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए इस विलक्षण बालक को एक उभरता हुआ सितारा बताया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सूर्यवंशी ने सोमवार की रात जयपुर में खेले गए आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के राशिद खान को मिडविकेट पर छक्का लगाकर टी20 में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी बनने के बाद क्रिकेट जगत को अपना दीवाना बना दिया। भारत की तरफ से 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेंदुलकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति, लेंथ का जल्दी अनुमान लगाना और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे। बहुत अच्छी पारी खेली।' सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शतक जड़कर राजस्थान रॉयल्स के पूर्व बल्लेबाज यूसुफ पठान के किसी भारतीय के टी20 में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

आगे बढ़ने और आगामी मुकाबलों पर ध्यान देने की जरूरत : हर्षित राणा

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले से पहले टीम के दोबारा जीत की राह पर लौटने का विश्वास जताया है। मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राणा ने हालिया हार को भुलाकर भविष्य की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। हर्षित राणा ने कहा, जितना हम अपने पिछले दो मुकाबलों के परिणामों को पीछे छोड़ेंगे, हमारे लिए उतना ही बेहतर रहेगा। अगर हम उन हारों को लेकर ज्यादा सोचेंगे तो टीम का मनोबल प्रभावित हो सकता है। हमें अब आगे के सभी मैच जीतने का लक्ष्य रखना है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की सतह को लेकर राणा ने कहा, यहां आमतौर पर उछाल कम होता है। पिछली भिड़ंत में भी देखने को मिला कि गेंद धीमी हो रही थी और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के

गेंदबाजों ने इसका लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि सफल होने के लिए ज़रूरी है कि टीम जल्द से जल्द खेल क्षेत्र की प्रकृति को समझे और उसी के अनुसार रणनीति बनाए। हर्षित ने कोलकाता के भारतीय गेंदबाज़ी दल की तारीफ करते हुए कहा, हमारा भारतीय गेंदबाज़ी दल बेहद मजबूत है। किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी गेंदबाज़ी काफी प्रभावी रही है। अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा कि वे इस सत्र में और बेहतर करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, रिवर्स स्विंग अब बहुत अहम हो गया है। इसके अलावा, अब हम फिर से गेंद पर लार (सलाइवा) का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अंतिम ओवरों में गेंदबाज़ी करना आसान हुआ है। टीम के सहयोगी दल की सराहना करते हुए राणा ने विशेष रूप से सहायक प्रशिक्षक अभिषेक नायर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अभिषेक नायर क्रिकेट को गहराई से समझते हैं और भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता से भली-भांति परिचित हैं। उनकी मौजूदगी ने मेरे खेल में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक इस सत्र में नौ मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें तीन में जीत मिली है। उनका पिछला मुक़ाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा के कारण रद्द हो गया था। अब टीम दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है, जो नौ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद है।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भनाला व रघुनाथपुरा विद्यालय ने मारी बाजी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के वायुसेना स्टेशन स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के खो-खो, जूडो, ताइक्कांडो और शतरंज मुकाबलों में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय भनाला और रघुनाथपुरा ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिरसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-17 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय मानेसर तीसरे स्थान पर रहा।इस दौरान मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एन विश्वनाथ ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन में अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। सहायक आयुक्त भूपेश भट्ट ने हार-जीत को जीवन का हिस्सा बताते हुए छात्रों को हार के बाद भी निराश न होने और निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों को संगठन की ओर से मेडल और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जूडो अंडर-14 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गुरुग्राम की अंशिका व इसी स्कूल से अंडर-17 वर्ग में भूमिका ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शतरंज अंडर-14 वर्ग में एयरफोर्स स्टेशन गुरुग्राम की लक्षिता ने स्वर्ण पदक जीता, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पालुवास से नताशा ने रजत पदक और मानसवी ने कांस्य पदक हासिल किया।

आईपीएल 2025: 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का आया तूफान, बना डाले कई रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के नन्हे सितारे वैभव सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में आईपीएल रिकॉर्ड बुक्स को हिला कर रख दिया। 38 गेंदों पर धमाकेदार 101 रन बनाकर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। आइए डालते हैं एक नजर इस ऐतिहासिक पारी पर-

35 गेंदों में शतकः भारतीय बल्लेबाजों में सबसे तेज

वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में शतक पूरा कर आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। इससे पहले केवल क्रिस गेल (30 गेंद) ने 2013 में ऐसा कारनामा किया था। सूर्यवंशी ने युसुफ पठान (37 गेंद, 2010) का रिकॉर्ड तोड़कर सबसे तेज भारतीय आईपीएल शतक का नया इतिहास रच दिया।

तेजतर्रार आईपीएल शतकः

क्रिस गेल - 30 गेंद
वैभव सूर्यवंशी - 35 गेंद
युसुफ पठान - 37 गेंद

सबसे कम उम्र में टी20 और प्रोफेशनल क्रिकेट में शतक

सिर्फ आईपीएल ही नहीं, बल्कि पूरी प्रोफेशनल क्रिकेट में भी वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र (14 साल 32 दिन) में शतक लगाने वाले

खिलाड़ी बन गए। उन्होंने विजय झोल (18 साल 118 दिन) और पाकिस्तान के जहूर इलाही (15 साल 209 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सबसे युवा टी20 शतकवीरः

वैभव सूर्यवंशी - 14 साल 32 दिन
विजय झोल - 18 साल 118 दिन

रिकॉर्ड्स की झड़ीः फिफ्टी, सिक्सेस और साझेदारी

17 गेंदों में फिफ्टीः वैभव ने सिर्फ 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर किसी अनकैप्ड भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज पहली फिफ्टी का रिकॉर्ड भी बनाया।

11 छक्केः एक पारी में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने वाले भारतीयों में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। इससे पहले मुरली विजय ने 2010 में ऐसा कारनामा किया था।

166 रन की साझेदारीः यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर उन्होंने पहले विकेट के लिए 166 रन जोड़े, जो राजस्थान रॉयल्स के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई।

टीम रिकॉर्ड्स भी टूटे

राजस्थान रॉयल्स ने पावरप्ले (6 ओवर) में 87 रन बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर दर्ज किया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 200 से ज्यादा के लक्ष्य को 25 गेंद बाकी रहते चेज कर लिया जो आईपीएल में 200+ लक्ष्य के सबसे बड़े अंतर से चेज का रिकॉर्ड है।

वैभव सूयवंशी के शानदार शतक की मदद से राजस्थान ने गुजरात को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। आईपीएल 2025 के 47वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हराया है। गुजरात ने 4 विकेट खोकर 209 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के शानदार शतक की मदद से राजस्थान ने 16 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस की ओर से मिले 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल ने धमाकेदार शुरुआत की। युवा वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझादारी की। अच्छी पार्टनरशिप के अलावा यहां रनगति भी काफी तेज रही। दोनों ने मात्र 12 ओवर में यह साझेदारी बनाई। वैभव ने 35 गेंदों में शतक पूरा करते हुए 38 गेंदों में 11 छक्का और 7 चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेली। वैभव के अलावा, यशस्वी जायसवाल ने 40 गेंदों में 70 रनों की नाबाद पारी खेली। उनका भरपूर साथ कप्तान रियान पराग ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर दिया।गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी

करते हुए गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 209 रन बनाए। कप्?तान शुभमन गिल ने 50 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। वहीं जोस बटलर 26 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। साई सुदर्शन के बल्?ले से भी 39 रन निकले। वॉशिंगटन सुंदर ने 13 और राहुल तेवतिया ने 9 रन की पारी खेली। शाहरुख खान 5 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए महीश तीक्ष्णा ने दो विकेट चटकाए। जबकि जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

वाराणसी में जिला एवं राज्य स्तरीय कराटे पदक विजेताओं का सम्मान समारोह सम्पन्न

एजेंसी

वाराणसी। कानि नजुकु आर. बी. मार्शल आर्ट्स अकादमी के तत्वावधान में जिला एवं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवानपुर के पार्षद अमित सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी अमित राय ने की। दोनों अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर अपने संबोधन में समाजसेवी अमित राय ने कहा कि खेलों के माध्यम से आज देश के युवाओं में आत्मविश्वास और

मनोबल में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। खेल अनुशासन, समर्पण और मानसिक एवं शारीरिक विकास का माध्यम बनकर युवा पीढ़ी को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है और देश का युवा हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सम्मानित खिलाड़ियों में आर्याही सहगल, धैर्य बरनवाल, वेदांत मिश्रा, देवेंद्र राय, शिवेश शर्मा, आदर्श सिंह, सताक्षी, अक्षर मित्तल, अरनव राय और सूर्यांश सहगल शामिल रहे। साथ ही, कोच आदर्श सोनकर और अदिति सोनकर को भी उनके मार्गदर्शन और उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में खिलाड़ियों के अभिभावक प्रभाकर शर्मा, कनक मित्तल, प्रीति सहगल, गौरव सहगल समेत अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

टेनिस में विविधता बढ़ाने के लिए यूएसटीए और एटीए की नई पहल, ब्लैक खिलाड़ियों को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य टेनिस संघ (यूएसटीए) और अमेरिकन टेनिस एसोसिएशन (एटीए) ने टेनिस में विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की, जिसका मुख्य फोकस खेल में ब्लैक (अश्वेत) प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है।टेनिस को लंबे समय से एक श्वेत-प्रधान खेल के रूप में देखा जाता रहा है, और अब तक सिर्फ दो ब्लैक पुरुष खिलाड़ी – आर्थर ऐश और यानिक नोआ – ही किसी ग्रैंड स्लैम खिताब को जीत सके हैं। यहां तक कि शीर्ष स्तर पर भी अश्वेत खिलाड़ियों को भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। यूएसटीए की चीफ डाइवर्सिटी, इक्विटी एंड इंक्लूजन ऑफिसर, मारिसा ग्रिम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एटीए के साथ अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। एटीए ने ऐतिहासिक रूप से टेनिस को अधिक समावेशी और विविधतापूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एटीए की स्थापना 1916 में उस समय हुई थी जब यूएसटीए के पूर्ववर्ती संगठन, यूनाइटेड स्टेट्स लॉन टेनिस एसोसिएशन ने अश्वेत खिलाड़ियों को संगठित टूर्नामेंटों में श्वेत खिलाड़ियों के साथ खेलने से रोक दिया था।

आईपीएल सीजन : धर्मशाला में 900 पुलिस अधिकारी व जवान संभालेंगे सुरक्षा और ट्रैफिक का जिम्मा

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के दौरान करीब 900 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। मैचों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सहित शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए भी प्लान बनाया गया है। मैचों के दौरान पुलिस मैदान, फुटबॉल ग्राउंड व दाड़ी में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरे शहर को छह सेक्टर में बांटा गया है। पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक्शन प्लान तैयार कर लिया गया है। जिसमें टीमों के पंहुचने से पूर्व 30 अप्रैल को ही पुलिस जवानों की शहर के चप्पे-चप्पे में तैनाती कर दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के लिए पुलिस मैदान धर्मशाला, फुटबॉल ग्राउंड चरान व दाड़ी मेला ग्राउंड में पार्किंग

की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही वीवीआईपी पार्किंग साई मैदान में रहेगी, जबकि बॉयज स्कूल में मीडिया पार्किंग होगी। साथ ही आईपीएल मैचों वाले दिन चार, आठ व 11 मई के लिए शहर में ट्रैफिक प्लान भी बनाया गया है। जिसमें कॉलेज से स्टेडियम रोड़ व आईटीआई दाड़ी मार्ग में वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रखी जाएगी। जबकि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को वनवे में भी तबदील किया जाएगा। उधर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि मैचों के दौरान 900 के करीब जवानों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया गया है, जिसके तहत ही वाहनों की आवाजाही करवाई जाएगी। मैचों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था एक बड़ी चुनौती रहती है जिसे बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने के लिये योजना तैयार की गई है। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में इस सीजन के तीन आईपीएल मैच खेले जाने हैं। पंजाब किंग्स के होम ग्राउंड धर्मशाला में पंजाब चार मई को अपना पहला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ खेलेगा। वहीं आठ मई को पंजाब की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगी। यह दोनों मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होंगे। वहीं 11 मई को पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच दिन में साढ़े तीन बजे से मैच शुरू होगा।

फुटबॉलः डू लाइक स्पोटर्स क्लब ने एचपीएफए को हराया

धर्मशाला। शहीद मेजर दुर्गा मल और कैप्टन दल बहादुर फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन डू लाइक स्पोर्ट्स क्लब ने 4-0 के अंतर से एचपीएफए

को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में डू लाइक स्पोर्ट्स क्लब के जीवन ने लगातार तीन गोल करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शहीद मेजर दुर्गा मल और कैप्टन दल बहादुर फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन सेवानिवृत कर्नल महेश गुरंग ने बतौर मुख्यातिथि मैच का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजन समिति की पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से करवाई जा रही अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिताओं की हुई शुरुआत

एजेंसी

आरएस पुरा। युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई। आरएस पुरा के बाना सिंह मैदान में शुरू हुई इन खेल प्रतियोगिताओं के उद्घाटन के मौके पर एसडीएम आरएस पुरा अनुराधा ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिन्होंने खिलाड़ियों से भेंट करने के बाद इन खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत करवाई। इसके अलावा उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ उनके जीवन में खेलों के महत्व के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर उनके साथ जोनल फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर आरएस पुरा उमेशनंद के साथ-साथ युवा सेवा एवं खेल विभाग के अन्य अध्यापक भी मौजूद रहे। बताते चलें कि अंतर स्कूल प्रतियोगिता 28 अप्रैल से लेकर 7 मई तक चलेगी जिसमें क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, चेस, कुश्ती

के साथ-साथ अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी जिसमें जोन के अधीन आने वाले सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।इस मौके पर एसडीएम आरएस पुरा ने युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से करवाई जा रही इस खेल प्रतियोगिता को लेकर कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी खेलों की तरफ आगे आ सके। एसडीएम ने कहा कि खेल ही एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों तथा नौजवानों को नशा जैसी बूरी आदतों से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र है और जहां के विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं काफी महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर जोनल शिक्षा फिजिकल अधिकारी आरएस पुरा उमेश आनंद ने बताया कि अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी तथा चेस प्रतियोगिता हुई है और आने वाले दिनों में अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होगी।

हॉकी इंडिया ने पी.आर. श्रीजेश को पद्म भूषण सम्मान मिलने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और वर्तमान भारतीय जूनियर पुरुष टीम के कोच पी.आर. श्रीजेश को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के साथ श्रीजेश का नाम हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद के साथ जुड़ गया है। ध्यानचंद को 1956 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था, और लगभग सात दशकों बाद श्रीजेश ने भारतीय हॉकी में अपना अद्वितीय योगदान देकर इस गौरव को फिर से जीवित किया है। आधुनिक भारतीय हॉकी के भगवान के नाम से प्रसिद्ध श्रीजेश ने 18 वर्षों के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए 336 मैच खेले। उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक्स के बाद पेशेवर हॉकी को अलविदा कहा, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को ब्रॉन्ज मेडल जिताने में मदद की। इससे पहले टोक्यो 2020 में भी उन्होंने भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अपने करियर में श्रीजेश ने तीन बार एफआईएच 'गोलकीपर ऑफ द ईयर' (2021, 2022 और 2024) का पुरस्कार जीता, 2015 में अर्जुन पुरस्कार, 2021 में मेजर

ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' का खिताब भी अपने नाम किया। 2010 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने के बाद से वह भारतीय डिफेंस के मजबूत स्तंभ रहे, अपनी संयमितता और दबाव में शानदार प्रदर्शन के लिए पहचाने गए। खिलाड़ी से कोच की भूमिका में भी श्रीजेश ने सफलता का परचम लहराया। उनकी कोचिंग में भारतीय जूनियर टीम ने नवंबर 2024 में जूनियर एशिया कप का खिताब जीता। श्रीजेश ने चार ओलंपिक खेलों (लंदन 2012, रियो 2016, टोक्यो 2020 और पेरिस 2024), दो एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक (2014 और 2022), एक कांस्य पदक (2018) और दो कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक (2014 और 2022) हासिल किए। साथ ही, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की चार बार (2011, 2016, 2018 और 2023) जीत में भी उनका अहम योगदान रहा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर कहा, पी.आर. श्रीजेश का भारतीय हॉकी में योगदान अद्वितीय रहा है। खिलाड़ी और कोच दोनों रूपों में उन्होंने उत्कृष्टता और नेतृत्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। पद्म भूषण उनके प्रेरणादायक करियर के लिए एक उपयुक्त सम्मान है।

नायडू ने भारत में विमानन रखरखाव, मरम्मत गतिविधियों को बढ़ाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विदेशों में विमानों की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को देश में ही बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने एमआरओ क्षेत्र में नवाचार और बौद्धिक संपदा विकास की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) की ओर से आयोजित 'एविएशन होराइजन 2025' सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 भारतीय मरम्मत एवं रखरखाव इकाइयों की हिस्सेदारी केवल 14 फीसदी थी। इसको 2030 तक बढ़ाकर 50 फीसदी करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय मरम्मत एवं रखरखाव क्षेत्र में केवल श्रम-प्रधान कार्यों के बजाय बौद्धिक संपदा व नवाचारों के सृजन के प्रयास किए जाने चाहिए। के राममोहन नायडू ने अपने संबोधन में देश में रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है, जो बड़े पैमाने पर विदेशों में की जाती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2030 तक हवाई यात्रियों की संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे बनाए जाएंगे।

तैयार हो जाओ, भारत - स्मार्ट बाज़ार की फुल पैसा वसूल सेल आ गई

एजेंसी

नई दिल्ली।स्मार्ट बाज़ार का बहुप्रतीक्षित सेल इवेंट वापस आ गया है - और यह पहले से कहीं अधिक बड़ा, बोल्ड और बेहतर है! स्मार्ट बाजार फुल पैसा वसूल सेल 30 अप्रैल से 4 मई तक देश भर के स्टोरों पर चलेगी। देश भर में 930 से अधिक स्टोर्स के साथ स्मार्ट बाज़ार पूरे देश में धूम मचाने के लिए तैयार है! किराने का सामान, फैशन, घरेलू देखभाल, उपकरण, और भी बहुत कुछ - ऐसी खरीदारी के लिए तैयार हो जाइए जो अधिकतम बचत और संपूर्ण संतुष्टि का वादा करती है। तो, अपने कैलेंडर चिह्नित करें, अपनी खरीदारी सूची लाएँ, "हमारा नारा, पूरा पैसा वसूल करेगा इंडिया सारा!'रिलायंस रिटेल - वैल्यू फॉर्मेट के सीईओ दामोदर मॉल ने कहा: 'हम सभी को सेल इवेंट पसंद है और स्मार्ट बाज़ार की फुल पैसा वसूल सेल हर किसी के शॉपिंग कैलेंडर पर सबसे बड़ी सेल में से एक है। इस साल, हमारे अनुभवी खरीदारों को पाँच अविस्मरणीय दिनों में कुछ अविश्वसनीय रूप से बड़े ऑफ़र मिलेंगे। हमारा उद्देश्य सरल है, हर खरीदार अधिक मूल्य, बड़ी बचत और अपने चेहरे पर मुस्कान लेकर जाए'।

जियो गोल्ड 24के डेज़ लॉन्च, हर खरीददारी पर मिलेगा दो प्रतिशत तक मुफ्त सोना

मुंबई। निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जियो फाइनेंस ने अक्षय तृतीया के अवसर पर सोना खरीदने की परंपरा को और खास बनाते हुए 'जियो गोल्ड 24के डेज' लॉन्च किया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि 29 अप्रैल से 05 मई, 2025 तक चलने वाले इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहक जियोफाइनेंस और मायजियो ऐप के माध्यम से डिजिटल सोना खरीदते समय अतिरिक्त मुफ्त सोना पा सकते हैं।जियो ने बताया कि इस ऑफर के तहत एक हजार रुपये से 9999 रुपये तक के डिजिटल सोने की खरीद पर ग्राहक ऑफर कोड जेआईओगोल्ड1 का उपयोग कर एक प्रतिशतमुफ्त सोना प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह 10 हजार रुपये से अधिक की खरीददारी पर प्रोमो कोड जेआईओगोल्डएटी100 का इस्तेमाल कर दो प्रतिशत मुफ्त सोना मिलेगा। यह ऑफर प्रति ग्राहक अधिकतम 10 ट्रांजेक्शन पर वैध है और एक ग्राहक को कुल मिलाकर अधिकतम 21 हजार रुपये मूल्य का मुफ्त सोना मिल सकता है। अतिरिक्त सोना खरीददारी के 72 घंटों के भीतर ग्राहक के खाते में जोड़ दिया जाएगा। यह ऑफर केवल एकमुश्त खरीद पर मान्य है, गोल्ड एसआईपी पर नहीं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.19 प्रतिशत गिरकर 62.90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.75 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खरीफ की बुआई से पहले सभी केवीके और आईसीएआर किसान जागरूकता अभियान चलाएं: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से वर्चुअल संवाद किया। उनकी पहल पर आयोजित इस अभिनव संवाद कार्यक्रम में सभी केवीके के चल रहे प्रयासों, उनकी भूमिका और भावी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को लेकर व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान शिवराज सिंह ने सभी केवीके से किसानोन्मुखी प्रयासों में तेजी लाने की बात कही। साथ ही कहा कि खेती-किसानी की उन्नति में केवीके सशक्त माध्यम के रूप में भूमिका निभाएं। केवीके कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं, इसलिए खरीफ की बुआई से पहले सभी केवीके और आईसीएआर राज्य सरकारों के साथ मिलकर किसान जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और किसानों के हितों के मद्देनजर उत्पादकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले केवीके को

पुरस्कृत किए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इस संवाद में देशभर के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुखों के साथ ही कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए, जिनमें से कुछ ने केवीके की उपलब्धियां बताईं और अपने सुझाव भी दिए। आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोधपुर (राजस्थान), अटारी हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), अटारी पटना (बिहार), अटारी जबलपुर (मध्य प्रदेश) के अलावा मंडी (हिमाचल प्रदेश), नंदूरबार (महाराष्ट्र), खुर्दा (ओडिशा), मोरीगांव (असम) और लक्षद्वीप के केवीके प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्र विशेष के अनुसार अपने कामकाज, उपलब्धियों और भावी कार्य योजनाओं के बारे में केंद्रीय कृषि मंत्री को जानकारी दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट और उप महानिदेशक (प्रसार) डॉ. राजबीर सिंह ने प्रारंभ में केवीके के संबंध में रूपरेखा बताई। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अभियान स्वरूप कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि व्यापक क्षेत्र है। प्रत्यक्ष रूप से लगभग 45त्न आबादी कृषि से जुड़ी है और हमारी जीडीपी का लगभग 18त्न हिस्सा कृषि क्षेत्र से ही आता है, इसलिए इस व्यापक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए हमें लगातार प्रभावशाली प्रयास करने होंगे। केवीके प्रमुखों को संबोधित करते हुए उन्होंने किसानों के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अच्छे प्रशिक्षण और जागरुकता के माध्यम से हम किसानों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकते हैं।

द बॉडी शॉप इंडिया ने मोर लव फॉर लेस नाम से शुरू किया नया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। लोगों की आवश्यकताओं को देखते हुए द बॉडी शॉप इंडिया ने मोर लव फॉर लेस नाम से एक नया अभियान शुरू किया है। इससे इसके उत्पाद की कीमतें कम होंगी और उभोक्ताओं को ज्यादा लाभ मिलेगा। क्वेस्ट रिटेल के ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा कि इस अभियान से हर आयु वर्ग के लोग जुड़ रहे हैं। भरोसेमंद उत्पाद और विश्वसनीय फॉर्मूलेशन अब बेहतर कीमतों पर उपलब्ध कराकर द बॉडी शॉप अपने ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शा रही है। उन्होंने कहा कि इस रणनीतिक बदलाव के साथ, द बॉडी शॉप ने उन उत्पादों को और सुलभ बना दिया है, जिन्हें उपभोक्ता पहले से पसंद करते हैं और जिन पर उन्हें भरोसा है। एक विज्ञप्ति जारी कर राहुल शंकर ने कहा कि यह दूरदर्शी रणनीति हमारे मूल्यों पर आधारित है और ग्राहकों की वास्तविक जरूरतों से प्रेरित है। बीते दो दशकों से भारतीय ग्राहकों ने हमारे मूल्यों और सिद्धांतों के लिए हमें पसंद किया है। उन्होंने कहा कि द बॉडी शॉप इंडिया ने अपने 12 सबसे लोकप्रिय उत्पादों की कीमतें कम

करने की रणनीति शुरू की है। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को इस ब्रांड से जोड़ना और उन्हें इसकी दुनिया से परिचित कराना है। यह रणनीति भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझने और ब्यूटी बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीसीपीए ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्तरां पर की कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के पांच रेस्तरां मखना डेली, जेरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इन रेस्तरां ने दिल्ली होई कोर्ट के आदेश के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क की वापस नहीं किया। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इनको सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है। सीसीपीए ने 04 जुलाई 2022 को होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। ये दिशा-निर्देश उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए बनाए गए हैं। इनमें कहा गया है कि कोई भी होटल या रेस्तरां सेवा शुल्क को स्वतः या डिफ़ॉल्ट रूप से बिल में नहीं जोड़ेगा। साथ ही, सेवा शुल्क का संग्रह किसी अन्य नाम से नहीं किया जाएगा। उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि सेवा शुल्क वैकल्पिक है और यह उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के प्रवेश या

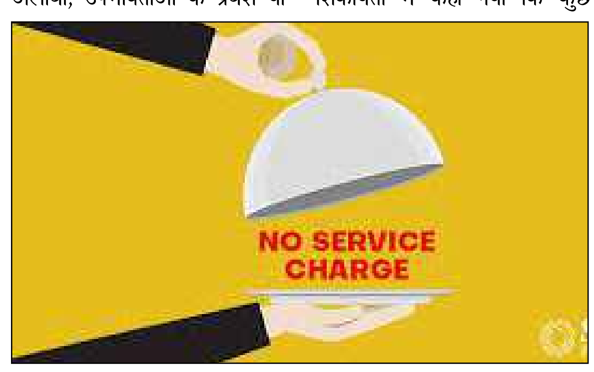

सेवाओं के प्रावधान पर सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीसीपीए के सेवा शुल्क संबंधी दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा। इसके बाद, सीसीपीए को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) के माध्यम से कई शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में कहा गया कि कुछ रेस्तरां बिना पूर्व सहमति के अनिवार्य सेवा शुल्क लगा रहे हैं। सीसीपीए का गठन उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और गलत विज्ञापनों के मामलों को विनियमित करने के लिए किया गया है।

देश का औद्योगिक उत्पादन मार्च महीने में 3 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश का औद्योगिक उत्पादन मार्च में मासिक आधार पर 3 फीसदी बढ़ा है। इससे पहले फरवरी महीने में यह 2.7 फीसदी रही थी, जबकि पिछले साल की समान अवधि में आईआईपी पर आधारित औद्योगिक उत्पादन मार्च 2024 में 5.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर तीन फीसदी रही, जो इससे पिछले महीने फरवरी में 2.7 फीसदी थी। हालांकि, सालाना आधार पर औद्योगिक उत?पादन की वृद्धि मार्च में घटी है, क्योंकि मार्च, 2024 में यह 5.5 फीसदी था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के मुताबिक सालाना आधार पर विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों का प्रदर्शन खराब रहा है। एनएसओ के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में थोड़ी कम होकर तीन फीसदी रह गई, जो पिछले साल इसी महीने में 5.9 फीसदी थी। खनन क्षेत्र की उत्पादन में वृद्धि सालाना आधार पर 1.3 फीसदी से घटकर 0.4 फीसदी

रह गई इसके अलावा बिजली क्षेत्र का उत्पादन भी मार्च 2025 में घटकर 6.3 फीसदी पर आ गया, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 8.6 फीसदी था। सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि फरवरी 2025 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 2.9 फीसदी रही थी, हालांकि, अब राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से इस आंकड़े को संशोधित कर 2.7 फीसदी कर दिया गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में आईआईपी पर आधारित आद्योगिक उत?पादन में चार फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 5.9 फीसदी रहा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक अब औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का त्वरित अनुमान अब हर महीने की 28 तारीख को (या 28 तारीख को छुट्टी होने पर अगले कार्य दिवस पर) जारी किया जाएगा।

कैट ने आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए दिल्ली इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल का दिया प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राष्ट्रीय राजधानी में आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 'दिल्ली इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल' स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। इस प्रस्ताव को पत्र के जरिए मुख्यमंत्री को दिया गया है, जिसमें शहर के लिए एक स्ट्रक्चर्ड इकोनॉमिक प्लान की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। अपने पत्र में कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पिछले एक दशक में दिल्ली में जरूरी आर्थिक और व्यापार नीतियों की कमी रही है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिल्ली के बिजनेस, इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर के सामने चुनौती खड़ी हो गई है। खंडेलवाल के मुताबिक, दिल्ली इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल से नए रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली

को दुनिया के शीर्ष वैश्विक शहरों में से एक बनाने में सहायता होगी। कैट ने शहरी सुधार पर केंद्र सरकार की उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष केशव वर्मा की हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए प्रमुख शहरों में 'सिटी इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल' की स्थापना की सिफारिश की गई थी। वित्त मंत्रालय फिलहाल इन सुझावों की समीक्षा कर रहा है। खंडेलवाल ने योजनाबद्ध शहरी विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि दिल्ली का विस्तार उचित योजना के बिना हुआ है, जिससे शहर की आर्थिक क्षमता सीमित हो गई है। खंडेलवाल ने प्रस्ताव दिया कि इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, व्यापार निकाय, औद्योगिक संघ और शहरी विशेषज्ञ शामिल होने चाहिए। उन्होंने दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के पूर्ण समर्थन की भी पुष्टि करते हुए कहा, ÷हम दिल्ली सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं और दिल्ली को भारत की आर्थिक राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त ट्रेड एसोसिएशन ने रविवार को कहा था कि भारतीय व्यापारियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक संबंध तोड़ने का फैसला किया है।

सप्ताह के पहले दिन ही शेयर बाजार में जबरदस्त उत्साह, सेंसेक्स 1,000 अंक से ज्यादा उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही घरेलू शेयर बाजार में जबरदस्त उत्साह नजर आया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही चौतरफा खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेजी का रुख बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.27 प्रतिशत और निफ्टी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, फार्मास्यूटिकल, एनर्जी, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, टेक और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। निफ्टी का आईटी इंडेक्स आज 0.22 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एनएसई में 2,577 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,342 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,235 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

एक मई से लागू होगी 'वन स्टेट वन आरआरबी पॉलिसी', ग्रामीण बैंकों की संख्या घटकर 28 रह जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वन स्टेट वन आरआरबी पॉलिसी यानी एक राज्य में एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की नीति 1 मई से लागू हो जाएगी। मतलब सिर्फ दो दिन बाद 1 मई से देश में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की संख्या घट कर सिर्फ 28 रह जाएगी। फिलहाल देश में कुल 43 ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं। ये सभी ग्रामीण बैंक उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र के हैं। पूरे देश के ग्रामीण इलाकों में काम कर रहे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की सर्विस को और बेहतर बनाने के लिए देश के 11 राज्यों में कार्यरत 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय का फैसला लिया गया था। इस संबंध में 8 अप्रैल को ही वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना भी जारी की थी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण का ये

चौथा चरण होगा। इसके पहले भी चीन चरणों में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या कम की गई है। इस चौथे चरण के पूरा होते ही आरआरबी की संख्या घटकर 28 रह जाएगी। इसके पहले 2006 से 2010 के बीच आरआरबी की संख्या 196 से घटाकर 82 कर दी गई थी। इसके बाद दूसरे चरण (2013 से 2015) में आरआरबी की संख्या 82 से घटा कर 56 कर दी गई, जबकि तीसरे चरण में इनकी संख्या कम करके 43 कर दी गई थी। वित्त मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार हर एक राज्य में मौजूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को इंटीग्रेट करके एक मजबूत बैंक बनाया जाएगा, जो अपने राज्य के ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सर्विस देने का काम करेगा। इसके तहत उत्तर प्रदेश में बडौदा यूपी बैंक, प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक और आर्यावर्त बैंक को मिलाकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा, जिसका मुख्यालय लखनऊ में होगा। इसी तरह बिहार में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक का विलय करके बिहार ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। इसका स्पॉन्सर पंजाब नेशनल बैंक रहेगा। वहीं गुजरात में बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक और सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक को मिलाकर गुजरात ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में बंगिया ग्रामीण विकास बैंक, उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक को मिला करके पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा।

पीयूष गोयल लंदन पहुंचे, यूके के व्यापार सचिव के साथ की बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सुबह लंदन पहुंचे। गोयल ने यूके के व्यापार और व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत की। वे तीन शहरों- लंदन, ओस्लो और ब्रुसेल्स के 5 दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिनों की आकर्षक चर्चा के लिए सुबह लंदन पहुंचा। गोयल ने लिखा है कि अपनी पहली मुलाकात में यूके के व्यापार और व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सकारात्मक बैठक की, जिसमें मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाया गया, जिससे भारत-यूके आर्थिक संबंधों को गहरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को बल मिला। उच्चस्तरीय वार्ता करने की उम्मीद है। गोयल लंदन से ओस्लो और ब्रुसेल्स भी जाएंगे। उल्लेखनीय है

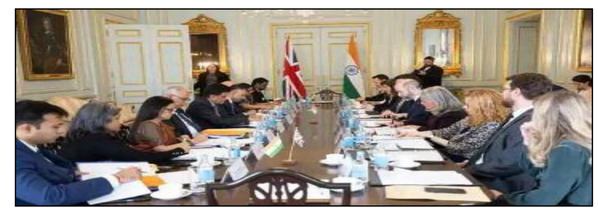

गोयल द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिनों की चर्चा के लिए आज सुबह लंदन पहुंचे हैं। वाणिज्य मंत्री के साथ प्रमुख भारतीय कंपनियों का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी है। इस दौरान ब्रिटेन सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ कई कि गोयल के इस दौरे का उद्देश्य ब्रिटेन और यूरोप के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश वार्ता को आगे बढ़ाना है। इस पांच दिवसीय यात्रा का उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा देना है।

आईडीबीआई बैंक का तिमाही मुनाफा 25.4 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,655.09 करोड़ रुपये के मुकाबले 25.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 2,072.01 करोड़ रुपये हो गया।बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 2,072.01 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 1,655.09 करोड़ रुपये के मुकाबले 25.4 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय में भी 14.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 7,955.95 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,089.81 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 5,749.56 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,862.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में उसका सकल शुद्ध मुनाफा 7,630.68 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 5,788.11 करोड़ रुपये के मुकाबले 31.8 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान उसकी कुल आय 30,370.42 करोड़ रुपये से 12.14 प्रतिशत बढ़कर 34,058.75 करोड़ रुपये और कुल व्यय 20,596.75 करोड़ रुपये से 11.06 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 22,875.56 करोड़ रुपये हो गया।

भूटान ने निर्यात प्रक्रिया को आसान बनाने में सहयोग के लिए सीबीआईसी को दिया धन्यवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भूटान ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को उनके निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया है, जिसने निर्यात प्रक्रियाओं को आसान बनाने और व्यापार संबंधी चिंताओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वित?त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 24-25 अप्रैल को थिम्पू (भूटान) में 6वीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक आयोजित की गई, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार और पारगमन को बढ़ाने के लिए कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा शुल्क सहयोग को मजबूत करने, व्यापार सुविधा बढ़ाने तथा सुरक्षित एवं कुशल सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव और सदस्य (सीमा शुल्क) सुरजीत भुजबल और भूटान सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व और सीमा शुल्क विभाग के महानिदेशक सोनम जामत्शो ने की। इस छठी जेजीसी बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार और पारगमन बढ़ाने के लिए कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पारगमन प्रक्रियाओं के स्वचालन और डिजिटलीकरण, समन्वित सीमा

प्रबंधन, सीमा शुल्क डेटा का आदान-प्रदान, सीमा शुल्क पारस्परिक सहायता समझौता और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत पारगमन कार्गो की आवाजाही आदि पर सकारात्मक चर्चा की गई। बैठक में भूटान ने निरंतर सहयोग के लिए सीबीआईसी का आभार व्यक्त किया और विशेष रूप से 29 जुलाई से 1 अगस्त, 2024 तक आयोजित 'भारत-भूटान व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाना' शीर्षक वाली क्षमता निर्माण कार्यशाला को मान्यता दी। इस कार्यशाला ने निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने भूटान के आयातकों और निर्यातकों के लिए आवश्यकता-आधारित क्षमता निर्माण के अतिरिक्त जोखिम प्रबंधन प्रणाली, अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर, खाद्य सुरक्षा मानकों के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का विस्तार करने का प्रस्ताव रखा। उल्लेखनीय है कि भारत आयात और निर्यात में भूटान का शीर्ष व्यापार साझेदार है, जो भूटान के कुल व्यापार का लगभग 80 फीसदी हिस्सा है। भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के जरिए भूटान के साथ व्यापार महत्वपूर्ण है। भारत और भूटान के बीच संयुक्त सीमा शुल्क समूह की बैठकें सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की पुनर्परिभाषा और पुनर्रचना से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने, सीमा शुल्क सहयोग को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम वैश्विक विधियों के साथ संरेखण तथा सीमा पार व्यापार सुविधा के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं। भारत और भूटान सीमा पर पश्चिम बंगाल और असम राज्यों में 10 भूमि सीमा शुल्क स्टेशन हैं।

सफेद बालों

की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें

चेहरे की सुंदरता के साथ बालों की खूबसूरती भी हमारी पर्सनालिटी में चार चांद लगाती हैं, पर कई बार कुछ परेशानियों की वजह से हमारे बाल झड़ने और सफेद होने लगते हैं। ऐसे में अगर हम अपने बालों की अच्छे से देखभाल नहीं करेंगे तो हमारे बाल हमारी पर्सनालिटी को खराब कर देते हैं।

आजकल ज्यादातर लोग सफेद बालों की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में वह बालों को काला करने के लिए बाजार से कई तरह के हेयर कलर लाकर इस्तेमाल करते हैं, पर यह हेयर कलर अपके बालों की जड़ों को कमजोर बनाते हैं। इसलिए आज हम आपको बालों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें बताएगें। इन्हें अपनाकर कर आप आपने बालों को कुदरती तौर पर काला कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

– आंवला

आंवला एक अत्यंत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी जैसे अनेकों तत्व भी अच्छी मात्रा में मिल जाते हैं। यह छोटा सा आंवला आसानी से मिलने वाला व सस्ता है। इसका उपयोग सफेद होते बालों की समस्या को दूर करने के लिए भी किया जाता है। इसे मेंहदी में मिलाकर बालों पर लगाने से हमारे बाल काले हो जाते हैं। आप इसे गर्म नारियल तेल में मिलाकर भी बालों पर लगा सकते हैं। - काली मिर्च
वैसे तो काली मिर्च का इस्तेमाल खाने में किया जाता है, पर हम इसका उपयोग सौंदर्य में बालो को काला करने के लिए भी कर सकते हैं। काली मिर्च को पानी में उबाल कर रख लें। आप जब भी बालों को धोएं तो बाद में इस पानी को सिर में डाल लें। नियमित इसका इस्तेमाल करने से आपको इसका असर दिखाई देगा।

– कॉफी और काली चाय

बालों को काला करने के लिए कॉफी और काली चाय का इस्तेमाल करें। बालों को चाय या कॉफी सो धोनें से आपके बाद फिर से काले होने लग जाते हैं। हो सके तो आप दिन में दो बार बालों को कॉफी और चाय के साथ धोएं।

– एलोवेरा

अगर आपके बाल झड़ते हैं तो एलोवेरा जेल में नींबू का रस मिला कर पेस्ट बना ले और बालों में लगाएं। इस तरह करने से आपके बालों का झड़ना भी कम हो जाएगा और बाल काले भी होने लगेगे। - दही
आप दही और हिना को बराबर मात्रा में मिला कर पेस्ट बना लें। बाद में इस पेस्ट को बालों पर लगाएं। इस पेस्ट को हफ्ते में 2-3 लगाने से आपको बाल काले होने लगते हैं।

– प्याज

बालों को काला करने के लिए नहाने से पहले अपने बालों में प्याज का पेस्ट लगाएं। सूख जाने पर पानी से साफ कर लें। ऐसा करने से आपके काले तो होंगे ही साथ ही बालों में चमक आएगी।

– भृंगराज और अश्वगंधा

बालों के लिए भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों को वरदान माना जाता हैं। भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों का पेस्ट बनाकर नारियल के तेल में भिगों कर बालों पर एक घंटे तक लगा कर रखें। बाद में गुनगुने पानी से बालों को अच्छे से धो लें। ऐसा करने से आपके बालों की कंडीशनिंग भी होगी और बाल काले हो जाएगें।

– दूध

गाय के दूध को बालों में लगाने से आपके सफेद बाल काले होने लगते हैं। इसलिए बालों को कुदरती तौर पर काला करने के लिए हफ्ते में 2-3 बार इसे बालों पर जरूर लगाएं।

– कढ़ी पत्ता

बालों को धोने से पहले आप नहाने वाले पानी में कढ़ी पत्तें डाल कर एक घंटे तक रख दें। बाद में उसी पानी से आप बालों को धोएं। आप इसे दूसरी तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पत्तों को बारीक काटकर गर्म नारियल तेल में मिला भी बालों में लगा सकते हैं।

- देसी घी

कुदरती तौर पर बालों को काला करने के लिए देसी घी से सिर की मालिश करें। इसे त्वचा को पोषण मिलता है और बालों के सफेद होने की समस्या भी दूर हो जाती हैं।